कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2021

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

उमिया माता
कुल देवी-कड़वा पटेल समाज
ऊंझा, अहमदाबाद (गुजरात)

कुरुम्बा भगवती
कुल देवी-कुदुम्बी समाज
थ्रीसुर (केरला)

मीनाक्षी देवी
कुल देवी-चेल, चोल व पाण्ड्या
वंशी कूर्मि, मदुरै (तमिलनाडु)

थैवन्नई देवी
कुल देवी कुदुम्बी समुदाय
दक्षिण भारत (तमिलनाडु)

कौशिल्या माता मंदिर
विश्व में एक मात्र, 8 वीं शताब्दी
चंदखुरी, रायपुर (छ.ग.)

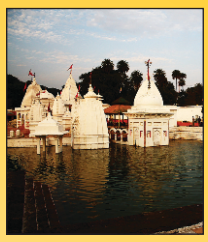

नर-मादा उद्गम
मूल संस्कृति का उद्गम केन्द्र
अमरकंटक, छ.ग./म.प्र.

कुल देवता
मातृशक्ति, पितृशक्ति एवं
गणशक्ति का प्रतीक (छत्तीसगढ़)

सम्राट अशोक

महाराजा विक्रमादित्य

सम्राट पण्ड्यान, दक्षिण भारत

छत्रपति शिवाजी महाराज

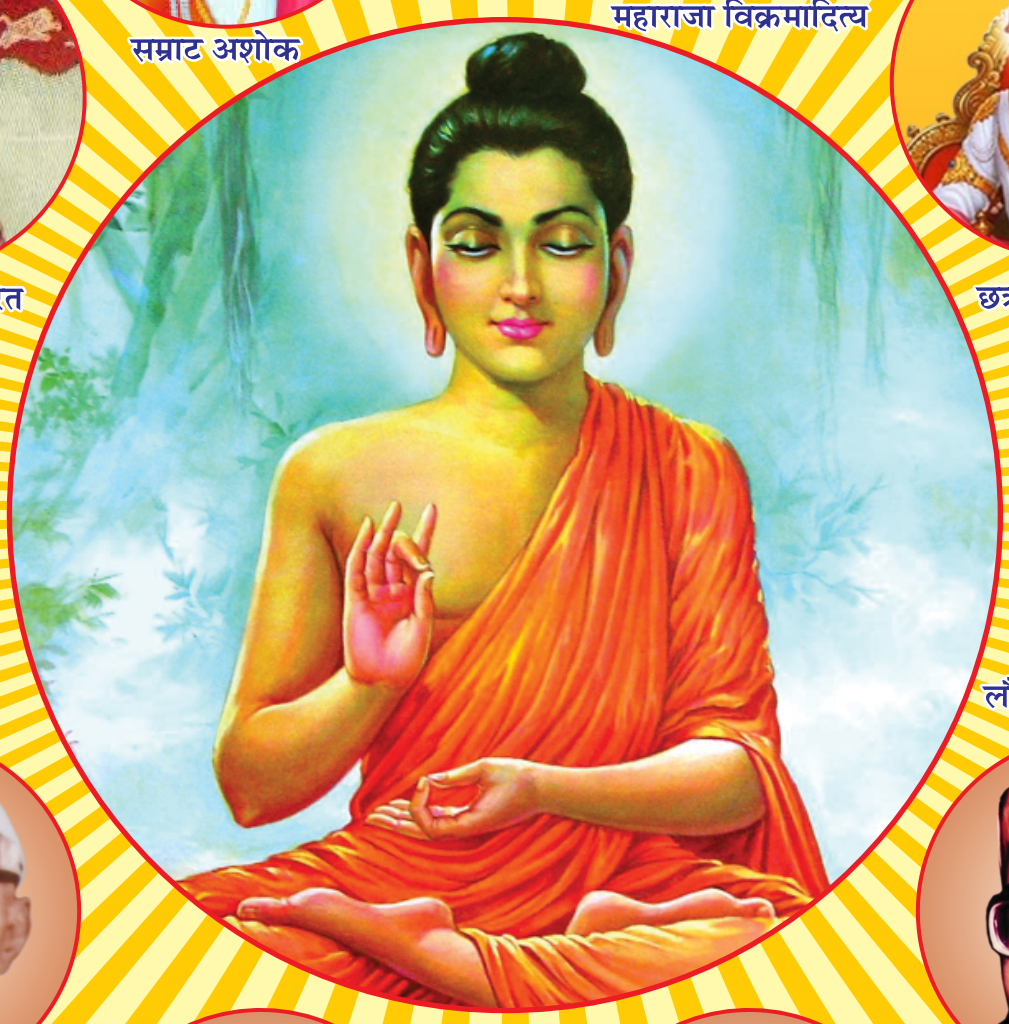

छत्रपति शाहू जी महाराज

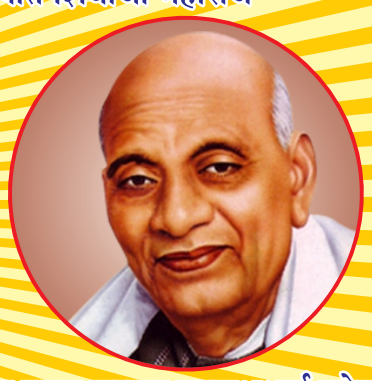

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल

डॉ. खूबचंद बघेल

स्वामी आत्मानंद जी

रामस्वरूप वर्मा

हीरालाल काव्योपाध्याय

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

Kurmi Samaj App
www.kurmisamaj.in
GET IT ON Google Play
समाज डाइरेक्टरी, किसान मंत्र, महिला सशक्तीकरण समाचार, विद्यार्थी समाचार, विवाह समाचार, रक्तदान, रोजगार समाचार, व्यवसायिक समाचार, संगठन इत्यादि हेतु कूर्मि समाचार एप मोबाईल पर डाऊनलोड करें ।
कूर्मि प्रशांत पटेल
मो. : 9617066669

Creative Computer 9329111036

सहयोग राशि- रू. 50-/

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2021

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की राज्यवार जानकारी विवरण

कूर्मि समाज की राज्यवार जनसंख्या स्थिति तालिका 2020

क0	राज्य व केन्द्र शासित का प्रदेश का नाम	मूलभूत महत्वपूर्ण जानकारियां (# 7)				राज्यवार जनसंख्या (# 1, 5, 6)		राज्य में कूर्मियों की लगभग जनसंख्या 2020 (# 1, 2, 3, 4 5)	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
		जिलों की सं0	विकासखण्डों की सं0	ग्राम की सं0	ग्राम पंचायतों की सं0	जनगणना 2011 अनुसार कुल जनसंख्या	मई 2020 की स्थिति में राज्य की प्राजेक्टेट जनसंख्या		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	आंन्ध्रप्रदेश **	13	668	17950	13371	84,665,533	53,903,393	12,219,899	22.67
2	अरूणांचल प्रदेश	25	114	5552	1785	1,382,611	1,570,458	2,827	0.18
3	आसाम	33	229	27927	2197	31,169,272	35,607,039	2,446,204	6.87
4	बिहार	38	534	45413	8387	103,804,637	124,799,926	19,456,308	15.59
5	छत्तीसगढ़	28	146	20619	11664	25,540,196	29,436,231	6,511,294	22.12
6	गोवा	2	12	410	191	1,457,723	1,586,250	262,683	16.56
7	गुजरात	33	250	19034	14308	60,383,628	63,872,399	19,040,362	29.81
8	हरियाणा	22	142	7652	6197	25,353,081	28,204,692	1,771,255	6.28
9	हिमान्चल प्रदेश	12	80	21165	3226	6,856,509	7,451,955	58,125	0.78
10	झारखण्ड	24	264	32712	4364	32,966,238	38,593,948	11,443,106	29.65
11	कर्नाटक	30	227	34323	6009	61,130,704	67,562,686	18,005,456	26.65
12	केरल	14	152	1664	941	33,387,677	35,699,443	1,699,293	4.76
13	मध्यप्रदेश	52	313	55914	22812	72,597,565	85,358,965	15,014,642	17.59
14	महाराष्ट्र	36	352	44345	27881	112,372,972	123,144,223	71,152,732	57.78
15	मणीपुर	16	70	3925	161	2,721,756	3,091,545	3,401	0.11
16	मेघालय	11	46	6983		2,964,007	3,366,710	4,713	0.14
17	मिजोरम	11	26	864		1,091,014	1,239,244	1,983	0.16
18	नागालैण्ड	11	74	1626		1,980,602	2,249,695	2,700	0.12
19	उड़ीसा	30	314	52141	6798	41,947,358	46,356,334	22,149,056	47.78
20	पंजाब	22	150	12968	13263	27,704,236	30,141,373	476,234	1.58
21	राजस्थान	33	352	46730	11316	68,621,012	81,032,689	9,610,477	11.86
22	सिक्किम	4	32	454	185	607,688	690,251	897	0.13
23	तमिलनाडू	37	388	18477	12525	72,138,958	77,841,267	15,451,491	19.85
24	तेलंगाना **	33	589	11234	12769		39,362,732	8,951,085	22.74
25	त्रिपुरा	8	58	898	591	3,671,032	4,169,794	5,838	0.14
26	उत्तरप्रदेश	75	827	107208	58765	199,581,477	237,882,725	44,198,610	18.58
27	उत्तराखण्ड	13	95	17053	7791	10,116,752	11,250,858	550,167	4.89
28	पश्चिम बंगाल	23	344	41002	3340	91,347,736	99,609,303	9,831,438	9.87
राज्यों की जनसंख्या का योग		689	6848	656243	250837	1,177,561,974	1,335,076,128	290,322,277	22.18

केन्द्र शासित प्रदेश

1	अण्डमान व निकोबार दीप समूह	3	9	560	70	379,944	417,036	1,043	0.25
2	चंण्डीगड	1	1	0		1,054,686	1,158,473	32,206	2.78
3	दादरा व नगर हवेली	1	1	70	20	342,853	385,934	7,294	1.89
4	दमन व दीप	2	2	31	18	242,911	229,789	253	0.11
5	दिल्ली	11	0	222		16,753,235	18,710,922	1,042,198	5.57
6	लक्षदीप	1	10	27	10	64,429	73,183	183	0.25
7	पाडुचेरी	4	6	125	108	1,244,464	1,413,542	25,161	1.78
8	जम्मू काश्मिर **	20	287	6853	4289	12,548,926	13,606,320	8,164	0.06
9	लादाख **	2	31	243	192		289,023	116	0.04
केन्द्र शासित प्रदेश योग		45	347	8131	4707	32,631,448	36,284,222	1,116,617	2.31
महायोग भारत		734	7195	664374	255544	1,210,193,422	1,371,360,350	291,438,894	21.47

स्रोत

1 जनगणना 2011, सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण 2011 के आधार पर प्रोजेक्टेड जनसंख्या

2 सामाजिक जनगणना 1931 के आधार पर प्रोजेक्टेड जनसंख्या।

3 अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा एवं विभिन्न प्रदेशों से प्रकाशित स्मारिका के विश्लेषण।

4 राज्य में प्रकाशित पत्रिका, लेख व स्मारिका इत्यादि का विश्लेषणात्मक अध्ययन।

5 Projected in X Year Population=Population in base Year (1+e/100)^n

6 http://www.censusindia.gov.in

7 http://lgdirectory.gov.in/

8 http://www.worldometers.info/world-population/india-population/

** 2011 के पश्चात विभाजित/नवीन अस्तित्व में आए राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश

कूर्मि समाज/संगठनों के लिए मासिक बैठक हेतु आदर्श रोस्टर तालिका

क्र.	इकाई / सप्ताह	नगर तह. इकाई	जिला इकाई	संभाग इकाई
1	प्रथम रविवार	दोप. 2 से 4 बजे		
2	द्वितीय रविवार		दोप. 2 से 4 बजे	
3	तृतीय रविवार			दोप. 2 से 4 बजे
4	चतुर्थ रविवार	नगर/जिला/संभाग/ की संयुक्त कार्य योजना (दोप. 2 से 4 बजे)		
5	पंचम रविवार	प्रदेश कार्यकारिणी की त्रैमासिक समीक्षा बैठक (दोप. 2 से 4 बजे)		

भारत देश में निवासरत कूर्मियों की भौगोलिक क्षेत्रवार जानकारी

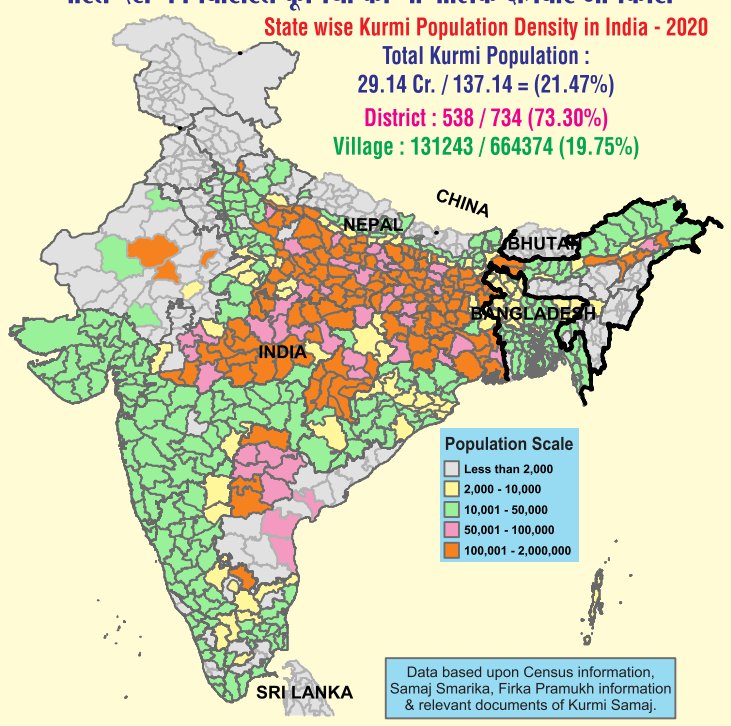

कूर्मि बाहुल्य जनसंख्या से संबंधित प्रमुख तथ्य

10 प्रमुख कूर्मि बाहुल्य राज्य, जहॉ 1 करोड़ से ज्यादा कूर्मियों की जनसंख्या है।

क0	राज्य व केन्द्र शासित का नाम हिन्दी में	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2020	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	महाराष्ट्र	71,152,732	57.78
2	उत्तरप्रदेश	44,198,610	18.58
3	उड़ीसा	22,149,056	47.78
4	बिहार	19,456,308	15.59
5	गुजरात	19,040,362	29.81
6	कर्नाटक	18,005,456	26.65
7	तमिलनाडू	15,451,491	19.85
8	मध्यप्रदेश	15,014,642	17.59
9	आंन्ध्रप्रदेश "	12,219,899	22.67
10	झारखण्ड	11,443,106	29.65

10 प्रमुख जनसंख्या के अनुपात में अनुपातिक रूप से कूर्मि बाहुल्य राज्य (जनसंख्या प्रतिशत वाले राज्य)

क0	राज्य व केन्द्र शासित का प्रदेश का नाम	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2020	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	महाराष्ट्र	71152732	57.78
2	उड़ीसा	22149056	47.78
3	गुजरात	19040362	29.81
4	झारखण्ड	11443106	29.65
5	कर्नाटक	18005456	26.65
6	तेलंगाना "	8951085	22.74
7	आंन्ध्रप्रदेश "	12219899	22.67
8	छत्तीसगढ़	6511294	22.12
9	तमिलनाडू	15451491	19.85
10	उत्तरप्रदेश	44198610	18.58

कूर्मि जनसंख्या के हिसाब से कम संख्या वाले राज्य/ केन्द्र शासित प्रदेश

क0	राज्य व केन्द्र शासित का प्रदेश का नाम	राज्य में कूर्मियों की लगभग कुल जनसंख्या 2020	राज्य में कूर्मियों की अनुपातिक जनसंख्या (प्रतिशत में)
1	मेघालय	4,713	0.14
2	मणीपुर	3,401	0.11
3	अरूणांचल प्रदेश	2,827	0.18
4	नागालैण्ड	2,700	0.12
5	मिजोरम	1,983	0.16
6	अण्डमान व निकोबार दीप समूह	1,043	0.25
7	सिक्किम	897	0.13
8	दमन व दीप	253	0.11
9	लक्ष्यदीप	183	0.25
10	लद्दाख**	116	0.04

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेलः kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

कूर्मि चन्दूलाल चन्द्राकर
जन्म : 1 जनवरी 1921, निर्वाण : 2 फरवरी 1995

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

माघ प्रारम्भ ता. 29 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

जनवरी - 2021

आप अपना भविष्य नहीं बदल सकते हैं लेकिन आप अपनी आदतें तो बदल सकते हैं क्योंकि बदली हुई आदतें ही आपका भविष्य बदलेंगी। - तथागत बुद्ध

शिशिर ऋतु

जन्मदिवस
1 जनवरी
कूर्मि एल.पी.पटेल
राष्ट्रीय अध्यक्ष-अ.भा. कूर्मि क्ष.महा.
कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि क्ष. चेतना मंच

गृह प्रवेश
9 जनवरी 12.32 दोप. से 7.17 सायं तक
विवाह मुहूर्त 18, 19

पंचक
15 जनवरी, शुक्रवार - 5.06 सायं से
20 जनवरी, बुधवार - 12.37 दोप. तक

अनुशरण करते समय अपने विवेक का इस्तेमाल कीजिए - तथागत बुद्ध

मूल
1 जनवरी, शुक्रवार 8.15 सुबह से 3 जनवरी, रविवार 7.57 सायं तक
10 जनवरी, रविवार 10.50 सुबह से 12 जनवरी, मंगलवार 7.38 सुबह तक
19 जनवरी, मंगलवार 9.55 सुबह से 21 जनवरी, गुरुवार 3.37 सायं तक
29 जनवरी, शुक्रवार 3.51 रात्रि से 31 जनवरी रविवार 2.28 रात्रि तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

ऐच्छिक अवकाश
1 नववर्ष दिवस
3 माता सावित्री बाई फुले जयंती
4 लुई ब्रेल का जन्म दिवस
7 राजिम भक्तिन माता जयंती
10 विश्व हिन्दी दिवस
14 मकर संक्रांति/पोंगल
20 गुरुगोविंद सिंह जयंती
23 नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती
28 छेरछेरा/माता शाकंभरी जयंती

शासकीय अवकाश
26 गणतंत्र दिवस

याददाश्त

सोम MONDAY		4 पौष कृष्ण 6, पू.फा. — राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा दिवस, लुई ब्रेल जयंती	11 पौष कृष्ण 13, ज्येष्ठा — लाल बहादुर शास्त्री पुण्य तिथि	18 पौष शुक्ल 5, पू. भा — राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस	25 पौष शुक्ल 12, कूर्म द्वादशी मृगशिरा — राष्ट्रीय पर्यटन दिवस, राष्ट्रीय मतदाता दिवस
मंगल TUESDAY		5 पौष कृष्ण 7, उ.फा.	12 पौष कृष्ण 14, मूल — दर्श अमावस्या, महर्षि महेश योगी जयंती, राष्ट्रीय युवा दिवस, स्वामी विवेकानंद जयंती	19 पौष शुक्ल 6, उ.भा. — महाराणा प्रताप पुण्यतिथि	26 पौष शुक्ल 13, आर्द्रा — प्रदोष व्रत, गणतंत्र दिवस, अन्तर्राष्ट्रीय कस्टम दिवस
बुध WEDNESDAY		6 पौष कृष्ण 8, हस्त	13 पौष कृष्ण 15, उ.आ. — पौष अमावस्या, इष्टि, लोहड़ी पर्व	20 पौष शुक्ल 7, रेवती — गुरु गोविंद सिंह जयंती	27 पौष शुक्ल 14, पुनर्वसु — अ. रा. प्रलय स्मृति दिवस
गुरु THURSDAY		7 पौष कृष्ण 9, चित्रा — राजिम भक्तिन माता जयंती	14 पौष शुक्ल 1, चन्द्र दर्शन, श्रवण — मकर संक्रांति, पोंगल	21 पौष शुक्ल 8, अश्विनी — रास बिहारी बोस दिवस	28 पौष शुक्ल 15, छेरछेरा पुष्य — पौष व शाकंभरी पूर्णिमा
शुक्र FRIDAY	1 पौष कृष्ण 2, पुष्य — नववर्ष दिवस, विश्व परिवार दिवस, चन्दूलाल चन्द्राकर जयंती	8 पौष कृष्ण 10, स्वाती — भगवान पार्श्वनाथ जयंती	15 पौष शुक्ल 2, धनिष्ठा — थल सेना दिवस	22 पौष शुक्ल 9, भरणी	29 माघ कृष्ण 1, अश्लेषा — इष्टि	
शनि SATURDAY	2 पौष कृष्ण 3, अश्लेषा — संकष्टी चतुर्थी	9 पौष कृष्ण 11, सफला एकादशी, विशाखा — बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, प्रवासी भारतीय दिवस	16 पौष शुक्ल 3, शतभिषा — कार्यालयीन अवकाश	23 पौष शुक्ल 10, कृतिका — राष्ट्रीय देश प्रेम दिवस, बैंक अवकाश, नेताजी सुभाषचंद्र बोस जयंती	30 माघ कृष्ण 2, मघा — विश्व कुष्ठ उन्मूलन दिवस, महात्मा गांधी शहीद दिवस (मौन दिवस)	
रवि SUNDAY	3 पौष कृष्ण 4/5, मघा — सावित्री बाई फुले जयंती	10 पौष कृष्ण 12, प्रदोष व्रत अनुराधा — विश्व हिन्दी दिवस, विश्व हास्य दिवस	17 पौष शुक्ल 4, पू.भा.	24 पौष शुक्ल 11, पुत्रदा एकादशी रोहिणी — राष्ट्रीय बालिका दिवस	31 माघ कृष्ण 3, पु.फा. — सकट	

समस्त स्वजातिय बंधुओं का हार्दिक अभिवादन
इंजी. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
संस्थापक सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
कूर्मि डॉ. अतीन गहवई
शिशु रोग विशेषज्ञ, सिम्स बिलासपुर
कूर्मि श्रीमती रुखमणी गहवई
आजीवन सदस्य
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
कूर्मि डॉ. आशीष गहवई
एम.बी.बी.एस.,चिकित्सा अधिकारी
कूर्मि डॉ. प्रीति गहवई
सहा. प्राध्यापक, सिम्स
कूर्मि आरवी गहवई
कूर्मि अनायशा गहवई

असली कार डेकोर की पहचान
गणेश चन्द्राकर की दुकान
CHANDRAKAR Car Decore
RAIPUR, Ph. - 07714267700
Ganesh Chandrakar
9977267700
9826867700
Maruti Business Park, G.E. Road, Raipur (C.G.)

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन्...

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग
PhD., M.Sc.(IT), M.B.A.(HR), MPH, PGDDHM
PG Diploma in Epidemiology, DAFE
Winner : I National Youth Award 2007-08
I Indira Gandhi NSS Award 2000-01
(Ministry of Youth & Sports Affairs, Govt. of India)
Cell +91-94255-22629
+91-83198-68746
E-mail: jkumar001@gmail.com

बाबू लाल कौशिक
गनेशिया बाई कौशिक
मातृ-पितृ चरण कमलेभ्यो नमः ।।
शुभकामनाएँ...
कूर्मि जगदीश प्रसाद कौशिक -श्रीमती रूखमणि कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)
कूर्मि श्रीमती शैल कौशिक पति स्व. दीपक प्रकाश कौशिक
कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक -श्रीमती पार्वती कौशिक
(पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच)
कूर्मि रामानन्द कौशिक- श्रीमती महेश्वरी कौशिक
(सेवा निवृत्त-सहायक मत्स्य अधिकारी) (प्रदेश संयुक्त सचिव-चेतना मंच)
कूर्मि योगेन्द्र कौशिक- श्रीमती आशा कौशिक
(कर सलाहकार, जगदलपुर)
कौशिक परिवार बावली वाले, वि. ख. पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं सादर अभिनंदन...
गढ़बो नवा छत्तीसगढ़

कूर्मि भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री-छत्तीसगढ़ शासन

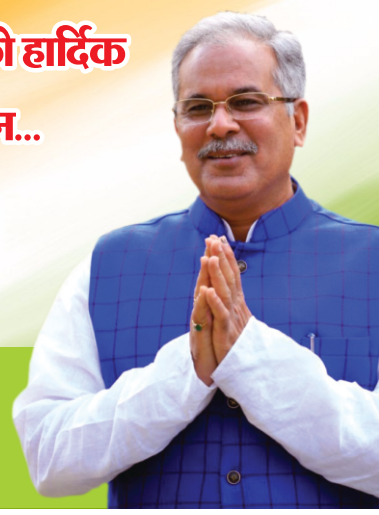

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जनवरी -2021

कूर्मि समाज की समेकित विकास हेतु कार्ययोजना (कूर्मि समाज हेतु दृष्टिकोण दस्तावेज -Vision Documents)

क्रमश: कूर्मि चेतना पंचांग 2020 अंक 6 से आगे....

कूर्मि समाज के अधिकांश पदाधिकारियों द्वारा समाज सेवा केवल सामाजिक रीति-रिवाज, सामाजिक परंपराओं के निर्वहन तथा वार्षिक अधिवेशन के साथ नीतिगत फैसले सुनाने तक ही सीमित हो गया है। कई फिरका प्रमुखों / उपजातियों में तो दंडप्रथा व सामाजिक बंधन को ही सामाजिक सेवा मान लिया गया है। नि:संदेह यह कार्य पूर्व में सुविधा के अभाव के दौरान समाज प्रमुखों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती थी, किंतु वर्तमान समय में केवल यह कार्य सामाजिक बैठक, सामाजिक न्याय, सामाजिक बंधन एवं रूढ़िवादी परंपरा को लादने के अलावा कुछ विशेष कार्य नहीं रह गया है। तकनीकी और शासकीय कल्याणकारी योजनाओं के दौर में समाज प्रमुखों की सबसे महती जिम्मेदारी यह है कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को उनकी आवश्यकता एवं क्षमता के हिसाब से पदाधिकारियों द्वारा उनका सहयोग एवं सहयोगात्मक समर्थन करते हुए उनके दु:ख और सुख में एक परिवार प्रमुख के रूप में सहयोग प्रदान करें। इस हेतु सरकार द्वारा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं भी चलाए जा रहे हैं। हमारे समाज प्रमुखों को अपने समुदाय के जरूरत मंद व्यक्तियों का चिन्हांकन कर उन्हें लाभ पहुंचाने के लिए एक प्रेरक की भूमिका निभाना होगा; ताकि हमारे समाज के प्रत्येक व्यक्ति का समेकित विकास हो सके। इन्ही मूल भावना को ध्यान में रखकर समाज प्रमुखों के लिए कुछ परिणाममूलक कार्य प्रस्तावित है; जिससे न केवल समाज का विकास होगा, बल्कि पदाधिकारियों की पहचान एक स्वच्छ व बेहतरीन समाजसेवी के रूप में हो सकेगा।

हमारा भारत देश कृषि प्रधान है और देश में 85 प्रतिशत हिस्सा कृषि व कृषि से संबंधित व्यवसाय पर निर्भर करता है। वर्तमान में भारत देश में लगभग 29.14 करोड़ कूर्मि समुदाय के लोग हैं और कूर्मि समाज के लगभग 95 प्रतिशत लोग परंपरागत कृषि कार्य से जुड़े हुए हैं। इतनी बड़ी आबादी के लिए केवल एक या दो दिन का कार्यक्रम या सम्मेलन से समाज की दशा व दिशा बदलने की बात करना ख्याली पुलाव ही होगा। हमें समाज के लिए ठोस कार्ययोजना व रणनीति के साथ कार्य करने की आवश्यकता है।

आज बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ खाद्य आधारित उत्पादन से दिन प्रतिदिन नए आयाम गढ़ रहे हैं; जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाले समय में चिर स्थाई व्यवसाय के रूप में कृषि कार्य शीर्ष पर होगा। अत: हमारे कूर्मि समाज द्वारा आगामी दिवसों में अवसर आधारित कार्य की ओर ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है। इस प्रकार के कार्य से न केवल हमें सरकारी नौकरी पर निर्भरता कम होगी; बल्कि रोजगार के भी नवीन आयाम पैदा होंगे। अत: अब समाजिक संगठनों को परिणामूलक कार्य करते हुए विकासात्मक कार्य को प्रमुख प्राथमिक एजेण्डा में शामिल करने के साथ अनुकूल कार्ययोजना निर्माण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। आईए जानते है कि कूर्मि संगठन को किन -किन क्षेत्रों में प्राथमिकता से परिणाममूलक कार्य करने की जरूरत है:-

1. **उपलब्ध संसाधनों का बेहतरीन उपयोग:-** समाज के पदाधिकारियों द्वारा समाज में उपलब्ध संसाधनों यथा सामुदायिक भवन का बेहतर उपयोग के लिए प्रयास किया जाना होगा। वर्तमान में उपलब्ध कई भवन केवल बैठक तक ही सीमित है; इसका बहुउद्देशीय भवन के रूप में उपयोग आवश्यक है; जहॉ से रोजगार व समाज विकास हेतु आर्थिक आय का स्त्रोत उत्पन्न हो सके। इस हेतु समाज के योग्य व्यक्ति को कार्यालय सचिव/ प्रमुख की जिम्मेदारी देते हुए उसे मानदेय की व्यवस्था किया जाना होगा। कार्यालय सचिव/ प्रमुख का दायित्व होगा कि समाज के पदाधिकारियों से परामर्श कर वार्षिक रूप से ऐसी गतिविधियों का निर्धारण किया जावे; जिससे भवन का उन्नयन कार्य, सुरक्षा व संरक्षण हेतु पर्याप्त धनराशि की व्यवस्था की जा सके। भवन की देखरेख हेतु चौकीदार, बिजली कर्मी, सफाईवाला व टेंट / बर्तन इत्यादि की देखरेख करने वाला व्यक्ति भी समाज के प्रशिक्षित व्यक्ति द्वारा किया जावें। इससे न केवल समाज के व्यक्तियों को स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त होगा; बल्कि समाज में अनवरत गतिविधियों का संचार होने से क्षेत्र में एक सकारात्मक परिवर्तन दृष्टिगोचर होगा।
2. **समाज में व्यावसायिक वातावरण का निर्माण:-** समाज के पदाधिकारियों द्वारा समाज में व्यावसायिक वातावरण के निर्माण हेतु प्रयास किया जाना चाहिए। हम सभी अवगत ही है कि कूर्मि समाज, अनाज उत्पादन करने में अग्रणी समाज है, किन्तु प्रोसेसिंग के क्षेत्र में भागीदारी न्यून है। हम वर्षभर मेहनत करके जितनी भी कमाई करते हैं; बनिया या बिचौलिया वर्ग केवल 1 माह में 10 गुना कमाई या मुनाफा करके समृद्धि प्राप्त कर दिन दूनी रात चौगुनी विकास प्राप्त कर रहे हैं। कूर्मि समाज जमीन से जुड़ा है और यदि हम फूड प्रोसेसिंग व्यवसाय में कदम रखेंगे तो संसाधन व व्यवसाय एक होने से इसमें सफलता के अवसर बढेंगे । इसे सभी समाज प्रमुख/संगठनों को अपने एजेंडा में शामिल करते हुए इस दिशा में ठोस कदम उठाना अति आवश्यक है। इस व्यवसाय को कृषि विभाग द्वारा विशेष प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। समाज प्रमुखों की जिम्मेदारी है कि कृषि विभाग में कार्यरत समाज के अधिकारियों का 'एग्रो मीट' का आयोजन कर विभाग से मिलने वाले अनुदान व सब्सिडी का लाभ समाज के लोगों को मिले इस हेतु प्रभावी प्रयास किया जावे। कूर्मि समाज का जीवकोपार्जन कृषि आधारित है। निश्चित रूप से हमें वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कृषि से जुड़े व्यवसाय की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जैसे पोल्ट्री फार्म, मछली पालन, फूलों की खेती इत्यादि।
3. **समाज के सभी लोगों की सहभागिता के लिए कार्ययोजना का निर्माण:-** वर्तमान समय में कूर्मि समाज के लोग भी विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। समाज के पदाधिकारी द्वारा उन्हें समाज विकास की मुख्यधारा में जोड़ने की पहल किया जाना होगा। इसके लिए समाज प्रमुखों के द्वारा उपसमूहों का थीम आधारित भेंट मुलाकात कार्यक्रम, गोष्ठियॉ, कार्यशाला, सम्मेलन इत्यादि का आयोजन कर उनकी समुचित भागीदारी बढ़ाना होगा। जैसे- वकील-मीट, शिक्षक-सम्मेलन, डॉक्टर-सम्मेलन, उद्योगपति-भेंट, ठेकेदार-जुड़ाव, एग्रो व्यवसाय इवेन्ट्स इत्यादि। समाज प्रमुखों की जिम्मेदारी है कि इसी प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन ठोस रणनीति के साथ करते हुए समाज के अंतिम व्यक्तियों तक लाभ पहुंचाया जाये। इस दृष्टिकोण से ठोस रणनीति का निर्माण किया जावे तथा समाज के जरूरतमंद लोगों का चिन्हांकन कर उनके उत्थान हेतु अनुकुल स्वरोजगार के लिए पहल किया जाना चाहिए।
4. **विभिन्न शासकीय योजनाओं से समन्वय :-** हमारा समाज जानकारी के अभाव में शासकीय योजनाओं का समुचित लाभ लेने में काफी पीछे है। समाज के संगठनों को कृषि / उद्यानिकी, शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य इत्यादि जनकल्याणकारी विभागों से सूचीबद्ध करते हुए अपने लोगों को बेहतर कौशल उन्नयन की दिशा में कार्य करने की जरूरत है। कई विभागों में कृषि व व्यवसाय संवर्धन के लिए विशेष व पर्याप्त बजट का प्रावधान रहता है, किन्तु जानकारी व जागृति के अभाव में बजट का समुचित उपयोग समाज के लाग नहीं कर पाते । समाज के पदाधिकारियों को विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए विशेष रणनीति पर कार्य करने की महती आवश्यकता है। जिससे कि समाज के जरूरतमंद व्यक्तियों तक लाभ पहुँचाने में उत्प्रेरक की भूमिका का निर्वहन कर सकें।
5. **एग्रो बिजनेस आधारित आऊटलेट्स व नेटवर्किंग के लिए प्रयास:-** हमारा समाज कृषि कार्य से जुड़े होने से कृषि आधारित उत्पादों जैसे खाद, कीटनाशक दवाईयॉ, उच्च गुणवत्तायुक्त अनाज की बिक्री इत्यादि एग्रो बिजनेस आधारित आऊटलेट्स को बढ़ावा देने जैसे कार्य सामाजिक संगठनों को प्रमुखता से किया जाना होगा। इस प्रकार के कार्य से समाज में शिक्षित युवाओं को न केवल व्यवसाय मिलेगा ; बल्कि समाज को बिचौलिया लोगों के धोखा से भी मुक्ति मिलेगी। ध्यान देने वाली बात है कि इस व्यवसाय में अधिकतर ग्राहक भी हमारे समाज से हैं और उत्पादक भी कूर्मि समाज से ही हैं।
6. **एक्स्पोजर विजिट / किसान दर्शन कार्यक्रम का आयोजन :-** समाज प्रमुखों के द्वारा अपने समाज के सभी लोगों को उन्नत कृषि व बाजार आधारित कृषि के लिए प्रेरित करने व आदान-प्रदान (एक्स्पोजर विजिट) भ्रमण यात्रा के माध्यम से माहौल तैयार करने का कार्य किया जाना चाहिए। उद्योग व कृषि विभाग से समन्यव स्थापित कर किसान दर्शन कार्यक्रम का आयोजन किए जाने पर बल दिया जाना होगा; जिससे नई तकनीकी ज्ञान से कम लागत में अधिक उत्पादन हेतु समाज के लोगों में कौशल का विकास हो सके।
7. **रूढ़िवादी परंपरा उन्मूलन हेतु मौलिक कार्यक्रम का आयोजन:-** आज पूरे समाज में समस्त पूजा-पाठ हवन-संस्कार, मंदिर के पुजारी आदि का एकाधिकार केवल इन तथाकथित ब्राम्हण जाति के पास ही आरक्षित है; भले ही उसमें ज्ञान, शिक्षा, कुछ भी न हो और हम लोग इनके इशारों पर गुलाम की भाँति कार्य करते हुए और अपनी गाढ़ी कमाई उनके हवाले कर जाते हैं। वे हमारा आर्थिक शोषण कर अपनी ऐशोआराम की जिंदगी जी रहे हैं और हम पर राज कर रहे हैं। इन्हीं रूढ़ीवादी परंपरा एवं दकियानूसी सोच व विचाधारा को दूर करने तथा समाज के लोगों को मानसिक गुलामी से मुक्ति दिलाने तथा आर्थिक शोषण से बचाने हेतु स्वजातियों को ही पुरोहित कर्म में प्रशिक्षित करने के अभियान को बढ़ावा दिया जाना चाहिए; ताकि समाज के ही लोग अपने समाज के बीच में जाकर सभी प्रकार के पूजा पाठ, हवन, संस्कार, पर्व पूजन, गृह प्रवेश आदि कार्यक्रम सम्पन्न करा सकें साथ ही प्राप्त धनराशि का समाज हित में ही उपयोग कर समाज को आगे बढ़ाने में भी अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें। **उदाहरण के लिए हमारे समाज में धार्मिक कार्यक्रम लगभग 1 लाख प्रतिवर्ष आयोजित किए जाते हैं। यदि प्रति कार्य में लगभग 5-10लाख व्यय होता है तो 1,00,000X5,00,000X= 50,00,00,00,000 / - (50 अरब) प्रतिवर्ष समाज के कोष में जमा हो सकता है, जिससे समाज के द्वारा शानदार 50 बहु प्रतिष्ठित अस्पताल का निर्माण कराया जा सकता है।**
8. **उद्योग व व्यवसायिक गतिविधियों का संवर्धन:-** कूर्मि समाज की भागीदारी उद्योग के क्षेत्र में नगण्य है। आगामी समय में समाज की भागीदारी उद्योग व व्यवसाय के क्षेत्र में बढ़ाने की दिशा में सामाजिक संगठनों को पहल करने की आवश्यकता है। प्रारंभिक रूप में राईस मिल, गन्ना प्रोसेसिंग उद्योग, तेल प्रोसेसिंग उद्योग इत्यादि व्यवसाय स्थापित करने के लिए समाज प्रमुखों को उत्प्रेरक की भूमिका का निर्वहन करना होगा।
9. **कैरियर काऊंसलिंग कार्यक्रम को बढ़ावा:-** समाज में उपलब्ध संसाधनों यथा सामुदायिक भवन का बेहतर उपयोग आगामी पीढ़ियों को समुचित मार्गदर्शन देने हेतु कैरियर काऊंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन नियमित किया जाना होगा; ताकि समाज के बच्चों को भविष्य की आवश्यकताओं के आधार पर तैयार किया जा सके। इसके अलावा सामाजिक भवनों में व्यावसायिक प्रशिक्षण का भी नियमित आयोजन किए जाने की नितांत आवश्यक है ।
10. **विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष व्यक्तियों की भूमिका सुनिश्चित करना -** समाज के पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष व्यक्तियों को संगठित करते हुए उनकी भागीदारी समाज विकास हेतु सुनिश्चित करना होगा। उदाहरणार्थ:- **यदि समाज के चिन्हांकित क्षेत्र में लगभग 100 व्यवसायिक/ डॉक्टर/ अधिकारियों द्वारा 1000 रू का सहयोग प्रतिमाह प्राप्त हो जाए ; तो समाज को दण्ड प्रथा से हाने वाले आय पर निर्भरता से छूटकारा मिल सकता है। इस कार्य से उदाहरण स्वरूप प्रतिमाह कम से कम 1000/- के हिसाब से 100 लोगों के द्वारा 12 माह में 1000X100X12= 12 लाख प्रतिवर्ष समाज के कोष में जमा हो सकता है। इस राशि का उपयोग प्रशिक्षण, छात्र कल्याण कोष, समाज के जरूरतमंद लोगों का सहयोग इत्यादि महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। इस प्रकार की गतिविधियों से समाज को कम समय में समुचित उन्नतशील बनाया जा सकता है।**
11. **आवश्यकतानुसार सामूहिक विवाह का आयोजन-** आजकल विवाह के आयोजन में फिजूलखर्च का प्रचलन काफी बढ़ रहा है। ऐसे में समाज के पदाधिकारियों द्वारा इस फिजूलखर्ची के विरूद्ध ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। **उदाहरण स्वरूप यदि समाज में प्रतिवर्ष किसी जिला/ प्रदेश में लगभग 1,00,000 विवाह संपादित होते हैं और प्रति विवाह कम से कम 5-10 लाख के हिसाब से 1 लाख शादी पर कुल 1,00,000X5,00,000X= 50,00,00,00,000 / - (50 अरब) 50 अरब राशि व्यय होता है । इस राशि के उपयोग से लगभग 50 विश्वविद्यालय प्रारंभ किये जा सकते हैं।** इस प्रकार प्रतिवर्ष समाज को इस फिजूलखर्च से बचाकर आवश्यकतानुसार सामूहिक विवाह का आयोजन करते हुए हम समाज से अनावश्यक खर्च पर रोक लगा सकते हैं और समाज में एक रचनात्मक कार्य के साथ शैक्षणिक संस्थान प्रारंभ कर उदाहरण प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपरोक्त गतिविधियों का बंटवारा जिला/संभाग/प्रदेश में कार्यरत विभिन्न संगठनों द्वारा परस्पर समन्वय स्थापित कर किया जाना चाहिए। ध्यान रहे कि समाज का समग्र विकास संयुक्त प्रयास से ही संभाव्य है। उपरोक्त कार्य 5 वर्ष के अंतर्गत प्राथमिकता से किया जाना है। समाज चाहे तो उपरोक्त गतिविधियों के अलावा और भी अन्य कार्य जोड़ सकते हैं। समाज में आयोजित बैठकों को भी परिणाममूलक करने की आवश्यकता है। बैठक से तात्पर्य कम से कम 4 घंटों के लिए परिणामूलक चर्चा व क्रियान्वयन से है।

समाज प्रमुखों की सक्रियता मापने हेतु सुझावात्मक पैमाना

वर्तमान समय में समाज विकास के लिए सही व योग्य व्यक्ति का चिन्हांकन जरूरी है; जिससे समाज का समय-सीमा में समुचित विकास हो सके। अब हम समाज प्रमुख की सक्रियता हेतु कुछ महत्वपूर्ण परिणामूलक पैमाना / सूचकांकों (Indicators) पर चर्चा करते हैं; जो निम्नांकित है :-

1 समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने लोगों को रोजगार में सहयोग प्रदान किए गए ? .....(संख्या)
2 समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने लोगों का व्यवसाय प्रारंभ कराए गए? ..... (संख्या)
3 समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने सामूहिक विवाह का आयोजन किए गए ? .....(संख्या)
4 समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने लोगों को शासकीय योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग किए गए ? .....(संख्या)
5 समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने भवन का उन्नयन करते हुए उसमें आर्थिक विकास जैसे चिर स्थाई गतिविधियाँ प्रारंभ किए गए? .....(संख्या)
6. समाज प्रमुखों / पदाधिकारियों द्वारा कितने गरीब लोगों का उत्थान करते हुए उन्हें सशक्त किए गए? .....
7. समाज प्रमुखों/पदाधिकारियों द्वारा कितने नवाचार /अनुकरण योग्य गतिविधियाँ प्रारंभ किए गए? .....
8 समाज प्रमुखों /पदाधिकारियों द्वारा समाज में व्याप्त रूढ़ीवादी परंपरा को समाप्त करने के लिए क्या कोई परिणाममूलक प्रयास किए गए? हाँ / नहीं
9. समाज प्रमुखों/पदाधिकारियों द्वारा क्या कोई स्वयं अनुकरणीय कार्य सम्पादित किए गए ? हाँ/नहीं

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

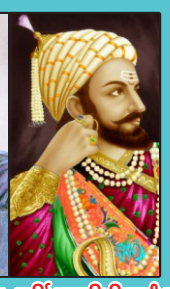

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

फाल्गुन प्रारंभ ता. 28 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942

फरवरी - 2021

जब अंधविश्वास आपकी शिक्षा पर हावी हो जाए तो समझ लीजिए आप मानसिक गुलाम बन चुके हैं। - तथागत बुद्ध

शिशिर ऋतु ता. 18 से बसंत ऋतु

कूर्मि समाज के प्रतिभाशाली बेटियों को शत् प्रतिशत ऐतिहासिक अंक प्राप्त करने पर कूर्मि समाज की ओर से हार्दिक बधाईयाँ एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ .....

कूर्मि आकांक्षा सिंह पटेल
कुशीनगर, उत्तरप्रदेश
NEET Exam-2020
में 720 में 720 अंक

कूर्मि प्रज्ञा कश्यप
(कक्षा 10 वीं)
मुंगेली, छत्तीसगढ़
छ.ग.हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा 2020
में 720 में 720 अंक

पंचक
12 फरवरी, शुक्रवार - 2.11 रात्रि से
16 फरवरी, मंगलवार - 8.57 रात्रि तक

विवाह मुहूर्त
14, 15, 16

मूल
6 फरवरी, शनिवार, 5.18 सायं से 8 फरवरी, सोमवार 3.21 अपराह्न तक
15 फरवरी, सोमवार 6.29 सायं से 17 फरवरी, बुधवार 11.49 रात्रि तक
25 फरवरी, गुरुवार 1.17 दोपहर से 27 फरवरी, शनिवार 11.18 सुबह तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

सोम MONDAY	माघ कृष्ण 4 — **1** — उ.फा. — सूरजकुंड शिल्प मेला दिवस; भारतीय तटरक्षक दिवस	माघ कृष्ण 12 — **8** — मूल	माघ शुक्ल 4 — **15** — उ.भा. — युवा कूर्मि मित्र मण्डल स्थापना दिवस (1987)	माघ शुक्ल 10 — **22** — मृगशिरा — कस्तुरबागांधी पुण्यतिथि; छ.ग. प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज स्थापना दिवस (2008); डॉ. खूबचंद बघेल जयंती; मौलाना आजाद दिवस; विश्व चिंतन दिवस
मंगल TUESDAY	माघ कृष्ण 5 — **2** — हस्त — चन्दुलाल चन्द्राकर पुण्यतिथि; विश्व आर्द्रभूमि दिवस	माघ कृष्ण 13 — **9** — पू.आ. — प्रदोष व्रत	माघ शुक्ल 5 — **16** — रेवती — बसंत पंचमी; माँ परमेश्वरी जयंती; कवि निराला जयंती	माघ शुक्ल 11 — **23** — आर्द्रा — जया एकादशी
बुध WEDNESDAY	माघ कृष्ण 6 — **3** — चित्रा	माघ कृष्ण 14 — **10** — उ.आ. — विश्व दलहन दिवस; राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस	माघ शुक्ल 6 — **17** — अश्विनी	माघ शुक्ल 12 — **24** — पुनर्वसु — प्रदोष व्रत; केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस
गुरु THURSDAY	माघ कृष्ण 7 — **4** — स्वाती — विश्व कैंसर दिवस	माघ कृष्ण 15 — **11** — श्रवण — मौनी (माघ) अमावस्या; पं.दीनदयाल उपाध्याय जयंती; विश्व बीमार दिवस	माघ शुक्ल 6 — **18** — भरणी — स्वामी दयानंद सरस्वती जन्म दिवस	माघ शुक्ल 13 — **25** — पुष्य
शुक्र FRIDAY	माघ कृष्ण 8 — **5** — विशाखा	माघ शुक्ल 1 — **12** — गुप्त नवरात्र प्रारंभ; धनिष्ठा; वल्लभाचार्य जयंती; राष्ट्रीय उत्पादकता दिवस; डार्विन दिवस; राष्ट्रीय गाँधी रेखा दिवस	माघ शुक्ल 7 — **19** — नर्मदा जयंती; कृत्तिका; रथ सप्तमी; भीष्म पितामह जयंती; छत्रपति शिवाजी जयंती	माघ शुक्ल 14 — **26** — अश्लेषा — हजरत अली का जन्म दिवस; संत माता प्रगटोत्सव
शनि SATURDAY	माघ कृष्ण 9,10 — **6** — अनुराधा — कवि प्रदीप जयंती	माघ शुक्ल 2 — **13** — राष्ट्रीय महिला दिवस; विश्व रेडियो दिवस; चन्द्र दर्शन; शतभिषा; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; सरोजनी नायडू जयंती	माघ शुक्ल 8 — **20** — विश्व पेंगोलिन दिवस; विश्व खुशी दिवस; रोहिणी; कार्यालयीन अवकाश; विश्व सामाजिक न्याय दिवस	माघ शुक्ल 15 — **27** — विश्व स्व.सहायता समूह दिवस; संत रविदास जयंती; चन्द्रशेखर आजाद जयंती; बैंक अवकाश; माघ पूर्णिमा; राजिम मेला
रवि SUNDAY	माघ कृष्ण 11 — **7** — ज्येष्ठा — षटतिला एकादशी	माघ शुक्ल 3 — **14** — पू.भा — मातृ-पितृ दिवस; संत वेलेन्टाइन डे	माघ शुक्ल 9 — **21** — मृग — विश्व मातृ-भाषा दिवस; गुरु अर्जुन देव	फाल्गुन कृष्ण 1 — **28** — पू.फा. — इष्टि; राष्ट्रीय विज्ञान दिवस; राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि

ऐच्छिक अवकाश
16 बसंत पंचमी/माँ परमेश्वरी जयंती
19 छत्रपति शिवाजी जयंती
26 हजरत अली का जन्म दिवस
27 राजिम मेला माघ पूर्णिमा/संत रविदास जन्म दिवस

यादद्दाश्त

समस्त स्वजातियों का अभिवादन....

कूर्मि विश्वनाथ कश्यप
प्राचार्य,
शास.उ.मा.वि.,
पोंड़ी (लाफा)
प्रदेश सचिव,
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 7898654395

आपके लिए बनाया गया
Cat® 424B2 बैकहो लोडर
पाईये बेहतर उत्पादन, बेहद कम ईंधन खपत में

Gmmco Limited
CK Birla Group
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
Toll Free 1800 425 2546
Mo. : 08305060674
Web : www.gmmco.in
कूर्मि चम्मन लाल चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी (GCI & BCP Sales)

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन् एवं नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ....
कन्नौजिया कूर्मि युवा संगठन छत्तीसगढ़

समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिनंदन...

कूर्मि धरमलाल कौशिक
नेता प्रतिपक्ष - छ.ग. विधानसभा
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष-छ.ग. विधानसभा
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-भारतीय जनता पार्टी, छ.ग.

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की मंगल कामनाओं सहित....

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग प्रकाशन टीम 2021

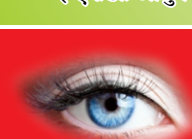

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बाजू, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

फरवरी -2021

कूर्मि समाज का गौरवशाली इतिहास

कूर्मि चेतना पंचांङ्ग के प्रत्येक अंक में हम ''कूर्मि समाज के गौरवमयी इतिहास का बोध कराते आ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि विभिन्न खोज परक तथ्यात्मक जानकारी को नए-नए कलेवर के साथ आपको परोसते रहें। फिर भी कुछ मौलिक तथ्यों की पुनरावृत्ति संभाव्य है।

इस धरती तल पर सर्वांगपूर्ण जाति है-आत्मजाति व मनुष्य जाति। गुण कर्म के आधार पर जिस कुल गोत्र परम्परा में आप आत्मनिष्ठा रखते हो- उसमें अन्तर्बाह्य समर्पण शीलता एवं प्रतिबद्धता का आदर्श आचरण रखते-अहं और इदं का उत्थान कर जाओ। **अहं** याने आत्मकल्याण **इदं** याने समाज राष्ट्र कल्याण। ईश्वरेच्छा को सर्वोपरि मानते हुए अपनी जननी को, जन्मभूमि को, कुल परम्परा को श्रेष्ठ और सम्पूर्ण जानो। इसमें किसी से तुलना करना असार्थक है। इस दिव्य अमृत संदेश की धारण करने की पात्रता प्राप्त करो। अपने अति महान और सर्व समर्थ कूर्मि क्षत्रिय वंश-विटप को सेवा और त्याग, प्रेम और एकता, शक्ति और भक्ति, समृद्धि और सुरक्षा, संगठन और संतुलन के स्वस्थ और सुशीतल जल से अभय होकर अबाध गति से अनवरत सिंचित करते रहना।

-(स्वामी वेदानन्द सरस्वती, संस्थापक पातंजल योगावर्त आश्रम, विदिशा (म.प्र.)

वैदिक वर्ण व्यवस्था में कार्य के आधार पर चार वर्ण है। ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शुद्र। वर्ण का आशय चयन या चुनना और शब्द वरण भी यही अर्थ रखता है। व्यक्ति अपनी रूचि, योग्यता और कर्म के अनुसार इसका स्वयं वरण करता है, इस कारण इसका नाम वर्ण है। वर्ण विभाजन का आधार व्यक्ति की योग्यता है। दूसरी ओर जाति का अर्थ है उद्भव के आधार पर किया गया वर्गीकरण। न्यायसूत्र यही कहता है कि ''समान प्रसवात्मिका जाति:'' अर्थात जिनके जन्म का मूल स्त्रोत समान हो (उत्पत्ति का प्रकार एक जैसा हो) वह एक जाति बनाते हैं। ऋषियों द्वारा प्राथमिक तौर पर जन्म जातियों को चार स्थूल विभागों में बाटा गया है।- उद्भिज, अंडज, पिंडज और उष्मज / स्वेदज। इस प्रकार ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शुद्र किसी भी तरह भिन्न जातियाँ नहीं हो सकती हैं, क्योंकि न तो उनमें परस्पर शारीरिक बनावट (इन्द्रियादि) का भेद है और न हि उनके जन्म-स्त्रोत में भिन्नता पाई जाती है। कुछ अंतराल के बाद जाति शब्द का प्रयोग किसी भी प्रकार के वर्ण के लिए प्रयुक्त होने लगा। और इसीलिए सामान्यत: विभिन्न समुदायों को ही अलग जाति कहने लगे। सनातन सत्य यही है कि सभी मनुष्य एक ही जाति के हैं।

स्वामी विवेकानंद जी के मतानुसार- मनुष्य के दो धर्म हैं- **1. जाति धर्म**- भिन्न-भिन्न जाति के लिए निर्धारित धर्म । **2. स्वधर्म**- मनुष्य का स्वयं अपना धर्म या उसकी योग्यता और व्यवस्था के अनुसार निर्धारित उसके कर्तव्य। ये ही वैदिक धर्म और वैदिक समाज के आधार हैं। इसकी उपजाति के साथ हमारे देश का अध:पतन हुआ है। जाति तो बहुत अच्छी चीज है। जाति के क्रम का ही हम अनुशरण करना चाहते हैं। जाति यथार्थ में क्या है? संसार में बिना जाति का कोई देश नहीं है। भारतवर्ष में हम जाति से चलकर ऐसी अवस्था पर पहुँचते हैं जहाँ कोई जाति नही है। इसी सिद्धांत पर जाति की सारी रचना हुई है। प्रत्येक व्यक्ति को ब्राह्मण बनाया जाय, क्योंकि ब्राह्मण ही मानवता का आदर्श है। 'ब्राह्मण आदर्श' से मेरा मतलब है आदर्श ब्राह्मणत्व, जिसमें संसारी भाव बिलकुल नहीं और यथार्थ ज्ञान प्रचुर मात्रा में हो। यह हिन्दु जाति का आदर्श है। ब्राह्मण जाति और ब्राह्मण गुण दो भिन्न बातें हैं। अत: प्रत्येक व्यक्ति को अपने जाति धर्म और स्वधर्म के आधार पर ब्राह्मणत्व को प्राप्त करने का अवसर है और यह जातीय व्यवस्था के कारण ही आसान और संभव है।

जाति शब्द बड़ा मोहक और मादक है। मानव समाज पर इसका व्यापक प्रभाव है। संसार में प्राय: सर्वत्र इसके प्रति असाधारण आकर्षण दिखाई पड़ता है। जो व्यक्ति प्रत्यक्ष रूप से विचार, वाणी और व्यवहार में जाति को कोई महत्व नहीं देता, यहाँ तक कि खुलकर इसका विरोध करता है, उसके मन में भी इसका भाव छिपा रहता है, उसके मानस पटल पर भी जाति रेखा अमिट रूप से अंकित रहती है। महान देश भक्त त्यागी और तपस्वी स्वामी विवेकानन्द जी का जाति संबंधी एक प्रसंग अचंभित करता है। ''मेरी समर नीति'' नामक व्याख्यान में जिसका हिन्दी अनुवाद प्रसिद्ध साहित्यकार पं. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ने किया है। स्वामीजी ने कहा है- मैंने समाज सुधारकों के मुख्य पत्र में पढ़ा था कि मैं शूद्र हूँ और मुझसे पूछा गया था कि एक शूद्र को सन्यासी होने का क्या अधिकार है? इस पर मेरा उत्तर है कि मैं उस महापुरूष का वंशधर हूँ, जिनके चरण कमलों पर प्रत्येक ब्रह्मण ''यमाय धर्म राजाय चित्रगुप्ताय वै नम:'' उच्चारण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित करता है और जिनके वंशज विशुद्ध क्षत्रिय हैं। यदि अपने पुराणों पर विश्वास हो तो इन समाज सुधारकों को जान लेना चाहिए कि मेरी जाति ने पुराने जमाने में अन्य सेवाओं के अतिरिक्त कई शताब्दियों तक आधे भारत वर्ष पर शासन किया था।

हमारा कूर्मि समाज जिसका इतिहास आदि काल से लेकर आज तक गौरवशाली रहा है। जिसमें विक्रमादित्य जैसे महावीर जिन्होंने 'शकों' का समूलोच्छेद किया, राम जैसे मर्यादा पुरूषोत्तम, भोज जैसे विद्या प्रेमी, बुद्ध जैसे दार्शनिक, हरिश्चन्द्र जैसे सत्यप्रेमी, शिवाजी जैसे हिन्दू रक्षक व गौ रक्षक, सरदार पटेल जैसे लौह पुरूष, स्वामी आत्मानंद जी जैसे विद्वान आदि ने जन्म लिये। जिनके स्मरण मात्र से मस्तक गौरव से उठ जाता है। ऐसे गौरवमयी इतिहास वाले कूर्मि समाज को वांछित सम्मान व प्रतिष्ठा क्यों नहीं मिल पा रही है। यह सोचनीय व चिंतनीय है। इसके लिए दोषी पायेंगे अपनी हीन भावनाओं को, अपनी विरोधी प्रवृत्ति को, अपनी कुरीतियों को, अपनी जाति प्रेम की भावना की कमी को, असहयोगी भावना को, सद्भावना की कमी और ऐसी ही अन्य बुराइयों को। दूसरी ओर वर्तमान बदलते समय में हमारे संगठन और समाजोत्थान से जुड़े तथाकथित समाज सेवी इसकी आड़ में अपना स्वार्थ सिद्ध करने में जुटे रहने के कारण लोग इन पर भरोसा नहीं कर पाते । इस कार्य में नि:स्वार्थ अलख जगाने वाले लोगों को मूर्ख समझा जाता है। फलस्वरूप समुन्नत एवं संगठित स्वरूप जनित कार्य अपना प्रभाव दिखा पाने में सक्षम नहीं हो रहा है। इसीलिए हमें समझना होगा कि हमारा गौरवशाली इतिहास तथा कुल परम्परा क्या है? और तब फिर तदनुरूप अनुशीलन के साथ हमें ही स्वत: जाति-गौरव का मशाल थामें आगे बढ़ना होगा। आप देखेंगे कि अंधकार का आवरण समाप्त होता हुआ सर्वत्र प्रकाश अथवा तेज आच्छादित हो जायेगा। आइये जाति-गौरव, समाज-गौरव को जानें, समझें और आत्मचिंतन के साथ प्रेरित हों।

कूर्मि क्षत्रिय जाति की उत्पत्ति के संबंध में हम 'चेतना पंचांङ्ग' के पिछले कई अंकों से आत्म-बोध कराते आ रहे हैं। इस अंक में भी इसे अविछिन्न बनाये रखा गया है।

1. अवतारवादी चिंतकों का मत: - सम्पूर्ण विश्व के प्राचीन धर्म ग्रंथों में मनुष्य की उत्पत्ति का आधार जल प्रलय की घटना है और वह घटना एक बार नहीं अनेकों बार हुई होगी। मानवीय जीवन को जल से निकालने के लिए सृष्टिकर्ता को अवतार लेना पड़ा। एक पौराणिक कथा के अनुसार आदिकाल में समुद्र से चौदह रत्न की प्राप्ति के लिए सुर-असुरों ने समुद्र मंथन का निर्णय लिया। मदराचल पर्वत समुद्र की अथाह गहराई में धीरे-धीरे डूबने लगा। दोनों पक्षों को चिंता हुई तब उन्होंने भगवान विष्णु से प्रार्थना की ''भगवान प्रजापति हमारी सहायता करें''। भगवान विष्णु ने इस कार्य की महत्ता को समझा तथा कच्छप (कछुआ) का रूप धारण कर मदराचल को डूबने से बचाने हेतु आधार का काम किया। समद्र मंथन का कार्य पुन: प्रारंभ हुआ। समुद्र से अमृत सहित चौदह रत्नों की प्राप्ति हुई। भगवान विष्णु के दशावतारों में प्रथम मत्स्यावतार और द्वितीय अवतार को कच्छप अथवा कूर्मावतार माना जाता है । यह शतपथ में वर्णित है। कहा जाता है कि प्रजापति ने संतति उत्पत्ति के लिए कूर्म रूप धारण किया। कूर्म की पीठ का घेरा एक लाख योजन बताया जाता है। हिमालय में कूर्म तीर्थ स्थल में बने एक मंदिर में आज भी भगवान विष्णु के कूर्म रूप का पूजन होता है। पौषशुक्ल द्वादशी ज्येष्ठ नक्षत्र में विशेष पूजन किया जाता है। क्योंकि इसी तिथि को कूर्मावतार हुआ था। समुद्र मंथन में भगवान विष्णु द्वारा कूर्म (कच्छप) रूप धारण कर पर्वत के भार को अपने उपर उठाकर मानव कल्याण की सहायता करना समुद्र मंथन में लगे कुछ को अत्यन्त प्रभावित किया। उन्होनें इसे अपना पहचान (जाति) मान लिया तथा इनके अनुगामी कूर्मि कहलाए। पुराणों में यह भी वर्णित है कि समुद्र मंथन हेतु कूर्म रूप धारण कर जगत का कल्याण एवं रक्षा करने वाले भगवान विष्णु को इसी कारण 'आदि कूर्म' विश्लेषण से भी संबोधित किया गया है। 'विष्णुसहस्त्रनामस्तोत्रम्' में यह वर्णित है। 18 पुराणों में 'कूर्म पुराण' भी एक है। इससे स्पष्ट होता है कि प्रागैतिहासिक काल में भी कूर्मि जाति थी। वर्ण तथा आश्रम व्यवस्था विभाजन से पहले भी कूर्मि थे । सिख गुरु अर्जुन देव जी महाराज भी कहते हैं कि ''मछ, कछ, कुरम, आग्या अउत्तरासी''। अत: कूर्मावतार 'गुरू ग्रंथ साहिब' में भी प्रमाणित होता है। भगवान इन्द्र को वैदिक काल का प्रथम सम्राट माना जाता है। वे कौशिक गोत्र के थे। ''आतुन इन्द्र कौशिक'' (ऋग्वेद 3/48/01)

ऋग्वेद के मण्डल 8, सूक्त 68 में अंकित है- ***अत्वारथं यथोतये सुम्नाय वर्तयामति ।***

तुवि कूर्मिमृषी सहमिन्द्र शविष्ठ सत्यते ।।

अर्थात कूर्मि शब्द इन्द्र का पर्याय और क्षत्रिय का द्योतक है। इन्द्र कश्यप अदिति के एक पुत्र थे।

कूर्मि जाति की उत्पत्ति के संबंध में इस सिद्धांत को मानने वाले वेदों, पुराणों, धार्मिक ग्रंथों के साथ-साथ प्रमुख विद्वान इतिहासकार डॉ. सांकलिया, पं. भगवतदत्त, डिमिट एण्ड बिन्टमेन, डॉ. एम. एल. खरे आदि प्रमुख हैं।

2. विकास वादी चिंतकों का मत: मानवीय सभ्यता के जनक कृषि के आविष्कारक कृषक ही है। सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक चार्ल्स डार्विन के विकासवादी सिद्धांत के अनुसार विश्व में मानवीय सभ्यता एवं संस्कृति की नींव कृषि अवस्था में पड़ी थी । इस मत के मानने वाले विद्वानों का कहना है कि कृषि आविष्कारक भूमि और खेत (क्षेत्र) के स्वामी को क्षेत्रपति, भूमि-पति, भूपति, भूमि स्वामी आदि सम्मान सूचक शब्द से व्यक्त किए जाते हैं। कूरम - 'कू' अर्थात पृथ्वी और 'रम' अर्थात बल्लभ या पति । अत: कूरम शब्द का अर्थ है भूपति या पृथ्वीपति जो कि क्षत्रिय शब्द का पर्यायवाची है। 'कूर्मि'-कु अर्थात पृथ्वी, उर्मि अर्थात गोद। इस प्रकार कूर्मि शब्द से तात्पर्य है पृथ्वी की गोद में पलने वाला या पृथ्वी पुत्र।

मानवीय विकास के क्रम में कृषक अवस्था (कृषियुग) में खेतों की और फसलों की सुरक्षा को खतरा पहुँचाने वाले जंगली पशुओं, चोरों, लुटेरों, प्राकृतिक विपदाओं आदि से सुरक्षा के लिए कृषक को सदैव सजग रहना पड़ता था। इन सभी से लड़ना और अपनी तथा अपनी बिरादरी की सुरक्षा करना कृषक का प्रथम कर्तव्य था। अर्थात कृषक स्वभाव व कर्म से विशुद्ध क्षत्रिय था।

कृषि के आविष्कार के साथ ही कुटुम्ब या परिवार नामक संस्था का जन्म हुआ। कुटुम्ब के सदस्य को कुटुम्बिक कहा जाता था। अन्य जातियाँ उस समय स्थायी रूप से नही बस पायी थी, अत: उन्हें कृषक कुटुम्बियों की तरह सम्मान प्राप्त नहीं था। धीरे-धीरे बोलचाल की भाषा में कुम्भी, कुरमी, कुनवी, कणवी आदि शब्द प्रचलन में आने लगे। कुटुम्ब को कुल भी कहा जाता है। कुल से कुटुम्बी, कुलवादी, कुल्मी, कुर्मि, कुम्भी कर्मा, कम्मा, कुरमी, क्षत्रिय, कुर्मवंशी क्षत्रिय आदि शब्द भारतवर्ष के विभिन्न अंचलों में प्रदेशों में उच्चारण तथा प्रयोग भेद से प्रचलित होते गये । मूलत: यह कूर्मि (कृषक) जाति उस सभ्यता के जनक हैं जिसमें कृषि का आविष्कार करके उसकी प्रगति की यायावर (घुमक्कड़) जीवन की अवस्था को स्थिर जीवन शैली वाली श्रेष्ठ और सुसंस्कृत जाति के रूप में परिणित किया। अत: स्पष्ट है कि विकासवादी विद्वानों के अनुसार आदि कृषक से कुरमी जाति की उत्पति हुई। प्रसिद्ध नृतत्ववेत्ता आर. बी. रसेल ने अपनी पुस्तक ''ट्राइब्स एण्ड रेसेस ऑफ इण्डिया'' में कूर्मि शब्द का सीधा संबंध कृषि से जोड़ा है। जो कृषि कार्य में दक्ष हैं और कृषि कार्य करते हैं वे कूर्मि कहलाए। इस मत को मानने वाले विद्वानों में प्रसिद्ध समाजशास्त्री श्री गोविंद एस. धुर्वे, कर्नल स्लीमेन मैकदोलेन, कीथ, डॉ. रामसिया सिंह आदि प्रमुख हैं।

3. वैदिक काल:- महर्षि कश्यप, प्राचीन वैदिक ऋषियों में प्रमुख ऋषि रहे। इसका उल्लेख ऋग्वेद में तथा अन्य संहिताओं में बहु प्रयुक्त है। महर्षि कश्यप ब्रह्माजी के मानसपुत्र मरीची के विद्वान पुत्र थे। इनकी माता कला कर्दम ऋषि की पुत्री और कपिलदेव की बहन थी। महर्षि कश्यप को ऋषि मुनियों में श्रेष्ठ माना गया है। पुराणों के अनुसार हम उन्हीं के संतानें है।

शतपथ ब्राह्मण 7/5/1/5 में कहा गया है कि - ''स यत्कूर्मो नाम एतदै रूपं कृत्वा प्रजापति: प्रजा असृजत यदसृजत। करोत्तंद्यद करोतस्मातकूर्म: कश्यपो वै कूर्मस्तस्मादायहु: सर्वा: प्रजा: काश्यप्य इति।

अर्थात ''उस सृष्टिकर्ता का नाम कूर्म है । कूर्म का रूप धारण करके ही प्रजापति ने सम्पूर्ण प्रजाओं का सृजन किया। सृष्टि का सृजन करने के कारण ही उसे कूर्म कहा जाता है। कश्यप ही कूर्म है। इसी कारण समस्त प्रजाएँ कश्यप अर्थात कश्यप से उत्पन्न कही जाति है।''

महाभारत आदि पर्व में 65/11 में ''कश्यपातु तु इमा प्रजा:'' अर्थात कूर्म कश्यप मानव जाति का आदि पुरूष था। अत: कूर्म कश्यप को सम्पूर्ण मानव जाति का पूर्वज माना गया है। कूर्मि जाति आज भी अपने आदि पुरूष को गौरव के साथ नाम धारण करके उसकी कीर्ति को अमर किए हुए हैं। कूर्मि शब्द का अवतरण कूर्म शब्द से हुआ है। अत: कूर्म, कश्यप और ब्रह्म में कोई भेद नही है और वे ही मानव जाति के आदि पुरूष थे। वेद शास्त्रों के अनुसार कूर्म का अर्थ सूर्य, इन्द्र तथा कश्यप होता है। देवराज इन्द्र को ऋग्वेद 3.10.3 में ''तुवि कूर्मि'' अर्थात महान पराक्रमी एवं कर्मयोगी कहा गया है।

पुराण अनुसार सृष्टि की रचना और विकास के काल में धरती पर सर्व प्रथम ब्रह्माजी प्रकट हुए। ब्रह्मा जी से दक्ष प्रजापति का जन्म हुआ। ब्रह्मा जी के निवेदन पर दक्ष प्रजापति ने अपनी पत्नि अक्सिनी के गर्भ से 66 कन्याएँ पैदा की। इन कन्याओं में से 17 महर्षि कश्यप की पत्नि बनीं। मुख्यत: इन्हीं कन्याओं से सृष्टि का विकास हुआ और कश्यप सृष्टिकर्ता कहलाए। महर्षि कश्यप के पुत्र विवस्वान (सूर्य) से मनु का जन्म हुआ। महाराज मनु को इक्ष्वाकु, नृग, धृष्ट, शयोति, नरिश्यन्त, प्रान्शु, नाभाग दृष्ट, करूस और पृषध्र दस पुत्र हुए। सभी जीवधारियों की उत्पत्ति महर्षि कश्यप से होने के कारण कश्यप गोत्र का नाम प्रारंभ हुआ। कश्यप द्वीप के नाम से उन्होने मध्य एशिया में अपना उपनिवेश स्थापित किया। (महाभारत भीष्म पर्व 6:11)। कश्यप सागर (वर्तमान कैस्पियन सी) उनकी सीमा के भीतर था। (हिस्ट्री ऑफ पर्सिया खण्ड-1 पृ.28)। कश्यप सागर वर्तमान में ईरान के काश्यपी प्रदेश में है। इसी कश्यप सागर में ही पौराणिक समुद्र मंथन हुआ था। महर्षि कश्यप के निर्देश में आर्यजनों ने मध्य एशिया में अपने श्रम चातुर्य और पराक्रम से स्वर्ण की खानों का पता लगाया और खुदाई करके बड़ी मात्रा में स्वर्ण प्राप्त किया। (कूर्म पुराण भाग 1.27-29) उन्होनें कृषि के विकास के लिए अथक प्रयास करके पर्याप्त समृद्धि प्राप्त की।

(क्रमश : माह मार्च 2021)

कूर्मि कपिल नाथ कश्यप

जन्म : 6 मार्च 1906, निर्वाण : 2 मार्च 1985

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 7

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

चैत्र प्रारंभ ता. 29 से

विक्रम संवत् 2077
शक संवत् 1942-43

मार्च - 2021

मैने जो कहा उसे सत्य ही मानो, ऐसा मैंने कभी नहीं कहा; बल्कि तुम अपनी तर्कबुद्धि अनुभव और विज्ञान के आधार पर सत्य को जानो, फिर अमल करो। - तथागत बुद्ध

बसंत ऋतु

जन्मदिन

स्वामी वेदानंद सरस्वती
28 मार्च 1941
प्रेरणा स्रोत-चेतना मंच

1 मार्च -कूर्मि नीतिश कुमार मुख्यमंत्री, बिहार
5 मार्च-कूर्मि लक्ष्मी प्राशाद चन्द्राकर-पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि चेतना मंच
13 मार्च-कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर-महिला अध्यक्ष-अ.भा.कूर्मि क्ष.महा.
15 मार्च- कूर्मि विजय बघेल-प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. प्र.कूर्मि-क्ष. समाज

पत्थर में भगवान है यह समझाने में धर्म सफल रहा पर इंसान में इंसान हैं यह समझाने में धर्म आज भी असफल है।
– तथागत बुद्ध

पंचक

11 मार्च, गुरुवार - 9.21 सुबह से
16 मार्च, मंगलवार - 4.44 रात्रि तक

कूर्मि अर्थात वह व्यक्ति या जाति; जिसका कर्मक्षेत्र भूमि है।

मूल

5 मार्च, शुक्रवार 10.38 रात्रि से 7 मार्च, रविवार 8.59 रात्रि तक
15 मार्च, सोमवार 2.20 रात्रि से 17 मार्च, बुधवार 7.31 सुबह तक
24 मार्च, बुधवार 11.12 रात्रि से 26 मार्च, शुक्रवार 9.40 रात्रि तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

वार					
सोम MONDAY	फाल्गुन कृष्ण 2,3; **1**; उ.फा.; विश्व शून्य भेद-भाव दिवस	फाल्गुन कृष्ण 10; **8**; पू.आ.; अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस; महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती	फाल्गुन शुक्ल 2; **15**; रेवती; फुलेरा दूज; विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस; स्वामी रामकृष्ण परमहंस जयंती	फाल्गुन शुक्ल 8; **22**; आर्द्रा; बिहार दिवस; विश्व जल दिवस; राष्ट्रीय शक संवत् प्रारंभ	चैत्र कृष्ण 1; **29**; होली; हस्त; रतिकाम महोत्सव; आर्य समाज स्थापना दिवस
मंगल TUESDAY	फाल्गुन कृष्ण 4; **2**; चित्रा; संकष्टी चतुर्थी; सरोजनी नायडू पुण्यतिथि	फाल्गुन कृष्ण 11; **9**; उ.आ.; विजया एकादशी; केन्द्रीय औ.सु.ब.स्था. दिवस	फाल्गुन शुक्ल 3; **16**; अश्विनी; राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस	फाल्गुन शुक्ल 9; **23**; पुनर्वसु; विश्व मौसम विज्ञान दिवस; भगत सिंह शहीदी दिवस; राममनोहर लोहिया जयंती	चैत्र कृष्ण 2; **30**; भाईदूज; चित्रा; चित्रगुप्त पूजा; राजस्थान स्थापना दिवस
बुध WEDNESDAY	फाल्गुन कृष्ण 5; **3**; स्वाती; अन्तर्राष्ट्रीय वन्य जीव दिवस; राष्ट्रीय रक्षा दिवस	फाल्गुन कृष्ण 12; **10**; श्रवण; प्रदोष व्रत; सावित्री बाई फुले पुण्य तिथि	फाल्गुन शुक्ल 4; **17**; अश्विनी; विनायकी चतुर्थी	फाल्गुन शुक्ल 10; **24**; पुष्य; ग्रामीण डाक जीवन बीमा दिवस; विश्व क्षय दिवस	चैत्र कृष्ण 3; **31**; स्वाती; गणेश चतुर्थी व्रत
गुरु THURSDAY	फाल्गुन कृष्ण 6; **4**; विशाखा; राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	फाल्गुन कृष्ण 13; **11**; घनिष्ठा; महाशिवरात्रि	फाल्गुन शुक्ल 5; **18**; भरणी; राष्ट्रीय आयुध निर्माण दिवस; नारायण लाल वर्मा जयंती (पडवानी के आदिगुरु)	फाल्गुन शुक्ल 11; **25**; अश्लेषा; आमलकी एकादशी; गणेश शंकर विद्यार्थी बलिदान दिवस	
शुक्र FRIDAY	फाल्गुन कृष्ण 7; **5**; अनुराधा	फाल्गुन कृष्ण 14; **12**; शतभिषा; के.औ. सुरक्षा बल स्था. दिवस; विश्व किडनी दिवस	फाल्गुन शुक्ल 6; **19**; कृत्तिका	फाल्गुन शुक्ल 12; **26**; मघा; राष्ट्रीय बांग्लादेश दिवस; प्रदोष व्रत	
शनि SATURDAY	फाल्गुन कृष्ण 8; **6**; ज्येष्ठा; जानकी जयन्ती; महाकवि कपिलनाथ कश्यप जयंती	फाल्गुन कृष्ण 15; **13**; फाल्गुन अमावस्या; पू.भा.; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; विश्व गुर्दा दिवस	फाल्गुन शुक्ल 7; **20**; विश्व गौरैया दिवस; अन्तर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस; रोहिणी; भक्तमाता कर्मा जयंती; विरांगना अवंति बाई बलिदान दिवस; कार्यालयीन अवकाश	फाल्गुन शुक्ल 13,14; **27**; पू.फा.; बैंक अवकाश; विश्व रंग-मंच दिवस	
रवि SUNDAY	फाल्गुन कृष्ण 9; **7**; मूल; पं. गोविन्द वल्लभ पंत जयंती	फाल्गुन शुक्ल 1; **14**; इष्टि; उ.भा.; खरमास प्रारंभ	फाल्गुन शुक्ल 7; **21**; मृगशिरा; होलाष्टक प्रारंभ; विश्व वानिकी दिवस; विश्व कविता दिवस	फाल्गुन शुक्ल 15; **28**; उ.फा.; शब-ए-बारात; होलिका दहन; स्वामी वेदानंद जी जन्मदिवस	

ऐच्छिक अवकाश

8 महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती
20 वीरांगना अवंती बाई का बलिदान दिवस
30 भाई-दूज

शासकीय अवकाश

11 महाशिवरात्रि
29 होली

याददाश्त

समस्त स्वजातिय बन्धुओं को सादर नमन . . .

कूर्मि ईश्वरी लाल चन्द्राकर
नगर सचिव (युवा प्रकोष्ठ) बिलासपुर
मो. 9977376298

कूर्मि मोरध्वज चन्द्राकर
युवा समाज सेवी
9977376197

'ए' क्लास विद्युत ठेकेदार

नागेन्द्र इन्टरप्राईजेस, नेहरु नगर, बिलासपुर (छ.ग.)
हमारे यहाँ ट्रांसफार्मर, 11 के. व्ही. लाईन/33 के.व्ही., एच टी / एलटी लाईन, जनरेटर सेट, लिफ्ट एवं सभी प्रकार के बिजली का कार्य किया जाता है
मो. 9977376198, 9977376197

Gmmco Limited
CK Birla Group
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
Toll Free 1800 425 2546
Mo. : 08305060674
Web : www.gmmco.in
कूर्मि चम्मन लाल चन्द्राकर, छत्तीसगढ़ राज्य प्रभारी (GCI & BCP Sales)

With Best Compliment
KURMI KHAGESH CHANDRAKAR
Tax Consultant

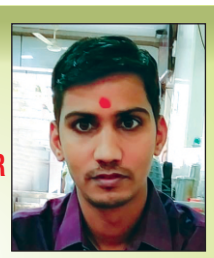

KAVYA CONSULTANCY
Mob. : 9755221821, 9522221821
E-Mail : kavya_chandrakar@yahoo.com, subhaschandrakar01@gmail.com
"Ambe Plaza" 2nd Floor, Shop No.-09
Infront of Hi-Tech Bus Stand, Tifra, Bilaspur (C.G.)

हमारा उद्देश्य शिक्षा.. सेवा.. जागृति..
KURMI PRAGATI SANGH HYDERABAD (TS)
कुर्मी प्रगति संघ
Regd. No. 483/2011
H.No.4-7-128/1&2, Nandi Muslai Guda, Kishanbagh Road, Near Hanuman Temple, Attapur, Hyderabad - 500 048 (Telangana) India Ph. : 9394543910
कूर्मि राजनारायण पटेल अध्यक्ष
& 9394543910, 8142343910, 7997603322
कूर्मि आनंद कुमार वर्मा मंत्री
& 9848020453, 7013877365
कार्यालय : म.नं. 14-10-404, लकड़ी का अड्डा, जुमेरात बाजार, हैदराबाद - 500 006 (तेलंगाना)

समस्त स्वजातिय बंधुओं को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएँ ...
कूर्मि शिवबालक कौशिक
प्रदेशाध्यक्ष, श्रेष्ठी कूर्मि-क्षत्रिय समाज
महामंत्री, जिला कांग्रेस कमेटी, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9893825108

शुभकामनाएँ
कूर्मि हरेन्द्र चन्द्राकर
नवागांव (जैत) वाले
मो. 99772-48478
मे. किसान मितान
(कृषि केन्द्र)
कीटनाशक दवाई एवं रासायनिक खाद, सब्जी बीज व धान, गेहूँ इत्यादि बीज के विक्रेता
मुंगेली रोड, लोरमी, जिला-मुंगेली छत्तीसगढ़

खुले शौच मुक्त ग्राम पंचायत पुरस्कार से पुरस्कृत
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी । नरवा, गरवा, घुरवा अऊ बारी ।।
कूर्मि सुकदेव सिंगरौल
सरपंच
ग्राम पंचायत चितावर
विकास खण्ड-तखतपुर, जिला-बिलासपुर
मो. नं. 8889846887, 8770078893

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

मार्च-2021

कूर्मि समाज का गौरवशाली इतिहास

महर्षि कश्यप के द्वारा ही कश्मीर बसाया गया था। कश्यप पर्वत जिसे आजकल काकेश पर्वत कहा जाता है की चोटी पर महर्षि कश्यप कठिन साधनाएँ व तपस्या किया करते थे। उन्हीं की कीर्ति को अमर रखते हुए उसे आजकल कश्यप तुंग के नाम से जाना जाता है। आज भी उनके नाम पर विख्यात कश्यप सागर (कैस्पियन सी), क्रुमुनदी, कुर्रम पर्वत, कुर्मांचल प्रदेश आदि उनकी यशस्वी कीर्ति कथा का उद्घोष करते हैं। आज के कूर्मवंशी क्षत्रिय उन्हीं की वंशज हैं।

4. रामायण काल: उत्तर वैदिक काल में विद्या और ज्ञान के क्षेत्र में क्षत्रिय राजाओं का प्रमुख योगदान रहा। वे विद्या के उपासक और संरक्षक थे। विश्व के प्राचीनतम क्षत्रिय राजा कूर्मि क्षत्रिय थे। इनमें विदेह राजा जनक सर्वाधिक प्रसिद्ध थे। उनकी छाया में कृषि क्रांति के साथ ही कूर्मि जाति के प्रथम बार सामाजिकता का बीजारोपण करके मानवीय सभ्यता और ज्ञान की नींव रखी गयी। जिस पर बाद में अनेक सभ्यताओं और संस्कृतियों की आधार-शिला रखी गई।

मोहन जोदड़ो और हड़प्पा में जो सभ्यता, संस्कृति थी वह उसी में से एक थी। उत्तर वैदिक काल में राज्यारोहण के समय राजा से निवेदन किया जाता था- तुम्हें यह राष्ट्र दिया जाता है- कृषि के लिए, जनता के क्षेम के लिए और सर्वविध पोषण तथा उन्नति के लिए (यजुर्वेद 9/22)। उत्तर वैदिक काल में अनेक पेशों का उल्लेख मिलता है। ये पेशे मुख्यत: कृषि से ही उद्गम हुए हैं, इसीलिए कृषक को मानवीय सभ्यता का जनक भी कहा जाता है और ये आदि कृषक ही कूर्मि जाति के पूर्वज थे। बाद में श्रम (कर्म) पर आधारित व्यवस्था को स्वार्थी तत्वों ने जन्मजात कर दिया। यही व्यवस्था वर्तमान में भी विद्यमान है। रामायण के प्रमुख पात्र राजा दशरथ, राजा जनक, माता कौशिल्या, विश्वामित्र आदि सूर्यवंशी कूर्मि क्षत्रिय थे। स्व. डॉ. सेठ गोविन्द दास (हिन्दी के ख्याति प्राप्त लेखक) ने अपनी पुस्तक सरदार पटेल में लिखते हैं कि ''गुजरात प्रदेश की कुरमी नामक प्रसिद्ध क्षत्रिय जाति में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान रामचन्द्र के पुत्र लव के नाम पर 'लेवा' और कुश के नाम पर 'कड़वा' नामक दो उपजातियों में से लेवा कूर्मि जाति में 31 अक्टूबर 1875 को बोरसद तालुका के करमसद गांव में एक कृषक परिवार में झबेर भाई को पुत्रलाभ हुआ। बालक का नाम वल्लभ भाई रखा गया।'' प्रसिद्ध विद्वान श्याम प्रीतसिंह के अनुसार राम कूर्मि थे। इन बातों के अनेक प्रमाण ग्रंथों में विद्यमान हैं। राम इक्ष्वाकु वंश के थे और इस वंश के गुरू वशिष्ठ जी थे जिन्होंने श्रीराम की वंशावली का वर्णन किया। ब्रह्माजी से मरीचि का जन्म हुआ। मरीचि के पुत्र, कश्यप, कश्यप के पुत्र विवस्वान, विवस्वान के पुत्र वैवश्वत मनु, वैवश्वत मनु के पुत्र इक्ष्वाकु इक्ष्वाकु के पुत्र कुक्षि, कुक्षि के पुत्र विकुक्षि, विकुक्षि के पुत्र बाण, बाण के पुत्र अनरण्य, अनरण्य से पृथु, पृथु से त्रिशंकु, त्रिशंकु से धुन्धुमार, धुन्धुमार से युवनाश्व, युवनाश्व से मान्धाता, मान्धता के पुत्र सुसन्धि, सुसन्धि के पुत्र ध्रुवसन्धि, ध्रुवसन्धि से भरत, भरत से असित, असित से सगर, सगर से असमञ्ज, असमञ्ज से अंशुमान, अंशुमान से दिलीप, दिलीप से भगीरथ, भगीरथ से ककुत्स्थ, ककुत्स्थ से रघु हुए । रघु बहुत पराक्रमी और तेजस्वी राजा थे उनका प्रताप अत्यधिक था जिसकी वजह से इस वंश का नाम रघुवंश पड़ा। रघु के पुत्र प्रवृद्ध, प्रवृद्ध के पुत्र शंखण, शंखण के पुत्र सुदर्शन, सुदर्शन से अग्निवर्ण, अग्निवर्ण के शीघ्रग, शीघ्रग से मरू, मरू से प्रशुश्रुक, प्रशुश्रुक से अम्बरीश, अम्बरीश के नहुष, नहुष से ययाति, ययाति से नाभाग, नाभाग से अज, अज से दशरथ, दशरथ राजा के चार पुत्र श्रीरामचंद्र, भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न। श्रीराम के दो पुत्र लव और कुश हुए । वाल्मिकी रामायण में उल्लेख मिलता है कि विष्णु के सातवें अवतार श्रीराम का जन्म चैत्र माह, शुक्ल नवमी के दिन अयोध्या में हुआ था।

5. महाभारत काल : महाभारत काल चक्र में रूढ़िवादी जाति प्रथा प्रचलित नहीं हुई थी। कूर्मि, पटेल, मराठा, रेड्डी, वक्कीलगर, कम्मा, कापु, यादव, कोयरी, लोधी, आदि यही लोग क्षत्रिय जाति के अंग थे। महाभारत काल में क्षत्रियों के कुल 100 वंश थे। आपस में शादी विवाह भी रचाते रहते थे। विद्वानों का मत है कि प्राचीनकाल में कूर्मि तथा यादव दोनों एक वंश के क्षत्रिय थे। वे असुरराज ययाति के वंश के थे। उनकी दो पत्नियाँ थी। देवयानी के गर्भ से द्रद्यु, अनु और पुरू हुए। पुरू सबसे छोटे थे। ययाति ने अपने बाद उन्हीं को राजा बनाया। उन्ही के वंश में आगे चलकर कुरू हुए। उत्तर भारत के कूर्मिजन 'कुरू' के वंश के क्षत्रिय हैं। महाभारत में कौरव-पाण्डव युद्ध एक प्रकार से कूर्मि-कूर्मि दो महान क्षत्रिय शक्तियों का निर्णायक युद्ध था। यादव पक्ष को दोनों ओर से लडना पड़ा । अर्जुन के सारथी बनकर भगवान कृष्ण ने युद्ध में भाग लिया और बड़े भाई बलराम व यादव सैन्य शक्ति कौरवों की ओर से लड़ी। कुन्ती का विवाह पाण्डु से हुआ। राजसी स्तर पर यह पहला यादव-कूर्मि विवाह कहा जा सकता है। (डॉ. दिलाकर सिंह जसवार कुरमी चेतना के सौ वर्ष पृष्ठ 18 एवं 19) वर्तमान के भी अधिकांश नृ-शास्त्रियों ने यादवों को कूर्मियों की सहोदर जाति के रूप में मान्य किया है।

6. प्राचीन इतिहास : छठी शताब्दी ई.पू. का युग मानवीय इतिहास में धार्मिक क्रांति का ऐसा युग था जिसमें प्राचीन सभ्यताओं का अस्तित्व समाप्त हो रहा था तथा उसके स्थान पर नवीन आदर्श एवं मान्यताओं का सृजन होने लगा। सम्पूर्ण विश्व धार्मिक क्रांति के गिरफ्त में था। जगह-जगह धार्मिक आंदोलन हो रहे थे। ऐसे समय में कूर्मवंशीय महराज गौतम बुद्ध ने विश्व को कर्म में विश्वास करने का उपदेश दिया। उनके मतानुसार ''प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्मो के फल को भोगना पड़ता है''।

अहिंसा शांति तथा कर्म प्रधान का संदेश देने वाले इस महात्मा ने बौद्ध धर्म की स्थापना की और कहा कि प्रत्येक जाति के लोग इस कर्म पर आधारित धर्म को अपना सकते हैं। उनके बचपन का नाम सिद्धार्थ था। चीन, जापान, बर्मा, श्रीलंका, भारत आदि देशों में करोड़ों लोग आज भी उनकी पूजा करते हैं, धर्मानुशरण करते हैं। बौद्ध धर्म के कतिपय प्रसिद्ध और महान व्यक्ति आनन्द, अनिरुद्ध उपाधि आदि मल्ल कूर्मि ही थे। चौथी शताब्दी के भारतीय इतिहास के प्रथम महान सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य ने भारत को यूनानी शक्तियों से मुक्त कराया। चन्द्रगुप्त मौर्य ने एक विस्तृत राज्य की स्थापना की थी। चन्द्रगुप्त द्वितीय को महर्षि वात्स्यायन भारद्वाज की अध्यक्षता में होने वाली धर्म सभा में 'विक्रमादित्य की उपाधि प्रदान की गई। उन्हीं के नाम से विक्रम संवत प्रारंभ हुआ। राजा विक्रमादित्य महान योद्धा होने के साथ ही न्याय प्रिय सम्राट थे। महाकवि कालिदास उन्हीं की सभा के नवरत्नों में से एक रत्न थे। प्रसिद्ध चिकित्सक धनवन्तरी इसी काल में हुए थे। कूर्मिवंशियों की गुप्तकाल में विज्ञान, कृषि एवं कला-साहित्य के क्षेत्र में अत्यधिक उन्नति हुई।

7. मध्यकालीन इतिहास : गुप्त साम्रज्य के पतन के साथ ही एक बार पुन:राजनीतिक एकता छिन्न-भिन्न हो गई। इसी समय 'वर्धन' वंश के पुण्यभूति ने हूण तथा मगध राज्य के मध्य एक नवीन राज्य धानेश्वर की स्थापना की। प्रभाकर वर्धन अपने वंश के प्रथम शक्तिशाली शासक था। उसकी माँ मगध के गुप्तसम्राट दामोदर गुप्त की राजकुमारी थी। उसका विवाह मालवा नरेश यशोवर्धन की पुत्री यशोमति से हुआ। प्रभाकर वर्धन के दो पुत्र रजवर्धन व हर्षवर्धन तथा एक कन्या राज्यश्री थी। प्रभाकर वर्धन के द्वितीय पुत्र हर्षवर्धन का जन्म 590 ई. में हुआ । वह एक वीर, साहसी, दानप्रिय व्यक्ति था। वह एक महान साहित्यकार भी था। उसने अनेक ग्रथ तथा नागानंद, रत्नावली, प्रियदर्शिका की रचना की थी। राजकवि बाणभट्ट, दिवाकर तथा मयूर आदि उनके शासन काल के प्रमुख विद्वान थे। वह बौद्ध धर्म के अनुयायी थे। हर्ष ने अपनी राजधानी कन्नौज को बनाया। उनके राजकवि बाणभट्ट ने अपने 'हर्ष-चरिक नामक ग्रंथ में कणवी (कुम्भी) जाति का उल्लेख करते हुए प्रसंग में लिखा है- '' प्रतिवेश्यं विषय वासिना नैकटिक कुटुम्बिक लोकेन'' अर्थात ''पड़ोस प्रदेश में रहने वाले निकटवासी कुटुम्बिक (कणवी) लोग सब ओर से जंगल में प्रवेश कर रहे थे''।

ग्यारहवीं शताब्दी में मुहम्मद गौरी ने भारत को गुलाम बनाने के लिए अनेक आक्रमण किया। गुजराज के सोमनाथ मंदिर में लाखों करोड़ो के हीरे-जवाहरात व बहुमूल्य पत्थरों पर उसकी दृष्टि सबसे पहले गई। परन्तु दिल्ली तथा अजमेर के चौहान वंश के अंतिम शासक राजा पृथ्वीराज चौहान ने उसे मारकर भारत की अस्मत, धर्म तथा गौरव की रक्षा की। राजा पृथ्वीराज के मित्र कवि चंद बरदाई ने इस कार्य में उनकी सहयता की। पृथ्वीराज चौहान कूर्मवंशी क्षत्रिय थे, इसके अनेक प्रमाण हैं। कवि चंद बरदाई की पंक्तियाँ दृष्टब्य है -

''कहै कन्ह मरनाह, सुनहु कुरमराव''

कूर्मियों को सूर्य सदृश तेजस्वी और दिगपालों की तरह सामर्थ्यवान बताया है-

''रवि तेज कहर कूरम सब चदु अमिय अब्बूधनी।
दिगपाल सबल सामत, रहे दब्बि धरती धमी।।''

चंदेल वंश के प्रथम प्रतापी एवं स्वतंत्र शासक यशोवर्धन था जिन्होंने महोबा को अपनी राजधानी बनाया उसने खजुराहों में एक विशाल मंदिर का निर्माण कराया। परमारवंश के सिंधुराज के पश्चात अंतिम महाप्रतापी राजा भोज ने लगभग 1000 -1055 ई. तक मालवा पर राज्य किया। उसने धार में एक विश्व विद्यालय की स्थापना की थी। राजाभोज की राजधाजी धार नगरी थी।

मुगल साम्राज्य में औरंगजेब ने हिन्दुओं पर जजिया कर लगाया। हिन्दुओं को बलात मुसलमान बनाने का प्रयास किया। परिणाम स्वरूप हिन्दु उसके विरूद्ध हो गये। महिलाओं पर अत्याचार की घटना बढ़ गयी। भोग, विलासी, निरंकुशता तथा स्वेच्छा चारिता से भारत की जनता शोषण से भयाक्रांत हो गई । ऐसे समय में सत्रहवीं शताब्दी में मराठा शक्ति का अभ्युदय हुआ तथा औरंगजेब के शासनकाल में कूर्मवंशीय मराठा शक्तियाँ क्रमश: उत्कर्षित होती गई। इन्होंने मुगल शक्ति से घोर संघर्ष किया और अपना सब कुछ दाँव पर लगा दिया। 1627 ई. में छत्रपति शिवाजी का जन्म होना भारत वर्ष में इतिहास को मोड़ने वाली घटना है। वीर शीरोमणि छत्रपति शिवाजी ने न केवल मध्यकालीन इतिहास को आलोकित किया अपितु औरंगजेब जैसे कट्टर बादशाह को पच्चीस वर्षो तक नाकों चने चबाते हुए दक्षिण भारत में एक प्रबल मराठा साम्राज्य की स्थापना करके समूचे विश्व को आर्श्चय चकित कर दिया। उनके जीवन का हर क्षण संघर्ष और वीरतापूर्ण कृत्यों में ही बीता है। किशोरावस्था में ही उन्होंने मराठा-कूर्मि बहुल सेना का गठन कर लिया, तरूण होते-होते महाराष्ट्र के लगभग सभी महत्वपूर्ण किलों पर आधिपत्य जमा लिया। मुस्लिम राज्यों की भूमि पर और दुर्गों पर उनकी विजय पताका उत्तरोत्तर फहराती गई। शिवाजी भोसला वंश के मराठा कूर्मि थे। मिस्टर हण्डर लिखते हैं कि ''शिवाजी कूर्मि थे और ग्वालियर तथा सताारा के राजा उसी जाति के कहे जाते हैं''।

शिवाजी का विशाल सम्राज्य 14 प्रांतों में फैला हुआ था। उनके आधिपत्य में 280 किले थे। सन् 1674 ई. मे रायगढ़ किले में शिवाजी का बड़ी धूमधाम से राज्याभिषेक हुआ। उन्होंने छत्रपति की उपाधि धारण की। उन्होंने हिन्दु धर्म, हिन्दु सभ्यता और हिन्दु संस्कृति की रक्षा के लिए ''हिन्दवी स्वराज'' की स्थापना की। छत्रपति शिवाजी के 1680 ई. में निधन के पश्चात् उनके पुत्र सम्भाजी ने लगभग 20 वर्ष तक मुगलों से संघर्ष किया। छत्रपति सम्भाजी देश नहीं बल्कि विश्व के एकमात्र ऐसे योद्धा थे जिन्होंने 128 युद्ध लड़े और सभी जीते। 13 वर्ष की आयु में 13 भाषाओं का ज्ञान प्राप्त किया। बुधभूषण जैसे कई शास्त्र खुद लिखे। औरंगजेब कभी भी युद्ध में छत्रपति सम्भाजी को नहीं हरा सके। 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के साथ मुगलों ने मराठों से संधि कर ली और शिवाजी के पौत्र छत्रपति शाहूजी को राजा स्वीकार कर लिया। इस प्रकार छत्रपति शिवाजी के काल को कूर्मियों का स्वर्णकाल कहा जाता है।

8. आधुनिक इतिहास: पुराने सिद्धांतों और विश्वासों को नया रूप देना होगा, अन्यथा वे नई आशाओं और आकांक्षाओं की माँगों को संतुष्ट नहीं कर पायेंगे और नए दृष्टिकोण के साथ कदम मिलाकर नहीं चल सकेंगे। आधुनिक भारतवासी प्राचीन आर्यकुल के गौरव नहीं है। किन्तु राख से ढकी हुई अग्नि के समान इन आधुनिक भारत वासियों में छिपी हुई पैतृक शक्ति अब भी विद्यमान है। **(स्वामी विवेकानन्द)**

कुछ शताब्दियों पहले सारे देश में सर्वत्र कुनबी मराठों की कीर्तिध्वजा छत्रपति शिवाजी के नेतृत्व में सर्वत्र फहराने लगी थी किन्तु हिन्दुओं में आपसी फूट तथा ऊँच-नीच की भावना के कारण आगे एक शताब्दी तक ही चल पायी। शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित मराठा साम्राज्य पानीपत के तीसरे युद्ध में (1761 ई.) पराजय के कारण तहस-नहस हो चला था। ऐसे ही समय में 3 दिसंबर 1730 ई. में जन्म लेने वाले मराठों के एक उभरते सरदार महादजी (माधवजी) सिंधिया ने लगातार बारह वर्षो तक घर से बाहर रहकर विरोधी शक्तियों से लोहा लेते हुए अपने प्रयासों से फिर मराठा साम्राज्य के विस्तार में आशातीत सफलता प्राप्त कर ली। राजनैतिक और कूटनीतिक दोनों ही मोर्चों पर अंग्रजों को परास्त करते हुए मराठा कूर्मि क्षत्रिय का वर्चस्व स्थापित किया। अंग्रेजी विद्वान विलियम जॉन्स के अनुसार ''महादजी सिंधिया 18 वीं सदी में दक्षिण एशिया के सबसे मजबूत व्यक्ति थे''। 1790 में महादजी ने जोधपुर और जयपुर के राजपूत राज्यों को हराकर अपने अधीन कर लिया था। हैदराबाद के निजाम के विरूद्ध भी उन्होंने विजय श्री हासिल की। गोहद के राणा को हराने के बाद नर्मदा और शतलज नदी के बीच के सारे भू-भाग पर मराठों का आधिपत्य हो गया था। 12 फरवरी 1794 को पुणे के पास बनावड़ी में महादजी (माधव राव) ने आखिरी सांस ली । महादजी के मृत्यु पश्चात पेशवा पद के लिए आपसी संघर्ष के चलते भारतीय शासक कमजोर होते गये तथा अंग्रेजी शक्ति का राज्य कायम होता गया। कोल्हापुर राज्य भी अंग्रेजों के अधीन संचालित होने लगा था। इस देश का लगभग 200 वर्ष का इतिहास कूर्मि मराठों का इतिहास है। मराठा कूर्मियों से अंग्रेजों का अंतिम युद्ध 1818 ई. में हुआ था।

सिंधिया परिवार ग्वालियर का मराठा शासक परिवार है। इस वंश की स्थापना रणोजी सिंधिया ने की थी। 1750 ई. मे इनकी मृत्यु हुई। रणोजी सिंधिया के बाद महादजी सिंधिया ने अपना साम्राज्य स्थापित किया। 1818 में सिंधिया अंग्रेजों के आधीन हुए। फिर दौलतराव सिंधिया ने ब्रिटिश भारत के भीतर एक रियासत के रूप में स्थानीय स्वायत्तता स्वीकारी। दौलत राव के बाद महारानी बैजा ने साम्राज्य चलाया। इसके बाद उनके गोद लिए जनको राव ने सत्ता संभाली। जनकोराव की मृत्यु 1843 में हुई और उनकी विधवा ताराबाई राजे सिंधिया ने स्थिति को यथावत बनाये रखा और जयाजी राव नामक बालक को गोद लिया। सिंधिया परिवार ने 1947 भारत की स्वतंत्रता तक ग्वालियर पर शासन किया। तब महाराज जीवाजी राव सिंधिया ने भारत में विलय के लिए स्वीकृति दी। जीवाजी राव ने राज्य प्रमुख के रूप में 28 मई 1948 से 13 अक्टूबर 1956 तक कार्य किया। 1962 में महाराजा जीवाजी राव की विधवा राजमाता विजयाराजे सिंधिया लोकसभा के लिए निर्वाचित हुई और इस प्रकार सिंधिया परिवार की चुनावी राजनीति में जीवन यात्रा प्रारंभ हुई।

(शेष भाग आगामी अंक 8 पर .....)

सम्राट अशोक
जन्म : 14 अप्रैल 304 ई.पू.
निर्वाण : 232 ई.पू.

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 7

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

वैशाख प्रारंभ ता. 27 से

विक्रम संवत् 2077-78
शक संवत् 1943

अप्रैल - 2021

धर्म चाहे जो भी हो, अच्छे इंसान बनो क्योंकि हिसाब हमारे कर्म का होगा धर्म का नहीं। - तथागत बुद्ध

बसंत ऋतु ता. 20 से ग्रीष्म ऋतु

20 अप्रैल
कूर्मि चन्द्रबाबू नायडू पूर्व मुख्यमंत्री, आन्ध्रप्रदेश
24 अप्रैल
कूर्मि प्रमोद सांवत मुख्यमंत्री, गोवा
28 अप्रैल
कूर्मि अनुप्रिया पटेल-पूर्व केन्द्रीय मंत्री

HAPPY BIRTHDAY

मेरे अकेले के प्रयास से समाज नहीं बदल सकता; लेकिन मैं कोशिश इसलिए करता हूं क्योंकि पानी में हलचल मचाने के लिए एक पत्थर ही काफी होता है। - तथागत बुद्ध

पंचक
07 अप्रैल, बुधवार - 3.00 दोप. से
12 अप्रैल, सोमवार - 11.30 सुबह तक

विवाह मुहूर्त
21, 22, 24, 25, 26, 27, 28, 29, 30

मूल
2 अप्रैल, शुक्रवार 5.19 सुबह से 4 अप्रैल, रविवार, 2.39 रात्रि तक
11 अप्रैल, रविवार 8.58 सुबह से 13 अप्रैल, मंगलवार 2.20 दोप. तक
21 अप्रैल, बुधवार 7.59 सुबह से 23 अप्रैल, शुक्रवार 7.42 सुबह तक
29 अप्रैल, गुरुवार 2.30 दोप से 1 मई, शनिवार 1.16 रात्रि तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

वार					
सोम MONDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 13 गुड़ी पड़वा/चैतीचंद, वैशाखी 17 गुहा निषादराज जयंती 26 हाटकेश्वर जयंती 27 धरती पूजा (खद्दी पर्व)	चैत्र कृष्ण 9 **5** उ. आ. राष्ट्रीय समुद्री दिवस बाबू जगजीवन राम जन्म दिवस	चैत्र कृष्ण 15 **12** रेवती चैत्र, सोमवती अमावस्या राष्ट्रीय विमानन दिवस	चैत्र शुक्ल 7 **19** पुनर्वसु छत्रपति शिवाजी स्मृति दिवस सेन जयंती	चैत्र शुक्ल 14 **26** अन्वाधान चित्रा हाटकेश्वर जयंती विश्व स्वास्थ्य दिवस विश्व बौद्धिक संपदा दिवस
मंगल TUESDAY	**याददाश्त**	चैत्र कृष्ण 10 **6** श्रवण	चैत्र शुक्ल 1 ज्योतिष दिवस **13** जलिया वाला बाग दिवस अश्विनी गौतम ऋषि जयंती चैत्र नवरात्रि, युगादी/ वैशाखी गुड़ी पड़वा/चैतीचांद	चैत्र शुक्ल 8 **20** पुनर्वसु दुर्गाष्टमी	चैत्र शुक्ल 15, वैशाख कृष्ण 1 **27** स्वाती हनुमान जयंती चैत्र पूर्णिमा धरती पूजा (खद्दी पर्व)
बुध WEDNESDAY		चैत्र कृष्ण 11 **7** भक्तमाता कर्मा जयंती धनिष्ठा हटकेश्वर जयंती पापमोचिनी एकादशी विश्व स्वास्थ्य दिवस	मेष संक्रांति चैत्र शुक्ल 2 **14** झुलेलाल जयंती अग्निशमन दिवस भरणी सम्राट अशोक जयंती डॉ. अम्बेडकर जयंती	चैत्र शुक्ल 9 **21** राम नवमी पुष्य भारतीय सिविल सेवा दिवस स्वामीनारायण जयंती	वैशाख कृष्ण 2 **28** विश्व स्वास्थ्य दिवस विशाखा शंकराचार्य जयंती छत्रपति शिवाजी जयंती
गुरु THURSDAY	चैत्र कृष्ण 4 **1** विशाखा मूर्ख दिवस बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी उड़ीसा दिवस, अंधत्व निवारण दिवस	चैत्र कृष्ण 12 **8** शतभिषा मंगल पाण्डे शहीद दिवस	चैत्र शुक्ल 3 **15** कृत्तिका गौरीपुजा, गणगौर, मत्स्य जयंती हिमाचल दिवस	चैत्र शुक्ल 10 **22** अश्लेषा विश्व पृथ्वी दिवस	वैशाख कृष्ण 3 **29** अनुराधा विश्व नृत्य दिवस
शुक्र FRIDAY	चैत्र कृष्ण 5 **2** ज्येष्ठा गुड फ्राइडे रंग पंचमी विश्व आत्मकेन्द्रित जागरूकता दिवस	चैत्र कृष्ण 13 **9** पू.भा. प्रदोष व्रत	चैत्र शुक्ल 4 **16** रोहिणी	चैत्र शुक्ल 11 **23** मघा कामदा एकादशी विश्व पुस्तक/कापीराईट दिवस	वैशाख कृष्ण 4 **30** ज्येष्ठा विकट संकष्टी चतुर्थी
शनि SATURDAY	चैत्र कृष्ण 6, 7 **3** मूल शीतला सप्तमी छत्रपति शिवाजी पुण्यतिथि	चैत्र कृष्ण 14 **10** पू. भा. विश्व होमियोपैथी दिवस	चैत्र शुक्ल 5 **17** मृगशिरा लक्ष्मी पंचमी गुहा निषादराज जयंती	चैत्र शुक्ल 12 **24** पु.फा. प्रदोष व्रत राष्ट्रीय पंचायती दिवस	**शासकीय अवकाश** 1 बैंकों की वार्षिक लेखाबंदी 2 गुड फ्राइडे 7 भक्तमता कर्मा जयंती 14 डॉ. अंबेडकर जयंती 21 रामनवमी 25 महावीर जयंती
रवि SUNDAY	चैत्र कृष्ण 8 **4** पू.आ. ईस्टर डे माखन लाल चतुर्वेदी जयंती अंतर्राष्ट्रीय खान सुरक्षा दिवस	चैत्र कृष्ण 14 **11** उ.भा. दर्श अमावस्या विश्व पालतु (पेट) दिवस राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस ज्योतिराव फूले जयंती	चैत्र शुक्ल 6 **18** विश्व धरोहर दिवस यमुना छठ आर्द्रा छ.ग. कूर्मी-क्षत्रिय चेतना मंच स्थापना दिवस श्री वल्लभाचार्य जयंती	चैत्र शुक्ल 13 **25** हस्त महावीर जयंती विश्व मलेरिया दिवस विश्व पशु चिकित्सा दिवस	

KURMI SHRIKUMAR SINGH
Contractor "A4 Class" Irrigation and Transporter
A-10, Vaishali Nagar, Bilaspur (C.G.) Phone : 07751-257297, Mo.: 94255-36578

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर अभिवादन....

कूर्मि सुरेश कौशिक
संयुक्त सचिव
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9589033432

कूर्मि डॉ. वीणा कौशिक
आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी
संभागीय संयुक्त सचिव,
बिलासपुर (महिला प्रकोष्ठ)
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
बिलासपुर
मो. : 9981502421

प्रबंध संपादक- कूर्मि भुवन वर्मा
9827124304, 9826704304
आर.एन.आई. पंजीयन क्र. CHHHIN/2009/42664
डाक पंजीयन क्र. जी 2-112/सी.जी.बी.एल.पी./69/2013-2015
2007 से लगातार
छत्तीसगढ़ की मासिक पत्रिका
अस्मिता और स्वाभिमान
web. : www.ashmitanews.in सामाजिक चेतना का संदेश वाहक
98267-04304, e-mail: ashmitanews@gmail.com
। बिलासपुर । रायपुर । दुर्ग । कोरबा । जांजगीर-चांपा । राजनांदगांव । दंतेवाड़ा । बस्तर । कबीरधाम । कांकेर । रायगढ़ । सरगुजा । धमतरी । बीजापुर । नारायणपुर । महासमुंद । कोरिया । जशपुर । बलौदाबाजार । गरियाबंद । बेमेतरा । बालोद । कोंडागांव । सुकमा । मुंगेली । सूरजपुर । बलरामपुर में प्रसारित

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नमन...
एक रहें - संगठित रहें

कूर्मि भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री छ.ग. शासन

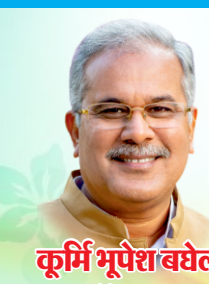

कूर्मि दिलीप कौशिक
सदस्य
छ.ग. राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग
एवं युवा प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच

कूर्मि धरमलाल कौशिक
नेता प्रतिपक्ष, छ.ग. विधानसभा

स्थायी निवास : ग्राम व पोस्ट बावली (सरगांव) तह. पथरिया, विधानसभा क्षेत्र बिल्हा (छ.ग.)
वर्तमान निवास: देवनंदन नगर फेस-1, सीपत रोड, बिलासपुर (छ.ग.)
मो. 9098987513, 8463000033, Email : dileepkaushik9@gmail.com

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम HP
माँ मावली फ्यूल्स
करही बाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

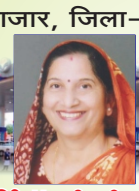

कूर्मि डॉ. पूरन लाल
सेवानिवृत्त अपर संचालक,
जनसम्पर्क विभाग
छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर
मो. : 9424200709, 9424107673
ईमेल : puranvasushilp@gmail.com

कूर्मि डॉ. (श्रीमती) वासु
प्रोफेसर
शास.दू.ब. महिला स्ना. महा. रायपुर
सचिव
श्री भोला कूर्मि छात्रालय एवं धर्मशाला ट्रस्ट, रायपुर
मो. नं. 9424107672

कूर्मि डॉ. शिल्प
एम.बी.बी.एस.
एम.एस. आर्थोपेडिक्स गोल्ड मेडलिस्ट
सीनियर रेसिडेंट-एम्स, रायपुर
प्रोप्राईटर-माँ मावली फ्यूल्स
मो : 09964378297

कूर्मि डॉ. रितु
एम.बी.बी.एस. गोल्ड मेडलिस्ट
एम.एस.
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
पं. जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कालेज, रायपुर
मो. : 8234053193

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

अप्रैल-2021

कूर्मि समाज / संगठन के राष्ट्रीय व राज्यवार प्रमुख पदाधिकारियों की सूची

क्र.	संगठन/प्रकोष्ठ	राष्ट्रीय प्रमुख का नाम	पदनाम	पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित
1.	अखिल भारतीय	कूर्मि श्री एल.पी.पटेल	राष्ट्रीय अध्यक्ष	381, सीनियर एच.आई.जी., सेक्टर-एच, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425392434, E-mail:kurmi.lppatel@gmail.com
2.	अखिल भारतीय	कूर्मि डॉ. विजय सिंह निरंजन	राष्ट्रीय महासचिव	एच 1, वीरांगना नगर, जेडीए कॉलोनी (मेडिकल), झांसी (उत्तरप्रदेश) 284128 मो.: 09425175550, E-mail:niranjanvivek@yahoo.com
3.	अखिल भारतीय	कूर्मि श्री बी.एल. वर्मा	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	एम.आई.जी.-1, 22/342, इंदिरा नगर, रींवा (म.प्र.) मो. 09425393572
4.	राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ	कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर	राष्ट्रीय अध्यक्ष	सड़क-7, ब्लाक-9 बी, सेक्टर-10, भिलाई नगर, जिला-दुर्ग (छ.ग.)-490006, मो. 9826482726, 09302743766
5.	राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ	कूर्मि श्रीमती मनीषा गौर	राष्ट्रीय महासचिव	53/3, रेशमबाला कम्पाण्ड, नंदलालपुरा, इंदौर (म.प्र.) मो. 09752042825
6.	राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ	कूर्मि श्रीमती ममता पटेल	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	9/10, विंडसर डिलाइड्स, पटेल कालोनी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.) मो. 09229683301
7.	राष्ट्रीय युवा प्रकोष्ठ	कूर्मि श्री धीरज कुमार पाटीदार	राष्ट्रीय अध्यक्ष	होटल पूर्वज, इंदौर रोड, झालरपाटन, जिला-झालावाड़ (राजस्थान) 4914193983
क्र.	**राज्यों का नाम**	**राज्य प्रमुख का नाम**	**पदनाम**	**पत्राचार का पता/मोबाईल नं. सहित**
1.	**छत्तीसगढ़**	कूर्मि श्री विजय बघेल	प्रदेशाध्यक्ष	7-बी, स्ट्रीट नं.-38, सेक्टर-5, भिलाई-दुर्ग (छ.ग.) मो. 09425561150
		कूर्मि श्री पूरन सिंह बैस	महासचिव	म.नं. 518, सुन्दर नगर, रायपुर (छत्तीसगढ़) मो. 9406301900
		कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.) मो. 09826165881, E-mail:kurmi.chetna01@gmail.com
		कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल	महासचिव	ब्लाक-47/563 पं. दीन. आवासीय फ्लैट्स, कबीर नगर, रायपुर (छ.ग.)492099 मो. 09425522629 E-jkumar001@gmail.com
2.	**उड़ीसा**	कूर्मि डॉ. पूरनचंद प्रधान	प्रदेशाध्यक्ष	मु.पो. लालसिंगी,व्हाया-बौंसोलोण्दी,भंजानगर,गंजम(उड़िसा)-761125, मो. : 09438323680 E-mail:pradhan2018purna@gmail.com
		कूर्मि श्री देबराज प्रधान	महासचिव	ग्रा. व पोस. बौंसलोण्दी, व्हाया-भंजानगर, गंजम (उड़िसा)-761125, मो. : 9938979408
		कूर्मि श्री प्रभाषचन्द्र मोहन्ता	प्रदेशाध्यक्ष	बी.आई.एम.-160, शैलश्री बिहार भुवनेश्वर (उड़िसा) 751021 मो. 09237271825
		कूर्मि श्री रामचन्द्र मोहन्ता	महासचिव	402, मॉ भुवनेश्वरी एनक्लेव, गजपति नगर, भुवनेश्वर- 05 (उड़ीसा)मो.09438323680
3.	**उत्तरप्रदेश**	कूर्मि डॉ. हरिशचन्द्र पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	शिवपुरम कालोनी, त्रिवेणीपुरम, झूंसी, प्रयागराज (उ.प्र.) मो. 09450579475
		कूर्मि श्री गिरजेश कुमार पटेल	महासचिव	633/पी-159, बालाजी पूरम, कंचनपूर, मटियारी, भारत भवन के पास, लखनऊ (उत्तरप्रदेश)-226028, मो. 8448274939
4.	**महाराष्ट्र**	कूर्मि डॉ. मंगेशकृष्ण राव देशमुख	प्रदेशाध्यक्ष	नंदनवन कालोनी, एल.आई.जी. 20 सर्किट हाऊस के पीछे, केम्प, अमरावती (महाराष्ट्र) - 444602, मो. : 09284823521
		कूर्मि प्रो. डॉ. संजय जाधव	महासचिव	सांई टावर, तीसरी मंजील, वकिलवाड़ी, नासिक (महाराट्र) मो. : 9960591613
5.	**पश्चिम बंगाल**	कूर्मि श्री प्रेमनाथ कूर्मि	प्रदेशाध्यक्ष	17/21 A टीटागढ़,एस.पी.मुखर्जी रोड, जिला-उत्तर चौबिस परगना कोलकाता-(पश्चिम बंगाल)19 मो. 09331422586
		कूर्मि श्री रंजीत राय	महासचिव	72/ कवि गुरू रविन्द्र नाथ, नियर कचरा पारा, उत्तर चौबिस परगना कोलकाता- (पश्चिम बंगाल) 743145 मो. 09002025836
6.	**राजस्थान**	कूर्मि श्री दयालाल पाटीदार	प्रदेशाध्यक्ष	विद्यानगर (पंचवटी), तह. सागवाड़ा, जिला-डूंगरपुर (राजस्थान) मो. 9414977745
		कूर्मि श्री नारायण लाल पाटीदार	महासचिव	(भवानी मंडी वाले) मारूतिनंदन हनुमान मंदिर के पास, बेसादोमंडी, तह. भानपुर, जिला-मंदसौर- 458778, मो. 7568839962
		कूर्मि श्री रामबाबू कटियार	प्रदेशाध्यक्ष	एफ-19,नंदपुरी, हवा सड़क, 22 गोदाम, जयपुर (राजस्थान) मो. 9829158255 E-mail:kpj_jaipur@yahoo.com
		कूर्मि श्री नरेन्द्र सिंह कटियार	महासचिव	2-टी-1, जवाहर नगर, जयपुर (राजस्थान) मोबाईल-9057084940, 8619572979
7.	**झारखंड**	कूर्मि श्री कुमेश्वर महतो	प्रदेशाध्यक्ष	ग्राम-होसीरपुर डाडी,पोस्ट-गिद्दी,जिला-हजारीबाग (झारखंड)-829109 मो. 09934105586 E-mail:kanwhizzkumeshwar54@gmail.com
		कूर्मि श्री कारीनाथ महतो	महासचिव	मसू हेसल, पोस्ट टाटीसिलवे, जिला-रांची(झारखंड) 835013 मो. 08002533967 E-mail:karinath_mahto@ushamartin.co.in
8.	**मध्यप्रदेश**	कूर्मि श्री रामखिलावन पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	पटेल मेडिकल स्टोर्स सतना रोड, अमर पाटन, जिला-सतना (म.प्र.) मो. 09425174322,09617980599
		कूर्मि श्री जी.एल.पटेल	महासचिव	म.न. 267, एच.आई.जी. सुपर डिलक्स पार्ट- फेस 5, अयोध्या नगर, भोपाल (म.प्र.) मो. 09425376492 E-mail: glpatel2050@gmail.com
		कूर्मि श्री बी.पी. पटेल	प्रमुख ट्रष्टी	(सरदार पटेल ट्रस्ट, भोपाल)डी-59 सिद्धार्थ लेक सिटी, रायसेन रोड,भोपाल (म.प्र.)मो.9424455368 E-mail: erbppatelce1958@gmail.com
9.	**हरियाणा**	कूर्मि डॉ. बागेस पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	कृष्ण मुर्ति क्लिनीक, म.नं. 530/22, शिवजी पार्क, गली नं. 8, अनाज मण्डी के पास, खान्सा रोड, गुड़गांव, मो. 9818280440
		कूर्मि श्री धर्मेन्द्र कुमार	महासचिव	फ्लेट नं. 409, तीसरी मंजिल, आपका बाजार, गुरुद्वारा रोड, गुड़गांव-100101, मो. 9818634134
		कूर्मि श्री राहूल कटियार	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं. 862, सेक्टर-10, गुड़गांव-100101, मो. : 97114-01691
		कूर्मि श्री सुंदरलाल गंगवार	महासचिव	162/1-सी, हरी नगर, खाण्डसा रोड, गुड़गांव-100101, मोबाईल : 8802763702
10.	**कर्नाटक**	कूर्मि श्री एम.ए. बिट्टे गौड़ा	प्रदेशाध्यक्ष	28/14 ए- द्वितीय स्टेज चौक, दूसरा ब्लाक, महालक्ष्मीपूरम, पश्चिम तार रोड , बैंगलुरू (कर्नाटका) 530086, मो. : 9448088372
		कूर्मि श्री एच.एम. नारायणमुर्थि	महासचिव	117, शपथ गिरी, एन-ब्लॉक, कुएम्पू नगर, मैसुर - 23, (कर्नाटक) मो. : 9448063355
		कूर्मि श्री अजय वर्मा	प्रदेशाध्यक्ष	9, रामकृष्ण निवास, एम. एल. ए., लेआउट, गैप गार्डेन, कलेना अग्रहारा बनेरघट्टा रोड, बैंगलुरू-76 (कर्नाटक) मो. 09341235998 E-Mail: ajayverma23@gmail.com
		कूर्मि श्री वीरेन्द्र पटेल	महासचिव	म.नं. 302,एस.एल.व्ही.हाईट, डी.एन.पी. लेआऊट, डोड्डा कम्मनहल्ली रोड (बेनरघट्टा रोड) बैंगलुरू-83,(कर्नाटक) 9342136548
11.	**तेलंगाना**	कूर्मि श्री वोक्का भूपाल रेड्डी	प्रदेशाध्यक्ष	रेड्डी संक्षेमा संगम, म.नं. 17-2-630/6/2 मदनापेठ, सायदाबाग-500054 (तेलंगाना) मो. : 9392223000
		कूर्मि श्री पेंडयाला केशवा रेड्डी	महासचिव	म.नं. 7-4-63 कश्मीर गड्डा करीम नगर, 505001, हैदराबाद (तेलंगाना), मो. 8008040333, 90066039333
		कूर्मि श्री राजनारायण पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	14-10-404, जुमेरात बाजार, धूलपेठ, हैदराबाद-500006 (तेलंगाना) मो. 09394543910, E-mail: rajnarayanuma@gmail.com
		कूर्मि श्री किशोर सिंह वर्मा	महासचिव	म.नं. 1919-1-912/ए/32/ए, फुलवारी मुरली नगर, हैदराबाद 500004 (तेलंगाना) मो. 09849242250 E-mail: kishorsinghmala@gmail.com
12.	**आंध्रप्रदेश**	कूर्मि श्री मारम बाला ब्रम्हा रेड्डी	प्रदेशाध्यक्ष	डोर न. 8-27, 4-4 बोचापाटा फोटालेम, विजय नगरम 535002 (आंन्ध्रप्रदेश) मो. 09573636999
		कूर्मि श्री रविन्द्र वेंकट रेड्डी	महासचिव	गली नं.102/1 श्री वेंकटेश्वर व्हीकल यार्ड, एमवीजीआर महाविद्यालय चिन्टा के सामने, लावल्से विजय नगर (आन्ध्रप्रदेश) 535002 मो. 9392223200
13.	**बिहार**	कूर्मि श्री अखिलेश कुमार सिंह	प्रदेशाध्यक्ष	म.नं. 59-बी, सड़क नं-8, राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार मो. 9931038382
		कूर्मि श्री पशुपतिनाथ सिंह	महासचिव	पिता-त्रियुगीनारायण, बचेली बाबूलेण्ड, पो. भगवान बजार जिला-सरजन, छपरा-841301 मो. 07488168481, 9835260250
14.	**आसाम**	कूर्मि श्री सोहन लाल कूर्मि	प्रदेशाध्यक्ष	खुंटाई, बरुआघाट, पोस्ट-बदुलीपार्क, जिला-गोलाघाट (आसाम)-7856011, मो. 7086465212, 9401096568
		कूर्मि श्री सोमेश महतो	महासचिव	ग्राम-निचिलामढ़ी, पो.ओरंग जिला-उदलगुढ़ी (आसाम)मो. 09613968247
15.	**गोवा**	कूर्मि श्री प्रतापसिंह वेलिपकाणकार	प्रदेशाध्यक्ष	जानकी निवास-राघवेन्द्र मठ के पास, मोहन्ती हिल्स, मडगांव (गोवा) फोन-0832-2710215,मो. 09860275261
		कूर्मि श्री मधु एन. गांवकर	महासचिव	बंडोल-किरलापाल, पोस्ट ऑफिस, डावाल जिला-संगूएम, (गोवा) मो. 09822194547
16.	**केरल**	कूर्मि श्री के.वी. भास्करण	प्रदेशाध्यक्ष	के.एस.एस. बिल्डिंग, टाउनहाल, क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि -682008 (केरल) मो. 09447679008
		कूर्मि श्री पी.एस. रामचंद्रन	महासचिव	कुटुम्बी सेवा संघम के.एस.एस. बिल्डिंग टाउनहाल क्रास रोड, एर्नाकुलम, नार्थ कोच्चि 682008(केरल) मो. 09447673609
17.	**उत्तराखण्ड**	कूर्मि डॉ. सत्यनारायण सचान	प्रदेशाध्यक्ष	54, सेवक आश्रम रोड, देहरादून (उत्तराखंण्ड) फोन-0135-2744930, मो. 09412172282
		कूर्मि श्री काशीनाथ सिंह	महासचिव	एम-63 शिवालिक नगर, बी.एच.ई.एल. (भेल) रानीपुर हरिद्वार (उत्तराखंड) फोन-0134-232824, मो. 09719176660
18.	**दिल्ली**	कूर्मि श्री मिथिलेश कुमार	प्रदेशाध्यक्ष	फ्लेट नं-6, पॉकेट ई-9, सेक्टर-15 रोहणी, (दिल्ली) -09 मो: 09212503272 E-mail: ermithleshpatel@gmail.com
		कूर्मि श्री अरविंद पटेल	महासचिव	म.नं. एस-447, स्कूल ब्लाक, शकरपुर लक्ष्मी नगर, दिल्ली-92, मो. 9354652416, 9810250834
		कूर्मि श्री आनंद कुमार	प्रदेशाध्यक्ष	म.न. 33 ए जय विहार फेस 3,हारफुल विहार बापरॉयल,(नई दिल्ली) 110043 मो. 09958320556 E-mail: ghianandrai@gmail.com
		कूर्मि श्री अनिल कुमार रॉय	महासचिव	म.न. ए 34 गली नं. 20 दास गार्डन, काली मंदिर के पास, बापरॉयल (नई दिल्ली) 110043 मो. 09999030941 E-mail: anilk.rai1984@gmail.com
19.	**पंजाब**	कूर्मि डॉ. सुकवासीलाल सचान	प्रदेशाध्यक्ष	17, नीटर कैम्पस, सेक्टर-26, चंडीगढ़ (पंजाब) फोन-0172-2293248, 2759510
20	**गुजरात**	कूर्मि श्री सतीश भाई डी पटेल	प्रदेशाध्यक्ष	द्वितीय तल सवन मार्ग, फनपाइंट क्लब के सामने नया हाईकोर्ट के सामने एस.जी. हाईवे, अहमदाबाद (गुजरात) 390060, मो. 9825035199
21.	**तमिलनाडु**	कूर्मि श्री एस. वर्मन	प्रदेशाध्यक्ष	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, थिरूनल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 09884110204 E-mail: race-urlise@yahoo.com
		कूर्मि श्री सित्तरसिंह कुरुम्बद	महासचिव	सी. 32/86/एच, असद गली मनकावलन, पिल्लई नगर, पलायम कोट्टई, तिरूनेल वैली-627002 (तमिलनाडु) मो.: 9486179327
22.	**सिक्किम**	कूर्मि श्री रूपेश कुमार	अध्यक्ष	होटल मयुर, पी.एस.रोड गंगटोक (सिक्किम) 737101 मो. 09434022637 E-mail:rupeshpanchwati@rediffmail.com

कूर्मि कुल गौरव गौतम बुद्ध
जनम : बैसाख पूर्णिमा
(बुद्ध पूर्णिमा) 563 ई.पू., निर्वाण-483 ई.पू.

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

ज्येष्ठ प्रारंभ ता. 27 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

मई - 2021

अगर बुराई से दूर रहना है तो अच्छाई को बढ़ावा दीजिए और खुद के मन में अच्छे-अच्छे विचार का विकास करिए। - तथागत बुद्ध

ग्रीष्म ऋतु

जन्मदिन

8 मई — कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

18 मई — कूर्मि एच.डी देवेगौड़ा, पूर्व प्रधानमंत्री, भारत गणराज्य

गृह प्रवेश

13 मई-5.26 सुबह से 14 मई 5.26 सुबह
14 मई-5.26 सुबह से 15 मई 5.25 सुबह
21 मई-3.23 दोप. से 22 मई 5.23 सुबह
22 मई-5.23 सुबह से 2.06 दोप. तक
24 मई-5.23 सुबह से 9.49 सुबह तक
26 मई-4.23 दोप. से 27 मई 1.16 रात्रि

पंचक

4 मई, मंगलवार - 8.44 रात्रि से
9 मई, रविवार - 5.29 सायं तक

विवाह मुहूर्त

1, 2, 3, 7, 8, 9, 12, 13, 14, 19, 21, 22, 23, 24, 26, 28, 29, 30

मूल

24 अप्रेल गुरुवार 2.29 दोप. से 1 मई, शनिवार 10.16 सुबह तक
8 मई शनिवार 2.47 दोप. से 10 मई, सोमवार 8.26 रात्रि तक
18 मई मंगलवार 2.55 दोप से 20 मई, गुरुवार 3.58 रात्रि तक
27 मई गुरुवार 1.16 रात्रि से 28 मई, शुक्रवार 8.02 रात्रि तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

सोम MONDAY	**31** ज्येष्ठ कृष्ण 6, श्रवण; विश्व तम्बाकू निषेध दिवस; अहिल्या बाई होल्कर जयंती	**3** वैशाख कृष्ण 7, गुरु अर्जुन देव जयंती, उ.आ.; प्रेस स्वतंत्रता दिवस, विश्व हास्य दिवस; विश्व अस्थमा व ऊर्जा दिवस, विश्व सूर्य दिवस	**10** वैशाख कृष्ण 14, अश्विनी	**17** वैशाख शुक्ल 5, पुनर्वसु शंकराचार्य जयंती; विश्व दूरसंचार दिवस; विश्व सूचना समाज दिवस	**24** वैशाख शुक्ल 13, चित्रा; प्रदोष व्रत; राष्ट्रमंडल दिवस
मंगल TUESDAY	**ऐच्छिक अवकाश**: 7 श्रीमद् वल्लभाचार्य जयंती; 7 जमात-उल-विदा; 8 सेन जयंती; 14 परशुराम जयंती; 17 शंकराचार्य जयंती	**4** वैशाख कृष्ण 8, श्रवण; कोयला खदान दिवस	**11** वैशाख कृष्ण 15, भरणी; विश्व खगोल दिवस; राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	**18** वैशाख शुक्ल 6, पुष्य; गंगा सप्तमी	**25** वैशाख शुक्ल 14, नवतपा प्रारंभ, नृसिंह जयंती, स्वाती; विश्व थॉयराइड दिवस; छत्रसाल/महाराणा प्रताप जयंती
बुध WEDNESDAY	**शासकीय अवकाश**: 14 ईद-उल-फितर; 26 बुद्ध पूर्णिमा **याददाश्त**	**5** वैशाख कृष्ण 9, घनिष्ठा	**12** वैशाख शुक्ल 1, कृत्तिका; विश्व नर्सिंग डे	**19** वैशाख शुक्ल 7, अश्लेषा	**26** वैशाख शुक्ल 15, कूर्म जयंती, अनुराधा; वैशाख पूर्णिमा; बुद्ध पूर्णिमा
गुरु THURSDAY		**6** वैशाख कृष्ण 10, शतभिषा; छत्रपति शाहू जी महाराज पुण्य तिथि	**13** वैशाख शुक्ल 2, रोहिणी; चन्द्र दर्शन	**20** वैशाख शुक्ल 8, मघा; जानकी जन्मोत्सव; विश्व मधुमक्खी दिवस	**27** ज्येष्ठ कृष्ण 1, ज्येष्ठा; पं. जवाहर लाल नेहरू पुण्य तिथि; देवर्षि नारद जयंती
शुक्र FRIDAY		**7** वैशाख कृष्ण 11, विश्व एथलेटिक्स दिवस, बरुथिनी एकादशी पू.भा.; श्रीमद्वल्लभाचार्य जयंती; रविन्द्रनाथ टैगोर जयंती	**14** वैशाख शुक्ल 2, रोहिणी ईद-उल-फितर; वृषभ संक्रांति; अक्षय तृतीया/परशुराम जयंती	**21** वैशाख शुक्ल 9, राजीव गांधी पुण्यतिथि, पु.फा.; सीता नवमी; आतंकवाद निरोध दिवस	**28** ज्येष्ठ कृष्ण 2, मूल; वीर सावरकर जयंती
शनि SATURDAY	**1** वैशाख कृष्ण 5, महाराष्ट्र, गुजरात स्थापना दिवस, मूल; अन्तर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस; गुरु तेग बहादुर जयंती	**8** वैशाख कृष्ण 12, सेन जयंती, उ.भा. प्रदोष व्रत; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; विश्व रेडक्रॉस दिवस; विश्व थैलेसीमिया दिवस	**15** वैशाख शुक्ल 3, मृगशिरा; अन्तर्राष्ट्रीय परिवार दिवस; कार्यालयीन अवकाश	**22** वैशाख शुक्ल 10, विश्व जैव विविधता दिवस, उ.फा.; मोहिनी एकादशी; बैंक अवकाश	**29** ज्येष्ठ कृष्ण 3, 4, पू.आ.; एकदन्त संकष्टी चतुर्थी
रवि SUNDAY	**2** वैशाख कृष्ण 6, पू.आ.; कपिलनाथ कश्यप पुण्य तिथि	**9** वैशाख कृष्ण 13, रेवती; विश्व प्रवासी पक्षी दिवस; सरोजनी नायडू पुण्य तिथि	**16** वैशाख शुक्ल 4, आर्द्रा; विश्व मातृ दिवस; राष्ट्रीय डेंगू दिवस	**23** वैशाख शुक्ल 11, 12, हस्त; गौण, वैष्णव मोहिनी एकादशी; विश्व कछुआ दिवस	**30** ज्येष्ठ कृष्ण 5, उ.आ.; हिन्दी पत्रकारिता दिवस; विश्व पत्रकारिता दिवस

ARIHAAN DENTAL CARE
Comprehensive Oral Health
Dr. Kurmi Shantanu Patanwar
BDS
(Govt Dental College)
Savita Devi Complex, Beside SBI, VIP Estate Khamhardih, Raipur (C.G.)
Ph. 07714011454, Mob. 8085918172 e-mail : shan4u26@gmail.com

तथागत बुद्ध पूर्णिमा की हार्दिक शुभकामनाएँ....

कूर्मि प्रदीप कौशिक
प्रदेश उपाध्यक्ष
छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
प्रदेश संगठन सचिव
प्रदेश कूर्मि समाज, छत्तीसगढ़
पूर्व सदस्य
छ.ग.राज्य बाल संरक्षण आयोग, छ.ग. शासन
जिलाध्यक्ष
चन्द्रनाहू कूर्मि-क्षत्रिय समाज, बिलासपुर
मो. 9893751308

कूर्मि श्रीमती नूरीता कौशिक
पूर्व अध्यक्ष
जनपद पंचायत तखतपुर
प्रदेश संगठन सचिव
महिला प्रकोष्ठ
छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
प्रदेशाध्यक्ष (महिला प्रकोष्ठ)
छ. ग. पिछड़ा वर्ग महासभा
मो. : 930146976

Kurmi MANHARAN LAL SINGROUL
DIRECTOR
MO. 9993825772,8770025772
DIGITAL COMPUTER SERVICES
Computer, CCTV Camera Sale & Service
Mo. : 9993825772, 8770025772
Beside Sky Zeem, Agrasen Chouk
Bilaspur (C.G)

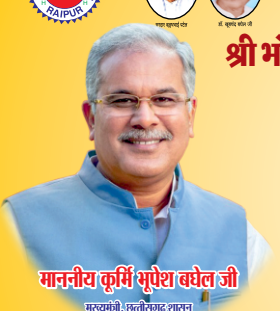

श्री भोला कूर्मि-क्षत्रिय छात्रालय एवं धर्मशाला ट्रस्ट
KBT RAIPUR
माननीय कूर्मि भूपेश बघेल जी, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
कूर्मि इंजी. मनोज वर्मा, अध्यक्ष ट्रस्ट, कार्यपालन अभियंता, सिटी सेन्टर, सी.एस.पी.डी.सी.एल. रायपुर (छ.ग.), मो. 9893566908 8719855505
कूर्मि डॉ. वासु वर्मा, सचिव ट्रस्ट, प्रोफेसर-शास. दू.ब.महिला स्नात. महा., रायपुर, मो. 9424107672
दानवीर दाऊ कूर्मि भोला प्रसाद वर्मा, मिरौद

अंकुर बच्चों का अस्पताल
कूर्मि डॉ. मनोज कुमार चन्द्रा, एम.बी.बी.एस., एम.डी., नवजात शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ, रजि. नं. CGMC 753 / 2007
कूर्मि डॉ. रीतिका चन्द्रा, एम.बी.बी.एस.
लता प्रोविजन स्टोर्स के बाजू, टी.वी. टावर रोड, रायगढ़ (छ.ग.) मो. 7489041135

आशीर्वाद लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

मई - 2021

आरक्षण की अवधारणाएं एवं व्याप्त भ्रांतियों पर शंका - समाधान

आरक्षण क्या है? (What is the Reservation):-

'आरक्षण' शब्द अंग्रेजी के शब्द (Reservation) का हिन्दी रूपान्तर है तथा यह संस्कृत की सूक्ति 'आ समन्तात् रक्षित: इति आरक्षित:' इस विग्रह से आरक्षण का अर्थ है-चारों ओर से रक्षा प्रदान करना अर्थात् पालना । चूंकि हमारे देश में कुछ जातियों को उनकी जाति और कर्म के आधार पर समाज में वह सम्मान और पहचान नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। अत: इस वर्ग को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए हमारे संविधान निर्माताओं ने आरक्षण देने की बात कहीं और इसी के संदर्भ में आरक्षण नीति लागू की गई। अत: आरक्षण की मूल भावना प्रतिनिधित्व से है। आरक्षण द्वारा ऐसे समाज को प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया जाता है; जो समाज के मुख्य धारा से वंचित हैं।

हमारी प्रकृति में सभी की हिस्सेदारी बराबर होनी चाहिए, किन्तु बाहुबलियों द्वारा हजारों वर्षो से शेष लोगों की हिस्सेदारी में षड़यंत्रपूर्वक अतिक्रमण करते हुए एकाधिकार जमा लिए है। अब इस अतिक्रमण को एक साथ कोई भी छोड़ने के लिए तैयार नहीं होगा। अत: इसे शनै:-शनै: संबंधितों को हिस्सेदारी देने की प्रक्रिया ही आरक्षण की मूल भावना में से एक है। उदाहरणर्थ प्रत्येक माता-पिता के सभी संतानों को संपत्ति पर बराबर हिस्सेदारी तथा उनके खान-पान, ईलाज आदि की समुचित भागीदारी अपेक्षित होता है। यदि कोई भी संतान के द्वारा ज्यादा हिस्सेदारी लिया जाता है; तो वह ही असंतोष का कारण होता है। इसी प्रकार आरक्षण को दूषित व राजनैतिक बताकर चालाक लोगों द्वारा हमेशा कब्जा बनाए रखने के लिए विभिन्न भ्रांतियाँ फैलाकर संसाधनों में कुण्डली मारकर पूर्व की भाँति मलाई खाते रहने की परंपरा स्थापित किया जा रहा है। इसलिए आरक्षण के बारे में व्याप्त भ्रांतियों को दूर किया जाना अत्यंत आवश्यक है; ताकि लोगों में जागृति हो और अपने हिस्सेदारी के लिए उचित पहल कर सकें।

देश में आरक्षण व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता (Need to implement reservation system in the Country):-

समाज में व्याप्त हजारों वर्ष से असमानता एवं छूआछूत व अन्य प्राकृतिक असमानता को समता मूलक समाज में बदलने तथा सब को समान अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से भारत के संविधान के अनुच्छेद 330, 332, 334 अंतर्गत प्रतिनिधित्व की व्यवस्था अंतर्गत विशेष संरक्षण दिया गया; जिसे बोलचाल में आरक्षण के नाम से जाना जाता है।

हमारा संविधान प्राकृतिक न्याय व्यवस्था के सिद्धांत पर आधारित है अर्थात् आवश्यकता और परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुसूचित-जाति, जन-जाति और अन्य पिछड़े वर्ग को आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रदान करता है। समतामूलक समाज की स्थापना की भावना को ध्यान में रखकर आरक्षण लागू किया गया है, जिसके गलत व्याख्या से लोगों के मन में दूषित भावना पैदा कर अवसर छिनने का खेल आम जीवन में देखने को मिलता है।

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में सरकारी सेवाओं और संस्थानों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं रखने वाले पिछड़े समुदायों तथा अनुसूचित जातियों और जनजातियों के **सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन** को दूर करने के लिए भारत सरकार ने सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्रों की इकाइयों और धार्मिक/भाषाई अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों को छोड़कर सभी सार्वजनिक तथा निजी शैक्षिक संस्थानों में पदों तथा सीटों के प्रतिशत को आरक्षित करने के लिए कोटा प्रणाली लागू की है।

भारत में आरक्षण एवं इसके विभिन्न चरण (Reservation in India and it's various stages):-

* भारत में आरक्षण की शुरूआत 1882 में हंटर आयोग के गठन के साथ हुई थी। उस समय विख्यात समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव फुले ने सभी के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा तथा अंग्रेज सरकार की नौकरियों में आनुपातिक आरक्षण/प्रतिनिधित्व की मांग की थी।
* सन् 1891 के आरंभ में त्रावणकोर के सामंती रियासत में सार्वजनिक सेवा में योग्य मूल निवासियों की अनदेखी करके विदेशियों को भर्ती करने के खिलाफ प्रदर्शन के साथ सरकारी नौकरियों में आरक्षण के लिए मांग की गयी थी।
* आजादी के पहले प्रेसिडेंसी रीजन और रियासतों के एक बड़े हिस्से में पिछड़े वर्गों (Backword Class) के लिए आरक्षण की शुरुआत हुई थी। महाराष्ट्र में कोल्हापुर के महाराजा छत्रपति शाहूजी महाराज ने 1902 में पिछड़े वर्ग से गरीबी दूर करने और राज्य प्रशासन में उन्हें उनकी हिस्सेदारी (नौकरी) देने के लिए आरक्षण शुरू किया था। **यह भारत में वंचित वर्गों के कल्याण के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने वाला पहला सरकारी आदेश है।** तत्पश्चात् सन् 1908 में अंग्रेजों के द्वारा प्रशासन में हिस्सेदारी के लिए आरक्षण शुरू हुआ और 1909 और 1919 में भारत सरकार अधिनियम में आरक्षण का प्रावधान किया गया। इसके बाद 1921 में मद्रास प्रेसिडेंसी ने सरकारी आदेश जारी किया, जिसमें गैर-ब्राह्मण के लिए 44 फीसदी , ब्राह्मण, मुसलमान, भारतीय-एंग्लो/ईसाई के लिए 16-16 फीसदी और अनुसूचित जातियों के लिए 8 फीसदी आरक्षण दिया गया।
* वर्ष 1932 में एक सम्मेलन हुआ था; जिसका नाम 'गोलमेज सम्मेलन' था। इसमें इस बात की सहमति बनी थी कि आरक्षण होना चाहिए तो किस आधार पर। इस सम्मेलन में यह तय किया गया था कि समाज के वे लोग जो सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए हैं; उनकी एक सूची तैयार की जाये और इसी सूची के आधार पर इनके लिए कुछ प्रावधान रखा जाये, ताकि इनको समाज के मुख्य धारा में लाया जा सके। इसी प्रावधान के बाद इसे संविधान में आरक्षण रखा गया था। बाद में इस सूची का नाम अनुसूचित-जाति/जन-जाति रखा गया। कुछ समय बाद इस सूची में एक और नया सूची जोड़ा गया था जिसका नाम अन्य पिछड़ा वर्ग दिया गया।
* सन् 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रस्ताव पास किया,जो 'पूना समझौता' कहलाता है; जिसमें दलित वर्ग के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की मांग की गई थी। इसके बाद 1935 के भारत सरकार अधिनियम में आरक्षण का प्रावधान किया गया था।
* सन् 1942 में डॉ. बी. आर. अम्बेडकर ने अनुसूचित जातियों की उन्नति के समर्थन के लिए अखिल भारतीय दलित वर्ग महासंघ की स्थापना करते हुए सरकारी सेवाओं और शिक्षा के क्षेत्र में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण की मांग किए।
* सन् 1946 के कैबिनेट मिशन प्रस्ताव में अन्य कई सिफारिशों के साथ आनुपातिक प्रतिनिधित्व का प्रस्ताव दिया गया था। तत्पश्चात् 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और भारतीय संविधान में सभी नागरिकों के लिए समान अवसर प्रदान करते हुए **सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों** (अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अपिव) की उन्नति के लिए संविधान में विशेष धाराएं रखी गयी। इसके अलावा 10 वर्षों के लिए उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करने के लिए अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए अलग से निर्वाचन क्षेत्र आबंटित किए गए थे । (समुचित प्रतिनिधित्व के अभाव व क्रियान्वयन में खामियों के कारण इसे हर दस वर्ष के बाद समीक्षा पश्चात संवैधानिक संशोधन के जरिए इन्हें बढ़ा दिया जाता है)
* सन् 1953 में सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्ग की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए कालेलकर आयोग का गठन किया गया था। इस आयोग के द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट; जिसमें अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों से संबंधित रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया, लेकिन अन्य पिछड़ी जाति (अपिव) के लिए की गयी सिफारिशों को अस्वीकार कर दिया गया।
* सन 1979 में पुन: सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए मंडल आयोग की स्थापना की गई थी। इस आयोग के पास अन्य पिछड़े वर्ग (अपिव) के बारे में कोई सटीक आंकड़ा उपलब्ध नहीं था और इस आयोग ने ओबीसी के 52 प्रतिशत आबादी का मूल्यांकन करने के लिए वर्ष 1930 की जनगणना के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए पिछड़े वर्ग के रूप में 1,257 समुदायों का वर्गीकरण किया था ।
* सन 1980 में मंडल आयोग ने एक रिपोर्ट पेश की और तत्कालीन कोटा में बदलाव करते हुए इसे 22 प्रतिशत से बढ़ाकर 49.5 प्रतिशत करने की सिफारिश किए और कुल 2006 पिछड़ी जातियों की सूची में जातियों की संख्या 2297 तक पहुंच गयी, जो पूर्व में तैयार समुदाय सूची से 60 प्रतिशत की वृद्धि थी। तत्पश्चात सन् 1990 में मंडल आयोग की सिफारिशों को विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार द्वारा सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू किए गए।

आरक्षण की वर्तमान स्थिति (Current status of Reservation):-

आरक्षण के प्रारंभ में अनुसूचित जाति को उनके जनसंख्या के अनुपात में 15 प्रतिशत एवं अनुसूचित जनजाति हेतु 7.5 प्रतिशत का प्रावधान रखा गया। तत्पचात् 1990 में मंडल कमीशन के अनुशंसा पर शेष 27 प्रतिशत आरक्षण अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए दिया गया तथा जनवरी 2019 को सामान्य गरीबों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया। इस प्रकार वर्तमान समय में देश में रिकार्ड अनुसार कुल 59.5 प्रतिशत आरक्षण लागू है; किन्तु क्रियान्वयन में खामी के कारण 62 प्रतिशत जनसंख्या वाले अन्य पिछड़े वर्गोंको विगत 30 वर्षो में केवल 7-9 प्रतिशत ही प्रतिनिधित्व मिल पाया है। जबकि 15.44 प्रतिशत जनसंख्या वाले समुदाय 69 प्रतिशत क्षेत्रों में कब्जा जमाये हुए हैं।

आरक्षण से जुड़े कुछ अहम संवैधानिक तथ्य (Important constitutional facts related to the Reservation):-

भारतीय संविधान में आरक्षण की व्याख्या आरक्षित और अनारक्षित शब्द के उल्लेख से मिलता है। सामान्य श्रेणी बोलना गैर संवैधानिक है; जिसे शेष 50 प्रतिशत में भ्रम फैलाकर अधिकार जमाने की दूषित परंपरा है। भारतीय संविधन की धारा 15(4) और 16(4) के तहत अगर साबित हो जाता है कि किसी समाज या वर्ग का शैक्षणिक संस्थाओं और सरकारी सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है; तो आरक्षण दिया जा सकता है। समुचित प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु संविधान की धारा 15(4), 16(4) तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330, 332 एवं 334 के तहत कुछ जाति विशेष को सामाजिक और शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों (अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति और अपिव) की उन्नति के लिए आरक्षण दिया गया है।

आरक्षण पर 10 वर्षों का भ्रमजाल (10 years of confusion on Reservation): -

जो बार-बार कहते हैं कि आरक्षण 10 साल के लिए था, संविधान में 10 साल के आरक्षण की व्यवस्था है। आपको मुफ्त की खाने की आदत है इत्यादि। उसे प्राय: अनारक्षित समुदाय बुद्धिजीवी एवं मीडिया कर्मी फैलाते रहते हैं कि आरक्षण केवल दस वर्षों के लिए है, जब उनसे पूछा जाता है कि आखिर कौन सा आरक्षण दस वर्ष के लिए है ; तो वे निरुत्तर हो जाते हैं। इस संदर्भ में केवल इतना जानना चाहिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लिए राजनैतिक आरक्षण, जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330 और 332 में निहित है, उसकी आयु और उसकी समय-सीमा दस वर्ष निर्धारित की गयी थी। नौकरियों में आरक्षण की कोई समय-सीमा सुनिश्चित नहीं की गयी थी। आरक्षण से जाति नहीं आयी, बल्कि जाति से आरक्षण आया है। आइए समझते हैं कि संविधान में आरक्षण/प्रतिनिधित्व की व्याख्या क्या है? संविधान में आरक्षण/प्रतिनिधित्व की चार स्वरूपों में उल्लेख है; जो निम्न है:-

* राजनैतिक प्रतिनिधित्व/आरक्षण (पोलिटिकल रिजर्वेशन)
* सेवाओं में प्रतिनिधित्व/आरक्षण (सर्विसेज रिजर्वेशन)
* शिक्षा में प्रतिनिधित्व/आरक्षण (प्रोफेशनल एज्युकेशन रिजर्वेशन)
* पदोन्नति/बढ़ोत्तरी में प्रतिनिधित्व/आरक्षण (रिजर्वेशन इन प्रमोशन)

अनुच्छेद-334 में पोलिटिकल रिजर्वेशन की 10 वर्ष की लिमिटेशन है। सिर्फ पोलिटिकल रिजर्वेशन में ही हर दस साल बाद समीक्षा होनी चाहिए, का प्रावधान रखा गया था; जिसे समुचित प्रतिनिधित्व के अभाव व क्रियान्वयन में खामियों के कारण इसे हर दस साल के बाद समीक्षा पश्चात संवैधानिक संशोधन के जरिए, इसे बढ़ा दिया जाता है। आरक्षण के अन्य तीन स्वरूपों अर्थात् प्रोफेशनल एज्युकेशन रिजर्वेशन, सर्विसेज रिजर्वेशन तथा प्रमोशन इन रिजर्वेशन, यह तीनों संविधान में धारा 15(4),16(4) के तहत मूल अधिकार में निहित है; जिनकी कोई लिमीटेशन अर्थात समय-सीमा तय नहीं है। संविधान में आरक्षण का तात्पर्य सिर्फ प्रतिनिधित्व (Representation) से है।

आरक्षण का आधार गरीबी होना चाहिए है ? (Should poverty be the basis of Reservation?)

आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं है। गरीबों की आर्थिक संरचना दूर करने हेतु सरकार अनेक कार्यक्रम चला रही है और अगर चाहे तो सरकार इन निर्धनों के लिए और भी कई कार्यक्रम चला सकती है; परन्तु आरक्षण हजारों साल से सत्ता एवं संसाधनों से वंचित किये गए समाज को स्वप्रतिनिधित्व देने की प्रक्रिया है। प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु संविधान की धारा 15(4), 16(4) तथा भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330, 332 एवं 334 के तहत कुछ जातियों विशेष को दिया गया है।

क्या आरक्षण के माध्यम से सवर्ण समाज की वर्तमान पीढ़ी को दंड दिया जा रहा है ? (Is the present generation of unreserved/ upper caste society being punished through Reservation?)

आज की अनारक्षित पीढ़ी अक्सर यह प्रश्न पूछती है कि हमारे पुरखों के अन्याय, अत्याचार, क्रूरता, छलकपट आदि की सजा आप वर्तमान पीढ़ी को क्यों दे रहे हैं? इस संदर्भ में आज की सवर्ण समाज की युवा पीढ़ी अपनी ऐतिहासिक धार्मिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक पूँजी का किसी न किसी के रूप में लाभ उठा रही है। वे अपने पूर्वजों के स्थापित किये गए वर्चस्व एवं ऐश्वर्य का अपनी जाति के उपनाम, अपने कुलीन उच्चवर्णीय सामाजिक तंत्र, अपने सामाजिक मूल्यों, एवं मापदंडों, अपने तीज-त्योहारों, नायकों, एवं नायिकाओं, अपनी परम्पराओं एवं भाषा और पूरी की पूरी ऐतिहासिकता का उपभोग कर रहे हैं। अत: आरक्षण केवल अवसर से वंचित समुदाय को मुख्यधारा में सहभागिता हेतु लाया गया है, न कि किसी को दण्ड देने के लिए । यह तो केवल देखने का नजरिया मात्र ही है । जरा चिन्तन करें.....

मंदिरों में पुजारी रखा जाता है	- जाति देखकर	कमरा किराये पर दिया जाता है	- जाति देखकर
शादी- ब्याह कराये जाते हैं	- जाति देखकर	वोट दिया जाता है	- जाति देखकर
मृत पशु उठवाये जाते हैं	- जाति देखकर	गाली दी जाती है	- जाति देखकर
साथ खाना खाते हैं	- जाति देखकर	बेगारी कराई जाती है	- जाति देखकर
धिक्कारा जाता है	- जाति देखकर	बाल काटे जाते हैं	- जाति देखकर

कूर्मि छत्रपति शाहू जी महाराज
जन्म : 26 जून 1874, निर्वाण : 6 मई 1922

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 7

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

आषाढ़ प्रारंभ ता. 25 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

जून - 2021

विचारों को पढ़कर बदलाव नहीं आता है; बल्कि विचारों पर चलकर ही बदलाव आता है। - तथागत बुद्ध

ग्रीष्म ऋतु ता 21 से वर्षा ऋतु

जन्मदिवस

1 जून **कूर्मि मनसुख माडविया**
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

26 जून **कूर्मि धर्मेन्द्र प्रधान**
केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार

गृह प्रवेश

4 जून 5.21 सुबह से 5 जून 5.21 सुबह तक
5 जून 5.21 सुबह से 11.28 रात्रि तक
19 जून 8.29 रात्रि से 20 जून 5.22 सुबह तक
26 जून 5.24 सुबह से 27 जून 2.36 रात्रि तक

पंचक

1 जून, मंगलवार 3.59 रात्रि से
5 जून, शनिवार 11.28 रात्रि तक
28 जून, सोमवार, 1.00 दोप. से
3 जुलाई शनिवार 6.14 सुबह तक

मूल

4 जून, शुक्रवार 8.47 रात्रि से 7 जून, सोमवार 2.28 रात्रि तक
14 जून, सोमवार 8.37 रात्रि से 16 जून, बुधवार 10.15 रात्रि तक
23 जून, बुधवार 11.48 सुबह से 25 जून, शुक्रवार 6.40 सुबह तक

विवाह मुहूर्त 3, 4, 5,11, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

सोम MONDAY	**ऐच्छिक अवकाश** 19 महेश नवमीं (ज्येष्ठ शुक्ल) **शासकीय अवकाश** 24 कबीर जयंती	ज्येष्ठ कृष्ण 12 **7** प्रदोष व्रत; विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस; भरणी	ज्येष्ठ शुक्ल 4 **14** विश्व रक्तदान दिवस; विश्व पवन दिवस; पुष्य	ज्येष्ठ शुक्ल 11 **21** निर्जला भीमसेनी एकादशी; विश्व योग/संगीत दिवस; स्वाती गायत्री जयन्ती	आषाढ़ कृष्ण 4 **28** घनिष्ठा
मंगल TUESDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 7 **1** बाल सुरक्षा दिवस, दुग्ध दिवस; विश्व अभिभावक दिवस; नीलम संजीव रेड्डी जयंती; धनिष्ठा	ज्येष्ठ कृष्ण 13 **8** विश्व ब्रेनट्यूमर दिवस; विश्व महासागरीय दिवस; भरणी	ज्येष्ठ शुक्ल 5 **15** प्रकृति फोटोग्राफी दिवस; विश्व बुजुर्ग दुरुपयोग जागरूकता दिवस; मिथुन संक्रांति; अश्लेषा	ज्येष्ठ शुक्ल 12 **22** प्रदोष व्रत; विश्व वर्षावन दिवस; विशाखा	आषाढ़ कृष्ण 5 **29** राष्ट्रीय कैमरा दिवस; शतभिषा
बुध WEDNESDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 8 **2** तेलंगाना स्थापना दिवस; शतभिषा	ज्येष्ठ कृष्ण 14 **9** बिरसामुंडा शहीद दिवस; कृत्तिका	ज्येष्ठ शुक्ल 6 **16** विश्व पितृ दिवस; मघा	ज्येष्ठ शुक्ल 13, 14 **23** विश्व विधवा दिवस; विश्व ओलंपिक दिवस; अनुराधा	आषाढ़ कृष्ण 6 **30** छोटा तारा दिवस; सोशल मिडिया दिवस; पू.भा.
गुरु THURSDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 9 **3** विश्व सायकल दिवस; पू.भा.	ज्येष्ठ कृष्ण 15 **10** ज्येष्ठ अमावस्या; शनि जयन्ती, वट सावित्री; विश्व भू-गर्भ जल दिवस; सूर्य ग्रहण रोहिणी	ज्येष्ठ शुक्ल 7 **17** पू.फा.	ज्येष्ठ शुक्ल 15 **24** ज्येष्ठ पूर्णिमा; वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस; कबीर जयंती ज्येष्ठा	**सादर अभिवादन...**
शुक्र FRIDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 10 **4** उ.भा.	ज्येष्ठ शुक्ल 1 **11** इष्टि; मृगशिरा	ज्येष्ठ शुक्ल 8 **18** महारानी लक्ष्मीबाई बलिदान दिवस; अन्तर्राष्ट्रीय पिकनिक डे; उ.फा.	आषाढ़ कृष्ण 1 **25** इष्टि; मूल	कूर्मि व्यासनारायण कश्यप, पूर्व प्रदेश कार्य. सदस्य, छ.ग.कू.क्ष.चे.मंच, मो. 9425220316
शनि SATURDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 11 **5** विश्व पर्यावरण दिवस; रेवती	ज्येष्ठ शुक्ल 2 **12** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; विश्व बाल श्रम निषेध दिवस; आर्द्रा	ज्येष्ठ शुक्ल 9 **19** विश्व सिकलसेल दिवस; कार्यालयीन अवकाश; महेश नवमीं (ज्येष्ठ शुक्ल); विश्व सौहार्द दिवस; हस्त	आषाढ़ कृष्ण 2 **26** विश्व क्षमा दिवस; बैंक अवकाश; छत्रपति शाहूजी महाराज जयंती; उ.आ.; अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस	
रवि SUNDAY	ज्येष्ठ कृष्ण 11 **6** अपरा एकादशी; अश्विनी	ज्येष्ठ शुक्ल 3 **13** वीरांगना दुर्गावती जयंती; छत्रसाल जयंती/महाराणा प्रताप जयंती; गंगा दशहरा पुनर्वसु	ज्येष्ठ शुक्ल 10 **20** विश्व शरणार्थी दिवस; गंगा दशहरा; विश्व जल विज्ञान दिवस; चित्रा	आषाढ़ कृष्ण 3 **27** कृष्णपिङ्गल संकष्टी चतुर्थी; मधुमेह जागृति दिवस; राष्ट्रीय सन्‌लास दिवस श्रवण	कूर्मि सूरजव्यास कश्यप, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष, जिला-जांजगीर-चाँपा, जांजगीर, छत्तीसगढ़

गंगा अवतरण की पावन बेला में तृतीय वर्षगाठ की मंगल कामनाएँ

कूर्मि प्रतिभा (पीतृमाँ) कश्यप

शुभेच्छु : माँ - हेमप्रभा-दुर्गाप्रसाद कश्यप (अधिवक्ता)
बुआ - जगेश्वरी-लालमणी कश्यप (रतनपुर)
बुआ - राजेश्वरी-ज्वाला प्रसाद कश्यप (कटघोरा)
मौसी - साधना-आलोक चन्द्राकर (भिलाई)

निवासी : ग्राम-नेवसा (बेलतरा) बिलासपुर, मो. : 9893167619

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर नमन...

कूर्मि श्रीमती सरिता कश्यप
समाज सेवी

कूर्मि सुरेश कुमार कश्यप
उपसंचालक, योजना एवं सांख्यिकी विभाग

कूर्मि कु. अंचिता कश्यप, कूर्मि कु. अनन्या कश्यप, बिलासपुर (छ.ग.)

छत्रपति शहूजी महाराज जयंती के पावन अवसर पर समस्त स्वजातिय बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ...

कूर्मि भानुप्रताप कश्यप
प्रचार सचिव
छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच,
रतनपुर परिक्षेत्र

स्व. विष्णुप्रसाद कश्यप
(से.नि. प्रधान पाठक)
निर्वाण :
11-01-2015

कूर्मि ज्योति भानुप्रताप कश्यप
जनपद सदस्य क्रमांक-12
सभापति-कृषि स्थाई समिति
जनपद पंचायत कोटा, जिला-बिलासपुर

ग्राम व पोस्ट-पोड़ी, व्हाया रतनपुर, वि.ख. कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 9977225454

Mahindra Rise.

पिछले 42 वर्षों से क्षेत्र के किसानों की सेवा में तत्पर

YUVO 575 DI

MAHINDRA 415
खेती का बॉस

कूर्मि प्रमोद नायक
(संचालक)

अधिकृत विक्रेता :-

सेन्ट्रल इंडिया मोटर्स

तिफरा ओवर ब्रिज के पास, महाराणा प्रताप चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-247707, मो. 9179623341, 9926620000

माननीय कूर्मि भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री, छ.ग. शासन

माननीया श्रीमती कूर्मि छाया वर्मा
सांसद-राज्यसभा

कूर्मि श्रीमती सुनीता कौशिक
समाज सेविका

कूर्मि सत्येन्द्र कौशिक
9039046222, 9424146222
राष्ट्रीय अध्यक्ष,मानवाधिकार एवं भ्रष्टाचार उन्मूलन संगठन
सांसद प्रतिनिधि, जिला-बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
माननीया श्रीमती कूर्मि छाया वर्मा, सांसद-राज्यसभा

पता-क्वाटर क्र.-8, गीतांजली सिटी, फेस-2, बहतराई रोड, सरकंडा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) -495006
9826528775 skaushik3075@gmail.com satyendrakaushikiv.56 @skaushik3075

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बाजू, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जून - 2021

अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण संबंधी भ्रांतियों पर शंका - समाधान

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में क्रीमिलेयर संबंधी स्पष्टीकरण (Explanation regarding creamy layer in OBC)

भारत सरकार कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय का ज्ञापन क्रमांक 36012/22/93 (स्थापना) की अनुसूची ; जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग में से संपन्न वर्ग (क्रीमिलेयर) का निर्धारण संबंधी मापदंड निहित की गई थी। ज्ञापन अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु क्रीमिलेयर का प्रावधान अनुसार ऐसे पुत्र तथा पुत्री; जिनके माता-पिता निर्धारित मापदंड के अंतर्गत आते हैं, उसे संपन्न वर्ग (क्रीमिलेयर) मानते हुए प्रावधानित अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। उक्त निर्धारित मापदंड निम्नानुसार है:-

1. सवैधानिक पद:-

(क)-भारत के राष्ट्रपति (ख)-भारत के उपराष्ट्रपति (ग)-उच्चतम तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, (घ)- संघ लोकसेवा/राज्य सेवा आयोगों के अध्यक्ष तथा सदस्य, मुख्य निर्वाचन आयुक्त, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक, (ङ)- समान स्वरूप के संवैधानिक पदों को धारण करने वाले व्यक्ति।

2. सेवा प्रवर्ग (सर्विस केटेगरी):-

क) अखिल भारतीय केन्द्रीय तथा राज्य सेवाओं के समूह-ए/वर्ग-1 अधिकारी (सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त):-

1. जिनके माता-पिता दोनों ही वर्ग-1 अधिकारी हैं।
2. जिनके माता-पिता दोनों में से कोई एक वर्ग-एक अधिकारी हैं।
3. जिनके माता-पिता दोनों में से कोई एक वर्ग-1 अधिकारी अथवा संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि की नियुक्ति की सुविधा ली हो।

ख) केन्द्रीय तथा राज्य सेवा के समूह बी/ वर्ग-दो के अधिकारी (सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त):-

1. जिनके माता-पिता दोनों ही वर्ग-2 अधिकारी है।
2. जिनके माता-पिता में से केवल पति वर्ग-2 का अधिकारी है और वह 40 वर्ष की आयु अथवा इससे पूर्व आयु में वर्ग-1 अधिकारी बनता है।
3. जिनके माता-पिता दोनों ही वर्ग-दो के अधिकारी अथवा संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि की नियुक्ति की सुविधा ली हो।

ग) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों इत्यादि के कर्मचारी:-

इस प्रवर्ग में उपर्युक्त 'क' तथा 'ख' में बताया गया मापदण्ड सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, बैंको, बीमा संगठनों, विश्वविद्यालयों इत्यादि में समकक्ष अथवा समतुल्य पद धारण करने वाले अधिकारियों पर लागू होगा। साथ ही गैर सरकारी (निजी/प्रायवेट) समकक्ष या समतुल्य पदों एवं स्थानों पर कार्यरत अधिकारियों पर यथोचित परिवर्तन सहित लागू होगा। इन संस्थानों में समकक्ष या तुल्य आधार पर पदों का मूल्यांकन लंबित है तो निम्न प्रवर्ग -4 में अंकित मापदण्ड इन संस्थानों के अधिकारियों पर लागू होंगे।

3. सशस्त्र सेनाएं जिसमें अर्द्ध सैनिक बल शामिल है (सिविल पदों पर कार्यरत व्यक्ति इसमें शामिल नहीं है)-

उन माता-पिता के पुत्र तथा पुत्री (पुत्रियाँ) जिनमें से कोई एक अथवा दोनों सेना में कर्नल अथवा इससे ऊपर के स्तर पर तथा जल सेना और वायु सेना एवं अर्द्ध सैनिक बलों में समकक्ष पदों पर कार्यरत हैं परंतु-

1. यदि सशस्त्र सेना के किसी अधिकारी की पत्नि स्वयं सशस्त्र सेना (अर्थात् विचारार्थ प्रवर्ग) में है तो अपवर्जन नियम केवल तब लागू होगा, जब वह स्वयं कर्नल के स्तर तक पहुँच जाएगी।
2. पति तथा पत्नी के कर्नल के नीचे के स्तर को इकट्ठा नहीं किया जावेगा।
3. यहॉ तक कि सशस्त्र सेना के किसी अधिकारी की पत्नी के सिविल नियुक्ति में होने पर भी अपवर्जन नियम को लागू करने के आशय से इसे मद्देनजर नहीं रखा जाएगा, जब तक कि वह पद संख्या-2 के तहत सेवा के प्रवर्ग में न आ जाए। ऐसे मामले में मापदण्ड तथा उनमें वर्णित शर्तें उस पर स्वतंत्र रूप से लागू होगी।

विशेष टीप:- प्रवर्ग 2 के (क) एवं (ख) तथा प्रवर्ग-3 के अतिरिक्ति, किसी भी केन्द्रीय, प्रादेशिक एवं सशस्त्र सेना; जिसमें अर्द्ध सैनिक बल शमिल है, के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर क्रीमिलेयर के अपवर्जन का नियम लागू नहीं होगा।

4. व्यवसायिक : व्यवसायिक वर्ग तथा वे जो व्यापार उद्योग में लगे हुए हों, -प्रवर्ग 6 के समकक्ष विनिर्दिष्ट मापदण्ड लागू होगा।

1. चिकित्सक, वकील, चार्टर्ड अकाउण्टेंट, आयकर परामर्शदाता, वित्तीय या प्रबंध सलाहकार, दंत चिकित्सक, अभियंता, वास्तुकार, कम्प्यूटर विशेषज्ञ, फिल्म कलाकार तथा अन्य व्यक्ति जिनका व्यवसाय फिल्मों से जुड़ा है, लेखक, नाटककार, पेशेवर खिलाड़ी, खेल व्यवसायी, जनसंचार व्यवसायी अथवा समान स्तर के अन्य व्यवसाय में लगे व्यक्ति।
2. व्यापार, कारोबार तथा उद्योग में लगे व्यक्ति- प्रवर्ग-6 के समकक्ष विनिर्दिष्ट मापदण्ड लागू होगा।

स्पष्टीकरण -

क) चाहे पति किसी व्यवसाय में हो तथा पत्नी वर्ग-2 अथवा निम्न ग्रेड की नियुक्ति में हो, आय/ सम्पति का आंकलन केवल पति की आय के आधार पर किया जावेगा।

ख) यदि पत्नी किसी व्यवसाय में हो तथा पति वर्ग-2 अथवा निम्न ग्रेड की नियुक्ति में हो, आय/ सम्पति का आंकलन केवल पत्नी की आय के आधार पर किया जावेगा।

5. संपत्ति धारक- एक ही परिवार (माता-पिता अवयस्क बच्चे) के पुत्र तथा पुत्री (पुत्रियाँ) जो निम्नलिखित के स्वामी हैं:-

क) कृषि क्षेत्र- 1.सिंचित क्षेत्र प्रवर्ग-6 के समकक्ष विनिर्दिष्ट मापदण्ड लागू होंगे।

2. यदि परिवार के पास जोत क्षेत्र है, वह पूर्णत: असिचित क्षेत्र है, तो अपवर्जन का नियम लागू नहीं होगा।

ख) बागान- 1.काफी, चाय, रबर आदि- नीचे प्रवर्ग-6 के समकक्ष विनिर्दिष्ट मापदण्ड लागू होगा।

2. आम, खट्टे फल, सेव के बाग आदि- इस प्रवर्ग पर उपरोक्त ''क'' मापदण्ड लागू होगा।

स्पष्टीकरण:- भवन का उपयोग रहने, औद्योगिक या वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किया जा सकता है या इस तरह के दो या अधिक प्रयोजनों के लिए किया जा सकता है।

ग) शहरी तथा उप नगरीय क्षेत्रों में भवन और/या खाली भूमि- नीचे प्रवर्ग-6 के समकक्ष विनिर्दिष्ट मापदण्ड लागू होगा।

6. आय/ संपत्ति आंकलन-

क) उन व्यक्तियों के पुत्र एवं पुत्रियॉ, जिनकी लगातार तीन वर्षों तक की कुल वार्षिक आय (रू. 8.00 लाख) या उससे अधिक है अथवा धनकर अधिनियम में यथा निर्धारित छूट सीमा से अधिक की सम्पति रखते हैं।

ख) श्रेणी-1, 2, 3 और प्रवर्ग-5 क में आने वाले ऐसे व्यक्ति जो आरक्षण का लाभ पाने के हकदार हैं, परंतु जिनकी अन्य स्त्रोतों से आय अथवा सम्पति जो उन्हें उपर्युक्त (क) में उल्लेखित आय/ सम्पत्ति के मापदण्ड के भीतर आाएगी के पुत्र और पुत्रियाँ।

स्पष्टीकरण:- 1/ वेतन अथवा कृषि भूमि से प्राप्त आय को संयुक्त रूप से नहीं जोड़ा जाएगा। 2/- रूपए के मूल्य परिवर्तन के सापेक्ष आय के मापदण्ड में प्रति तीन वर्ष में एक बार संशोधन किया जाएगा। परिस्थितियों की माँग के अनुरूप अंतर अवधि कम भी हो सकती है।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आरक्षण में आय सीमा का निर्धारण संबंधी स्पष्टीकरण (Determination of income limit in OBC Reservation)

भारत सरकार कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय का ज्ञापन क्रमांक 36012/22/93 (STC) की अनुसूची जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग में से संपन्न वर्ग का निर्धारण संबंधी मापदंड निहित की गई थी। ज्ञापन अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग हेतु क्रीमिलेयर का प्रावधान करते हुए 1993 में इसकी सीमा एक लाख रुपये थी, इसे वर्ष 2004 में आय सीमा बढाकर 2.5 लाख रू., वर्ष 2008 में 4.5 लाख रुपए और वर्ष 2013 में छह लाख रुपए तथा वर्ष 2017 में आय सीमा को बढ़ाकर 8 लाख किया गया। भारत सरकार कार्मिक लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय का ज्ञापन क्रमांक 36033/05/2004- स्थापना(आरक्षण), नई दिल्ली, दिनॉक 14 अक्टूबर 2004 द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग में से संपन्न वर्ग का निर्धारण संबंधी मापदंड में व्याप्त भ्रांतियों पर स्पष्टीकरण दी गई थी। स्पष्टीकरण अनुसार निम्नानुसार को सम्पन्न वर्ग नहीं समझे जावेगे; जिसका प्रमख अंश निम्नानुसार है:-

1. जिनके माता-पिता में से एक या दोनों सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त श्रेणी-1/ समूह 'क' अधिकारी हो और यथा नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) की मृत्यु हो जाए अथवा वह (वे) स्थायी तौर पर अक्षमता का शिकार हो जाए।
2. जिनके माता-पिता दोनों सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त श्रेणी-2/ समूह 'ख' अधिकारी हो और उनमें से एक की मृत्यु हो जाए अथवा स्थायी शिकार हो जाए।
3. जिनके माता-पिता दोनों सीधी भर्ती द्वारा नियुक्त श्रेणी-2/ समूह 'ख' अधिकारी हो और दोनों की मृत्यु हो जाए अथवा अथवा स्थायी अक्षमता का शिकार हो जाए, चाहे उनमें से किसी ने ऐसी मृत्यु अथवा अक्षमता से पूर्व संयुक्त राष्ट्र, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक इत्यादि जैसे किसी अंतर्राष्ट्रीय संगठन में कम से कम 5 वर्ष की अवधि की नियोजन की सुविधा ली हो।

आय निर्धारण संबंधी स्पष्टीकरण (Income determination clarification)-

1. उम्मीदवार के सम्पन्न वर्ग का निर्धारण उसके माता-पिता के दर्जे के आधार पर किया जाता है न कि उसकी अपनी हैसियत अथवा आय अथवा पति/ पत्नी की हैसियत अथवा आय के आधार पर। अत: किसी व्यक्ति के सम्पन्न वर्ग का निर्धारण करते समय उम्मीदवार की स्वयं की हैसियत अथवा आय अथवा उसके पति/ पत्नी की हैसियत अथवा आय को ध्यान में नहीं रखा जाएगा।
2. किसी उम्मीदवार के सम्पन्न वर्ग के दर्जे का निर्धारण करने के लिए आय/ सम्पत्ति परीक्षण लागू करते समय वेतन से होने वाली आय तथा कृषि भूमि से हाने वाली आय को नहीं जोड़ा जाएगा। इसका तात्पर्य यह है कि यदि किसी उम्मीदवार के माता-पिता के वेतन से हाने वाली आय 8.00 लाख रूपए प्रति वर्ष से अधिक हो, कृषि भूमि से होने वाली आय 8.00 लाख रूपए प्रति वर्ष से अधिक हो किन्तु अन्य स्त्रोतों से हाने वाली आय 8.00 लाख रूपए प्रति वर्ष से कम हो तो आय/ सम्पत्ति परीक्षण के आधार पर उम्मीदवार को सम्पन्न वर्ग के अंतर्गत नहीं माना जाएगा बशर्ते कि उसके माता-पिता (दोनों) के पास लगातार तीन वर्षो की अवधि से सम्पत्ति कर अधिनियम में यथा निर्धारण छूट सीमा से अधिक धन न रहा हो।

क्या आरक्षण से अयोग्य व्यक्ति आगे आते हैं? (Do reservation disqualified persons come forward?)

क्या दो-दो अलग-अलग ईकाईयों की तुलना संभव है? उत्तर नहीं । क्या ऐसे दो विपरीत परिवेश वाले छात्रों के मध्य भाषा एवं व्यवहार की तुलना की जा सकती है? आईए समझें यह क्या है?

योग्यता कुछ और नहीं परीक्षा के प्राप्त अंक के प्रतिशत को कहते हैं। प्राप्तांक के साथ साक्षात्कार होता है, वहां प्राप्तांकों के साथ आपकी भाषा एवं व्यवहार को भी योग्यता का मापदंड मान लिया जाता है अर्थात् आरक्षित जाति या अनुसूचित जाति के छात्र ने किसी परीक्षा में 60 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और अनारक्षित जाति के किसी छात्र ने 62 प्रतिशत अंक प्राप्त किये तो क्या आरक्षित जाति का छात्र अयोग्य है और अनारक्षित जाति का छात्र योग्य है ? आप सभी जानते हैं कि परीक्षा में प्राप्त अंकों का प्रतिशत एवं भाषा ज्ञान एवं व्यवहार के आधार पर योग्यता की अवधारणा निर्धारित की गयी है, जो कि अत्यंत त्रुटि पूर्ण और अतार्किक है। यह स्थापित सत्य है कि किसी भी परीक्षा में अनेक आधारों पर अंक प्राप्त किये जा सकते हैं। परीक्षा के अंक विभिन्न कारणों से भिन्न हो सकते हैं। जैसे कि किसी छात्र के पास सरकारी स्कूल था और उसके शिक्षक वहां नहीं आते थे और आते भी थे तो सिर्फ एक शिक्षक अर्थात् सिर्फ एक शिक्षक पूरे विद्यालय के लिए जैसा कि प्राथमिक विद्यालयों का हाल है, उसके घर में कोई पढ़ा लिखा नहीं था, उसके पास किताब नहीं थी, उस छात्र के पास न ही इतने पैसे थे कि वह ट्यूशन लगा सके। स्कूल से आने के बाद गृह कार्य भी करना पड़ता था। उसके दोस्तों में भी कोई पढ़ा लिखा नहीं था। अगर वह मास्टर से प्रश्न पूछता तो उत्तर की बजाय उसे डांट मिलती आदि। ऐसे शैक्षणिक परिवेश में अगर उसके परीक्षा के नंबरों की तुलना कान्वेंट में पढ़ने वाले छात्रों से की जायेगी तो क्या यह तार्किक होगा? वही अनारक्षित समाज के बच्चे के पास शिक्षा की पीढ़ियों की विरासत है। पूरी की पूरी सांस्कृतिक पूँजी, अच्छा स्कूल, अच्छे मास्टर, अच्छी किताबें, पढ़े-लिखे, माँ-बाप, भाई-बहन, रिश्ते-नातेदार, पड़ोसी, दोस्त एवं वातावरण। स्कूल जाने के लिए कार या बस, स्कूल के बाद ट्यूशन या माँ-बाप का पढाने में सहयोग। क्या ऐसे दो विपरीत परिवेश वाले छात्रों के मध्य भाषा एवं व्यवहार की तुलना की जा सकती है? यह तो लाजमी है कि अनारक्षित समुदाय (सवर्ण) समाज के कान्वेंट में पढ़ने वाले बच्चों की परीक्षा में प्राप्तांक एवं भाषा के आधार पर योग्यता का निर्धारण अतार्किक एवं अवैज्ञानिक नहीं तो और क्या है? अत: उपरोक्त परिस्थितियों के विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकलता है कि आरक्षण, केवल वंचित को अवसर प्रदान कर मुख्यधारा में लाने की एक सकारात्मक कार्यवाही है। योग्यता, अवसर मिलने पर व्यक्ति स्वयं पल्लवित होता है।

क्या आरक्षण से जातिवाद को बढ़ावा मिलता है ? (Does Reservation promote casteism?)

भारतीय समाज एक श्रेणीबद्ध समाज है, जो छ: हजार जातियों में बंटा है और यह छ: हजार जातियाँ 3000 वर्षों से मौजूद है। इस श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था के कारण अनेक समूहों जैसे अनुसूचित जाति, आदिवासी एवं पिछड़े समाज को सत्ता एवं संसाधनों से दूर रखा गया और इसको धार्मिक व्यवस्था घोषित कर स्थायित्व प्रदान किया गया। इस हजारों वर्ष पुरानी श्रेणीबद्ध सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने के लिए एवं सभी समाजों को बराबर-बराबर का प्रतिनिधित्व प्रदान करने हेतु संविधान में कुछ जाति विशेष को संरक्षण दिया गया है। इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित करने की चेष्टा की गयी है कि वह अपने हक की लड़ाई, अपने समाज की भलाई एवं बनने वाली नीतियों को सुनिश्चित कर सकें। जातियाँ एवं जातिवाद भारतीय समाज में पहले से ही विद्यमान था। प्रतिनिधित्व (आरक्षण), इस व्यवस्था को तोड़ने के लिए लाया गया है न कि इसने जाति और जातिवाद को जन्म दिया है।

अत: यह बात प्रमाणित होती है कि आरक्षण जाति और जातिवाद को जन्म नहीं देता , बल्कि जाति और जातिवाद लोगों की मानसिकता में पहले से ही विद्यमान है। अत: समतामूलक समाज बनाने के उद्देश्य से आरक्षण लागू किया गया है।

■■■

कूर्मि डॉ. खूबचंद बघेल
जन्म : 19 जुलाई 1900, निर्वाण : 22 फरवरी 1969

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 7

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

श्रावण प्रारंभ ता. 25 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

जुलाई - 2021

एक संकल्पवान और दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति के लिए इस दुनिया का कोई भी कार्य असंभव नहीं है। - तथागत बुद्ध

वर्षा ऋतु

15 जुलाई
ई. कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई
कोर कमेटी सदस्य एवं संस्थापक सदस्य
छ.ग. कू.-क्ष.चेतना मंच

गृह प्रवेश
1 जुलाई 5.25 सुबह से 2.01 दोपहर तक

विवाह मुहूर्त
1, 2, 7, 12,13, 14, 15, 16, 26

पंचक
28 जुन, सोमवार 1.00 दोपहर से
3 जुलाई, शनिवार 6.14 सुबह तक
25 जुलाई, रविवार 10.48 से
30 जुलाई, शुक्रवार 2.03 दोप. तक

मूल
2 जुलाई, शुक्रवार 3.49 रात्रि से 4 जुलाई रविवार 9.06 सुबह तक
12 जुलाई, सोमवार 2.22 रात्रि से 14 जुलाई बुधवार 3.41 रात्रि तक
20 जुलाई मंगलवार 8.33 रात्रि से 22 जुलाई गुरु 4.25 सायं तक
29 जुलाई गुरुवार 12.03 दोप. से 31 जुलाई शनिवार 4.38 सायं तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

ऐच्छिक अवकाश
12 जगन्नाथ रथ यात्रा
19 डॉ. खूबचंद बघेल जयंती

याददाश्त

सोम MONDAY		**5** आषाढ़ कृष्ण 11 कामिका एकादशी भरणी	**12** आषाढ़ शुक्ल 2 जगन्नाथ रथ यात्रा विश्व पेपर बेग दिवस विश्व साग्गी दिवस, अश्लेषा	**19** आषाढ़ शुक्ल 10 डॉ. खूबचंद बघेल जन्मदिवस विशाखा	**26** श्रावण कृष्ण 3 जयापार्वती व्रत समाप्त राष्ट्रीय अभिभावक दिवस कारगिल विजय दिवस धनिष्ठा
मंगल TUESDAY		**6** आषाढ़ कृष्ण 12 विश्व पशुजन्य रोग दिवस डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती कृत्तिका	**13** आषाढ़ शुक्ल 3 मघा	**20** आषाढ़ शुक्ल 11 देवशयनी एकादशी बटुकेश्वर दत्त दिवस अनुराधा	**27** श्रावण कृष्ण 4 गजानन संकष्टी चतुर्थी अब्दुल कलाम पुण्यतिथि के. रिजर्व पुलिस बल स्था. दिवस शतभिषा
बुध WEDNESDAY		**7** आषाढ़ कृष्ण 13 प्रदोष व्रत रोहिणी	**14** आषाढ़ शुक्ल 4 पू.फा.	**21** आषाढ़ शुक्ल 12 प्रदोष व्रत, श्री वामन पूजन ईद-उल-जुहा (बकरीद) ज्येष्ठा	**28** श्रावण कृष्ण 5 विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस विश्व हेपेटाइटिस दिवस पू.भा.
गुरु THURSDAY	**1** आषाढ़ कृष्ण 7 डाक्टर्स एवं सीए दिवस राजर्षि टंडन जयंती विश्व जोक डे, राष्ट्रीय डाक कर्म दिवस उ.भा.	**8** आषाढ़ कृष्ण 14 मृगशिरा	**15** आषाढ़ शुक्ल 5 विश्व युवा कौशल दिवस नाग पञ्चमी उ.फा.	**22** आषाढ़ शुक्ल 13 जयापार्वती व्रत प्रारंभ मूल	**29** श्रावण कृष्ण 6 अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस उ.भा.
शुक्र FRIDAY	**2** आषाढ़ कृष्ण 8 श्री रघुबर चन्द्राकर जन्मदिवस डॉ. सोने लाल पटेल जन्मदिन रेवती	**9** आषाढ़ कृष्ण 15 श्रावण अमावस्या आर्द्रा	**16** आषाढ़ शुक्ल 6, 7 कर्क संक्रांति विश्व सर्प दिवस हस्त	**23** आषाढ़ शुक्ल 14 राष्ट्रीय प्रसारण दिवस चन्द्रशेखर आजाद जयंती लोकमान्य तिलक जयंती कोकिला व्रत पु..आ.	**30** श्रावण कृष्ण 7 रेवती
शनि SATURDAY	**3** आषाढ़ कृष्ण 9 विश्व पॉलीथिन मुक्त दिवस रेवती	**10** आषाढ़ कृष्ण 15 बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश इष्टि पुनर्वसु	**17** आषाढ़ शुक्ल 8 विश्व न्याय दिवस कार्यालयीन अवकाश चित्रा	**24** आषाढ़ शुक्ल 15 आषाढ़ पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा राष्ट्रीय थर्मल इंजी. दिवस वर्ल्ड कजिन डे बैंक अवकाश उ.आ.	**31** श्रावण कृष्ण 7 विश्व रेंजर्स डे मुंशी प्रेमचंद जयंती अश्विनी
रवि SUNDAY	**4** आषाढ़ कृष्ण 10 अश्विनी	**11** आषाढ़ शुक्ल 1 गुप्त नवरात्र प्रारंभ विश्व जनसंख्या दिवस पुष्य चन्द्र दर्शन	**18** आषाढ़ शुक्ल 9 गुप्त नवरात्र समाप्त नेल्सन मंडेला दिवस स्वाति	**25** श्रावण कृष्ण 1, 2 श्रवण	**शासकीय अवकाश** 21 ईद-उल-जुहा (बकरीद)

डॉ. खूबचंद बघेल जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएँ...

कूर्मि डॉ. भगवती प्रसाद चन्द्रा
शिशु रोग विशेषज्ञ-सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिल्हा, जिला बिलासपुर
प्रदेश उपाध्यक्ष, छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच

कूर्मि उषा चन्द्रा
प्राचार्य-शा.उ.मा. वि. तारबहार, बिलासपुर
प्रदेश सचिव (म.प्रकोष्ठ)
छ.ग.कू.-क्ष.चे.मंच

कूर्मि कर्णिका चन्द्रा
बी.ई., एमबीए, एमएम कंसल्टेन्ट सीजीआई इमानसी, हैदराबाद

कूर्मि स्वर्णिम चन्द्रा
बीआर्क, एसबीए, एक्जीक्यूटिव आर्किटेक हेवजाम नई दिल्ली

निवास-33 गीतांजली इनक्लेव, रिंग रोड-2, गौरव पथ, बिलासपुर (छ.ग.) मो. : 94242-52558

छत्तीसगढ़ के स्वप्न दृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल जी के जयंती पर सभी स्वजातिय बंधुओं को हार्दिक शुभकामनाएँ.....

कूर्मि श्रीमती ललिता संतोष कश्यप
जनपद सदस्य-जनपद पंचायत तखतपुर
जिला-बिलासपुर (छ.ग.)

कूर्मि संतोष कश्यप
अध्यक्ष-चन्द्रनाहू कुर्मी समाज, तखतपुर परिक्षेत्र
मो. : 9009882640

ग्राम व पोस्ट-लिम्ही, वि.खं.-तखतपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)-495330

अपना सुधार संसार की सबसे बड़ी सेवा है
- परमपूज्य गुरुदेव श्रीराम शर्मा आचार्य

पी. एल. कूर्मि
पूर्व प्रदेश सचिव, छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
मो. : 9754365616

शुभकामनाएँ

स्व. वैद्यराज कूर्मि बोधन सिंह बेलचंदन

कूर्मि डॉ. पोखराज सिंह बेलचंदन
आयुर्वेद विज्ञानाचार्य (AVMS)

पता : ग्राम-सिद्धी, पो. भरदाकला, जिला-बालोद (छ.ग.) मो. 9407763738, 9009608981

श्वांस रोग, लकवा, वातरोग, जीर्ण व्याधि इत्यादि का आयुर्वेद उपचार

डॉ. खूबचंद बघेल
जयंती के पावन अवसर पर
समस्त स्वजातिय बंधुओं को नमन...

कूर्मि सियाराम कौशिक

कूर्मि जीतेन्द्र कौशिक कूर्मि गीतांजली कौशिक

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

जुलाई - 2021

जागरूक बनें, उद्यमी बनें (शासन द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ एवं सब्सिडी की जानकारी)

साथियों, हमारा समाज कृषि एवं मेहनतकश लोगों का विशाल समुदाय है। हमारा समुदाय जानकारी एवं जागरुकता के अभाव में केवल उत्पादन और मेहनत तक ही सीमित हैं; जबकि कुछ विशेष वर्ग हमारे उत्पादन का प्रोसेसिंग एवं शासन की योजनाओं का लाभ लेकर हमसे कई गुना लाभ व मुनाफा अर्जित करने में कामयाब हो रहे हैं । आईए! इस पञ्चाङ्ग के माध्यम से शासकीय योजनाओं एवं उनके लाभ के बारे में जानकर उद्यमी बनें और अपने साथ-साथ समाज विकास में योगदान दें ।

कृषि विभाग द्वारा संचालित प्रमुख कृषकोन्मुखी योजनाएँ :-

नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन टेक्नालॉजी

सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (SMAE) - एक्सटेंशन रिफॉर्म्स (आत्मा)

योजना का उद्देश्य - कृषि एवं समवर्गी क्षेत्र उद्यानिकी, पशुपालन, वानिकी, रेशमपालन, सहकारिता विभाग, कृषि विश्वविद्यालय एवं स्वयं सेवी संस्था, एग्रीक्लिनिक, एग्रीबिजनेस सेंटर, कार्पोरेट्स एवं इनपुट डीलर्स इत्यादि की सहभागिता एवं समन्वय द्वारा कृषकों का समग्र विकास करना।

हितग्राही की पात्रता -सभी वर्ग के कृषकों हेतु परंतु लघु, सीमान्त एवं महिला कृषकों को प्राथमिकता।

मिलने वाले लाभ -

(1) **कृषक प्रशिक्षण**-अधिकतम 7 दिन (यात्रा अवधि सहित)

अ. राज्य के बाहर - प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 1250/- की दर से औसत 50 कृषक दिवस प्रति विकासखण्ड।

ब. राज्य के अंदर - प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 1000/- की दर से औसत 100 कृषक दिवस प्रति विकासखण्ड।

स. जिले के अंदर - प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 400/- अथवा रू. 250/- की दर से औसत 1000 कृषक दिवस प्रति विकासखण्ड।

(2) **प्रदर्शन आयोजन:-**

अ. कृषि विभाग - प्रति प्रदर्शन 0.4 हे. क्षेत्र हेतु रू. 3000/- धान, गेहूं, दलहन, तिलहन एवं मक्का हेतु रू. 2000/- की दर से औसत 125 प्रदर्शन प्रति विकासखण्ड।

ब. उद्यानिकी, पशुधन विकास, मत्स्यपालन, रेशमपालन - प्रति प्रदर्शन रू. 4000/- की दर से औसत 50 प्रदर्शन प्रति विकासखण्ड।

(3) **कृषक शैक्षणिक भ्रमण - अधिकतम 7 दिन (यात्रा अवधि को छोड़कर)**

अ. राज्य के बाहर-प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 1000/- की दर से औसत 90 मानव दिवस प्रति वि.ख.।

ब. राज्य के अंदर-प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 500/- की दर से औसत 160 मानव दिवस प्रति वि.ख.।

स. जिले के अंदर-प्रति कृषक प्रतिदिन रू. 300/- की दर से औसत 100 मानव दिवस प्रति वि.ख.।

(4) **कृषक समूहों को गतिशील करने हेतु:-**

अ. क्षमता विकास एवं कौशल उन्नयन-प्रति समूह प्रति वर्ष रू. 5000/- की दर से 20 समूह प्रति वि.ख.।

ब. सीड मनी/रिवाल्विंग फण्ड-प्रति समूह रू.10000/- की दर से 10 कृषक समूह प्रति विकासखण्ड।

टीप:- उपरोक्त गतिविधियों में महिला कृषकों की न्यूनतम 30 प्रतिशत सहभागिता आवश्यक है।

स. खाद्य सुरक्षा समूह-प्रति महिला समूह रू.10000/- की दर से 2 महिला समूह प्रति विकासखण्ड।

(5) **विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार :** - प्रत्येक विकासखण्ड में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कृषकों को प्रति कृषक रू. 10000/- की दर से प्रतिवर्ष 5 कृषकों को पुरस्कृत किये जाने का प्रावधान है।

(6) **जिला स्तरीय कृषक पुरस्कार :** - प्रत्येक जिले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कृषकों को प्रति कृषक रू. 25000/- की दर से प्रतिवर्ष 10 कृषकों को पुरस्कृत किये जाने का प्रावधान है।

(7) **राज्य स्तरीय कृषक पुरस्कार :** - राज्य में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कृषकों को प्रति कृषक रू. 50,000/- की दर से प्रतिवर्ष 10 कृषकों को पुरस्कृत किये जाने का प्रावधान है।

(8) **कृषक समूह पुरस्कार :** - जिला में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन एवं मत्स्यपालन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कृषक समूहों को प्रति कृषक समूह रू. 20,000/- की दर से प्रतिवर्ष 5 कृषक समूहों को पुरस्कृत किये जाने का प्रावधान है।

सम्पर्क :- जिला स्तर-संविदा पर नियुक्त डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर (आत्मा) विकासखण्ड स्तर-बी.टी.एम., ए.टी.एम. ग्राम स्तर-फार्मर फ्रेंड ।

सब मिशन ऑन सीड एण्ड प्लांटिंग मटेरियल के अंतर्गत बीज ग्राम योजना

योजना का उद्देश्य-कृषकों को उच्च गुणवत्तायुक्त आधार/प्रमाणित बीज वितरण करना और कृषक को अनाज कोठी हेतु सहायता देना।

हितग्राही की पात्रता-समस्त कृषक लाभान्वित किये जाते हैं परन्तु लघु, सीमान्त, अनुसचित जाति/जनजाति एवं महिला कृषको को प्राथमिकता दी जाती है।

मिलने वाले लाभ - बीज वितरण -अनाज फसलों के लिए प्रति कृषक एक एकड़ के लिये 50 प्रतिशत अनुदान पर आधार/प्रमाणित बीज तथा दलहन, तिलहन, चारा एवं हरी खाद फसल हेतु 60 प्रतिशत अनुदान पर आधार/प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया जाता है।

कृषक प्रशिक्षण -इसके अंतर्गत प्रति प्रशिक्षण एक समूह में 50 से 150 कृषकों को बीज उत्पादन एवं पोस्ट हार्वेस्ट सीड टेक्नालॉजी के संबंध में प्रशिक्षण दिया जावेगा। जिसके लिये 15000 रू, अनुदान उपलब्ध कराया जायेगा।

अनाज कोठी-योजना अंतर्गत 10 क्वि. क्षमता वाले अनाज कोठी हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों को 33 प्रतिशत् अधिकतम 1500 रू. तथा सामान्य वर्ग के कृषकों को 25 प्रतिशत् अनुदान अधिकतम 1000 रू. अनुदान देय है। इसी प्रकार 20 क्वि. क्षमता वाले अनाज कोठी हेतु अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कृषकों को 33 प्रतिशत् अधिकतम 3000 रू. तथा सामान्य वर्ग के कृषकों को 25 प्रतिशत् अधिकतम 2000 रू. अनुदान देय है।

सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाईजेशन योजनान्तर्गत कृषि यंत्रों का वितरण

योजना का उद्देश्य -फार्म पावर उपलब्धता में वृद्धि तथा कृषि कार्य में लगने वाली लागत को कम करने एवं फसल उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि करना।

हितग्राही की पात्रता -सभी वर्ग के कृषक।

मिलने वाले लाभ - 8 से 70 पी.टी.ओ. हार्स पावर तक के ट्रैक्टर, 8 बी.एच.पी. एवं अधिक के पावर टिलर, स्वचलित, शक्ति चलित एवं हस्त/बैल चलित यंत्रों पर 40 से 50 प्रतिशत तक अनुदान।

नेशनल मिशन फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर अंतर्गत

रेनफेड एरिया डेव्हलपमेंट योजना

योजना का उद्देश्य-वर्षा आधारित क्षेत्रों में कृषकों को समन्वित कृषि प्रणाली के माध्यम से जोखिम कम कर आजीविका के साधन उपलब्ध कराना।

हितग्राही की पात्रता-क्लस्टर आधार पर सभी वर्ग के कृषक लाभान्वित किये जाते हैं। क्लस्टर का क्षेत्र कम से कम 100 हे.। प्रत्येक कृषक परिवार को अधिकतम 2 हे. तक के लिये अधिकतम 1.00 लाख की सहायता (तालाबों का निर्माण, मरम्मत, भण्डार, पॉलीहाउस की लागत को छोड़कर)। एकीकृत फसल पद्धति आवश्यक।

मिलने वाले लाभ -

1. एकीकृत फसल पद्धति से मिलने वाले अनुदान की जानकारी :-

अ. कृषि आधारित फसल पद्धति - (आर्थिक महत्व के विरल पौधे जैसे- मुनगा, नींबू, अमरूद, सीताफल, पपीता, आंवला इत्यादि पौधों के रोपण) पर **अनुदान** : अनुदान की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 10000 प्रति हे. (2 हे.तक)।

ब. उद्यानिकी आधारित फसल पद्धति पर अनुदान : अनुदान की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 25000 प्रति हे. (2 हे.तक)।

स. वृक्ष/चारा आधारित फसल पद्धति पर अनुदान : अनुदान की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 15000 प्रति हे. (2 हे.तक)।

द. पशुधन आधारित फसल पद्धति पर अनुदान : अनुदान की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 25000 से रू. 40000 प्रति हे. (2 हे.तक)

र. मत्स्य आधारित फसल पद्धति पर अनुदान : अनुदान की लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 25000 प्रति हे. (2 हे.तक)

टीप : कृषि आधारित फसल पद्धति के साथ किसी अन्य एक पद्धति को अपनाना आवश्यक।

2. उप घटक मूल्य संवर्धन एवं प्रक्षेत्र विकास क्रियाकलाप:-

क : मधुमक्खी पालन कार्य अंतर्गत अनुदान : रू. 800/- प्रति 8 फ्रेम की कॉलोनी या प्रति छत्ता अधिकतम 50 कॉलोनी /छत्ता प्रति कृषक अनुदान।

ख : सायलेज निर्माण कार्य अंतर्गत अनुदान : शतप्रतिशत् अधिकतम रू. 1.25 लाख (सायलोपिट, चैफकटर, तौल कांटा) प्रति कृषक परिवार।

ग : ग्रीन हाउस कार्य अंतर्गत अनुदान :

1. नेचुरली वेन्टीलेटेड टयूबलर स्ट्रक्चर (शेडनेट)- रू. 710/- प्रति वर्ग मी. (अधिकतम 500 वर्ग मी. तक) अधिकतम 4000 वर्ग मी. प्रति हितग्राही ।
2. नेचुरली वेन्टीलेटेड वुडन स्ट्रक्चर (शेडनेट)- रू. 492/- प्रति वर्ग मी.। व्यय का 50 प्रतिशत अधिकतम 20 इकाई तक (प्रत्येक इकाई 200 वर्गमी. से अधिक नही होनी चाहिए) प्रति हितग्राही ।
3. नेचुरली वेन्टीलेटेड बेम्बू स्ट्रक्चर (शेडनेट) - रू. 360/- प्रति वर्ग मी.। व्यय का 50 प्रतिशत अधिकतम 20 इकाई तक (प्रत्येक इकाई 200 वर्ग मी. से अधिक नही होनी चाहिए) प्रति हितग्राही

घ. : जल संग्रहण एवं प्रबंधन

1. अनुपयोगी नलकूपों का पुनर्भरण- निर्माण लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 5000/-
2. सिंचाई पाईप - लागत का 50 प्रतिशत या रू. 10000 प्रति हे. अधिकतम (4 हे.)
3. सिंचाई पंप-50 प्रतिशत अधिकतम रू. 15000 विद्युत/डीजल एवं रू. 50000 सौर/पवन ऊर्जा इकाई

ङ. : 25 हे. तक सिंचाई के लिये सामुदायिक विद्युतीकरण - लागत का 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 1.25 लाख प्रति इकाई

च. : संसाधनों का संरक्षण

1. नमी संरक्षण - 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 4000 प्रति हे. (2 हे.तक)
2. कन्टूर/ग्रेडेड/स्ट्रेगर्ड बंडिंग / ट्रेंचिंग- निजी भूमि में 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 5000 प्रति हे. तथा सामुदायिक भूमि में 90 प्रतिशत अधिकतम रू. 1.00 लाख प्रति गाँव
3. बेंच/जिंग टेरेसिंग- 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 20000 प्रति हे. (2 हे. तक)

छ. : अधोसंरचना का संरक्षण

1. गली कंट्रोल संरचना (अपर रिच)- 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 3000 प्रति संरचना निजी भूमि में एवं सामुदायिक भूमि में शतप्रतिशत अधिकतम रू. 1.20 लाख प्रति गाँव।
2. गली कंट्रोल संरचना (मिडिल रिच) - 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 12000 प्रति संरचना निजी भूमि में एवं सामुदायिक भूमि में शतप्रतिशत अधिकतम रू. 1.20 लाख प्रति गाँव।
3. गली कंट्रोल संरचना (लोवर रिच)- 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 20000 प्रति संरचना निजी भूमि में एवं सामुदायिक भूमि में शतप्रतिशत अधिकतम रू. 2.40 लाख प्रति गाँव।
4. स्पिल वेज (ड्राप, चूट, स्पूर/रिटेनिंग वाल) - 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 40000 प्रति संरचना निजी भूमि में एवं सामुदायिक भूमि में शतप्रतिशत् अधिकतम रू. 1.60 लाख प्रति गाँव।

ज. वर्मी कम्पोस्ट इकाई/ जैविक आदान उत्पादन इकाई/हरी खाद : 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 50000 प्रति इकाई पक्की संरचना (अधिकतम रू. 125 प्रति घन फीट) एवं रू. 8000 प्रति इकाई HDPE हरी खाद के लिये 50प्रतिशत अधिकतम रू. 2000 प्रति हे. (2 हे.तक)।

झ. कटाई उपरांत भण्डारण एवं मूल्य आवर्धन हेतु गोदाम निर्माण : 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 1.50 लाख (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन द्वारा जारी मार्गदर्शी निर्देश में उल्लेखित मापदण्ड अनुसार)।

ञ. कृषि उत्पादकों का संगठन एवं उनका प्रशिक्षण : परियोजना लागत का 2 प्रतिशत ।

ट. समस्याग्रस्त मृदा का सुधार

1. क्षारीय/सेलाईन - 50प्रतिशत अधिकतम रू. 25000 प्रति हे. या रू. 50000 प्रति हितग्राही।
2. अम्लीय - 50 प्रतिशत अधिकतम रू. 3000 प्रति हे. या रू. 6000 प्रति हितग्राही।

ठ. प्रशिक्षण रू. 10000 प्रति प्रशिक्षण 20 या अधिक प्रशिक्षणार्थी।

ड. प्रदर्शन/प्रशिक्षणा - 50 या अधिक के समूह के लिये रू. 20000 प्रति प्रदर्शन

सम्पर्क : क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी।

(क्रमश : माह अगस्त 2021)

कूर्मि चेतना अंक - 7

महामना कूर्मि रामस्वरूप वर्मा
जन्म : 23 अगस्त 1923
निर्वाण : 19 अगस्त 1998

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

भाद्रपद प्रारंभ ता. 23 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

अगस्त - 2021

कोई भी व्यक्ति हमारा मित्र या शत्रु बनकर संसार में नहीं आता; बल्कि हमारा व्यवहार और शब्द ही लोगों को मित्र या शत्रु बनाते हैं। - तथागत बुद्ध

वर्षा ऋतु ता. 23 से शरद ऋतु

जन्मदिवस

2 अगस्त
कूर्मि रमेश बैस
महामहिम राज्यपाल, त्रिपुरा

23 अगस्त
कूर्मि भूपेश बघेल
मुख्यमंत्री छ.ग. शासन

भरोसा सब पर कीजिए, लेकिन सावधानी के साथ क्योंकि कभी-कभी खुद के दांत भी जीभ को काट लेते हैं। - तथागत बुद्ध

पंचक
22 अगस्त, रविवार 7.57 सुबह से
26 अगस्त, गुरुवार 10.29 रात्रि तक

गृह प्रवेश
4, 11, 12, 13, 14

मूल
8 अगस्त, रविवार 9.19 सुबह से 10 अगस्त, मंगलवार 9.53 सुबह तक
17 अगस्त, मंगलवार 3.02 रात्रि से 19 अगस्त, गुरुवार 12.07 रात्रि तक
25 अगस्त, बुधवार 8.48 रात्रि से 28 अगस्त, शनिवार 12.48 रात्रि तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

सोम MONDAY	भाद्रपद कृष्ण 8 **30** कृत्तिका लघु उद्योग दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी, संत ज्ञानेश्वर जयंती	श्रावण कृष्ण 9 **2** कृत्तिका	श्रावण शुक्ल 1 **9** ईष्टि, चन्द्र दर्शन, विश्व आदिवासी दिवस, अश्लेषा नागाशाकी डे	श्रावण शुक्ल 8, 9 **16** अटल बिहारी वाजपेयी पुण्यतिथि, पारसी नववर्ष, अनुराधा	भाद्रपद कृष्ण 1 **23** महामना कूर्मि रामस्वरूप वर्मा जयंती, विश्व दास व्यापार उन्मूलन दिवस, ईष्टि शतभिषा
मंगल TUESDAY	भाद्रपद कृष्ण 9 **31** गोगा नवमी, रोहिणी	श्रावण कृष्ण 10 **3** विश्व संस्कृत दिवस, मैथिलीशरण गुप्त जयंती, रोहिणी	श्रावण शुक्ल 2 **10** विनोबा भावे जयंती, विश्व लायन दिवस, मघा	श्रावण शुक्ल 10 **17** सिंह संक्रांति, मदनलाल धींगरा शहीद दिवस, ज्येष्ठा	भाद्रपद कृष्ण 2 **24** विंध्यवासिनी देवी जयंती, पू. भा.
बुध WEDNESDAY		श्रावण कृष्ण 11 **4** कामिका एकादशी, मृगशिरा	श्रावण शुक्ल 3 **11** हरियाली तीज, खुदीराम बोस शहीद दिवस, पु.फा.	श्रावण शुक्ल 11 **18** श्रावण पुत्रदा एकादशी, मूल	भाद्रपद कृष्ण 3 **25** कजरी तीज, बहुला चौथ, उ.भा.
गुरु THURSDAY		श्रावण कृष्ण 12 **5** प्रदोष व्रत, आर्द्रा	श्रावण शुक्ल 4 **12** विश्व हाथी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, उ.फा.	श्रावण शुक्ल 12 **19** विश्व मानवीय दिवस, विश्व फोटोग्राफी दिवस, मोहर्रम, उ., रामस्वरूप वर्मा पुण्य तिथि	भाद्रपद कृष्ण 4 **26** महिला समानता दिवस, मदर टेरेसा जयंती, विश्व नदी दिवस, रेवती बहुला चौथ
शुक्र FRIDAY		श्रावण कृष्ण 13 **6** विश्व बीयर डे, हिरोशिमा दिवस (जापान), आर्द्रा	श्रावण शुक्ल 5 **13** कल्की जयंती, अंतर्राष्ट्रीय वामहस्त दिवस, महर्षि चरक जयंती, हस्त नाग पंचमी	श्रावण शुक्ल 13 **20** प्रदोष व्रत, वरलक्ष्मी व्रत, सद्भावना दिवस, राजीव गांधी जयंती, उ.आ.	भाद्रपद कृष्ण 5 **27** स्वामी आत्मानंद पुण्य तिथि, अश्विनी
शनि SATURDAY		श्रावण कृष्ण 14 **7** रविन्द्रनाथ टैगोर पुण्य तिथि, राष्ट्रीय हथकरघा दिवस, पुनर्वसु	श्रावण शुक्ल 6 **14** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, चित्रा	श्रावण शुक्ल 14 **21** विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस, कार्यालयीन अवकाश, श्रवण ओणम	भाद्रपद कृष्ण 6 **28** बैंक अवकाश, बलराम जयंती, भरणी हरछठ (कमरछठ)
रवि SUNDAY	श्रावण कृष्ण 8 **1** अन्तर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस, राष्ट्रीय पर्वतारोहण दिवस, लोकमान्य तिलक स्मृति दिवस, भरणी	श्रावण कृष्ण 15 **8** श्रावण अमावस्या, भारत छोड़ो आंदोलन दिवस, पुष्य हरेली	श्रावण शुक्ल 7 **15** भानु सप्तमी, स्वतंत्रता दिवस, गोस्वामी तुलसी दास जयंती, स्वाती	श्रावण शुक्ल 15 **22** धनिष्ठा श्रावण पूर्णिमा, रक्षाबंधन, गायत्री जयंती, संस्कृत दिवस/लवकुश जयंती	भाद्रपद कृष्ण 7 **29** भानु सप्तमी, राष्ट्रीय खेल दिवस, मेजर ध्यानचंद जयंती, कृत्तिका

ऐच्छिक अवकाश
13 नागपंचमी
16 पारसी नववर्ष
21 ओणम
28 हरछठ (कमरछठ)

शासकीय अवकाश
8 हरेली
9 विश्व आदिवासी दिवस
15 स्वतंत्रता दिवस
19 मोहर्रम
22 रक्षाबंधन
30 कृष्ण जन्माष्टमी

याददाश्त

लक्ष्मी डेन्टाकेयर एण्ड इम्पलांट सेंटर
RSBY/MSBY स्मार्ट कार्ड से निःशुल्क इलाज कराएँ

सुविधाएँ
- संपूर्ण मुख एवं दाँत संबंधित समस्या का इलाज
- पायरिया का पूर्ण उपचार
- रूट कैनाल ट्रिटमेंट
- क्राउन एवं ब्रिज (फिक्स दाँत)
- बत्तीसी बनवाना
- टेढ़े-मेढ़े व बाहर निकले दाँतों का तार द्वारा सीधा करना
- कास्मेटिक डेन्टल ट्रिटमेंट (ब्लिचिंग, स्केनिंग, फिलिंग)
- मुंह एवं जबड़े के फ्रेक्चर का इलाज

Kurmi Dr. LAXMIKANT KASHYAP
BDS, BVP Mumbai, MDS Periodontology
MISP MIDA Sr. Lect. TIDSHRC
CG DC/16/PG/253

Kurmi Dr. NEHA KASHYAP
BDS, CDCRI MIDA
Govt. Dental Surgeon CHC, Belha

पता : श्रीराम केयर हॉस्पिटल के पास, गीतांजली कंस्ट्रक्शन ऑफिस के बाजू में, अमेरी रोड, नेहरू नगर, बिलासपुर मो. : 9907544212, 7987537613

कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर
पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष
छ.ग.कूर्मि-क्ष.चेतना मंच

कूर्मि श्रीकांत चन्द्राकर
सीईओ, जिला सह. केन्द्रीय बैंक, बिलासपुर

कूर्मि विभावना चन्द्राकर
एम.कॉम., बी.एड., बी.एल.बी.

आर्या श्री चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर

शिवाय चन्द्राकर

आराध्या चन्द्राकर
लोयला स्कूल, बिलासपुर

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक अभिनंदन

कूर्मि आर.के. सिंह
संरक्षक
आल इंडिया कूर्मि क्षत्रिय महासभा
कोरबा मेडिकल स्टोर्स
काम्पलेक्स कोरबा
सम्पर्क : 9827151106

कूर्मि डॉ.धरमवीर सिंह
शिशुरोग विशेषज्ञ
स्टार चिल्ड्रन हॉस्पीटल
नेताजी चौक, कोरबा
सम्पर्क : 8966905259, 7259835233

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ....

कूर्मि श्रीमती प्रभा वर्मा
बी.एस.सी., बी.एड., एम.ए.
समाज सेविका

कूर्मि शिवा वर्मा
डी.पी.एस. रायपुर
कक्षा 12 वीं

कूर्मि वेदान्त वर्मा
डी.पी.एस. रायपुर-कक्षा 6 वीं

कूर्मि एल.पी. वर्मा
सीनियर स्टॉफ ऑफिसर
मुख्यालय नगर सेना, फायर एवं आपातकालीन सेवाएँ, नवा रायपुर (छ.ग.)
मो. : 7987364754

उठे समाज के लिए उठे-उठे, जगे स्वराष्ट्र के लिए जगे-जगे ।
स्वयं सजे वसुंधरा संवार दे, उठे समाज के लिए उठे-उठे . . .

कूर्मि डॉ. संतोष कौशिक
(पी-एच.डी.)
रेकी ग्राण्ड मास्टर,
पास्ट लाइफ थेरेपिस्ट, डॉउजर,
हिपनोसिस एस्ट्रोलॉजर, न्यूमेरोलॉजर,
बॉल गेजिंग वास्तुविद एक्सपर्ट
7000232013, 9785797418

कूर्मि श्रीमती रामकुमारी कौशिक
कॉलोनाइजर एवं बिल्डर

कूर्मि सौरभ कौशिक
डायरेक्टर

कूर्मि वासु कौशिक
डायरेक्टर

सौरभ सर्विस स्टेशन पेट्रोल पम्प
पेण्ड्रीडीह, सकरी बायपास रोड, अमसेना
वासु मंगलम वैवाहिक भवन
चकरभाठा कैम्प, बिलासपुर
किया एक्वा मिनरल वॉटर

निवास : वार्ड क्र. 07, अनुराग विद्या मंदिर स्कूल के पास, चकरभाठा (कैम्प) मो. 9755797418

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123

आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

अगस्त - 2021

जागरूक बनें, उद्यमी बनें (शासन द्वारा संचालित प्रमुख योजनाएँ एवं सब्सिडी की जानकारी)

स्वायल हैल्थ कार्ड योजना

योजना का उद्देश्य :

- योजना अंतर्गत समस्त कृषकों को ''स्वायल हेल्थ कार्ड'' उपलब्ध कराकर संतुलित एवं समन्वित उर्वरक उपयोग हेतु प्रोत्साहित करना।
- मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला का सुदृढ़ीकरण एवं नवीन प्रयोगशालाओं की स्थापना।
- विकासखण्ड स्तर पर मृदा उर्वरता मानचित्र एवं उर्वरक अनुशंसा तैयार करना।
- पोषक तत्व प्रबंधन में मैदानी अमले/प्रगतिशील कृषकों का क्षमता विकास।

हितग्राही की पात्रता : चयनित पायलेट ग्राम के सभी श्रेणी के कृषकों को योजना में लाभान्वित किया जाना है। ग्राम चयन में गोठान ग्राम को प्राथमिकता।

मिलने वाले लाभ -

1. प्रत्येक विकासखण्ड से पांच पायलेट ग्रामों के प्रत्येक कृषकों के हर प्रक्षेत्र से मिट्टी नमूना लेकर विश्लेषण उपरांत किसानों को नि:शुल्क स्वायल हेल्थ कार्ड देने का प्रावधान है।
2. स्वायल हेल्थ कार्ड के अनुशंसा के आधार पर सूक्ष्म तत्वों, जैव उर्वरकों एवं मृदा सुधारकों के उपयोग को प्रोत्साहन हेतु प्रदर्शन आयोजन के लिए रू. 2500 प्रति हेक्टेयर अनुदान।
3. प्रत्येक पायलेट ग्राम में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन हेतु विभिन्न फसल अवस्था में चरणबद्ध मेला/कैम्पेन का आयोजन ।

परंपरागत कृषि विकास योजना

योजना का उद्देश्य

- प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित कर बाहरी इनपुट पर किसानों की निर्भरता को कम करने के लिए मिट्टी की उर्वरता के रख-रखाव और संवर्द्धन करना।
- एकीकृत टिकाऊ जैविक खेती प्रणालियों से लागत में कमी कर प्रति इकाई भूमि पर शुद्ध आय में वृद्धि करना।
- सतत रसायन मुक्त और पौष्टिक खाद्य पदार्थ उत्पन्न करना।
- पारिस्थितिक रूप से कम लागत वाली पारम्परिक तकनीकों को किसान अनुकूल प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहित करते हुये खतरनाक अकार्बनिक रसायनों से वातावरण को बचाना।
- उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य वर्द्धन और प्रमाणीकरण प्रबंधन हेतु किसानों को अपने स्वयं के संस्थागत विकास-क्लस्टर एवं समूह के माध्यम से सशक्त बनाना।
- स्थानीय और राष्ट्रीय बाजारों के साथ संबद्ध करके किसानों को उद्यमी बनाना।

हितग्राही की पात्रता - चयनित क्लस्टर में सम्मिलित सभी वर्ग एवं श्रेणी के कृषक।

अनुदान : परंपरागत कृषि विकास योजनान्तर्गत विभिन्न गतिविधियों हेतु घटकवार 3 वर्षों के लिए कुल राशि रु. 5 लाख प्रति हेक्टेयर तक अनुदान सहायता प्रावधानित है ।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना

क. : ड्रिप एरिगेशन

योजना का उद्देश्य-सिंचाई दक्षता में वृद्धि।

हितग्राही की पात्रता-सभी श्रेणी के कृषक अधिकतम 5 हे. तक लाभान्वित किये जाते हैं।

मिलने वाले लाभ - ड्रिप/स्प्रिंकलर सिस्टम हेतु लघु एवं सीमांत कृषकों को इकाई लागत या वास्तविक लागत जो भी कम हो का 70 प्रतिशत अन्य कृषकों को इकाई लागत या वास्तविक लागत जो भी कम हो का 50 प्रतिशत अनुदान देय है।

ख. : एकीकृत जल प्रबंधन

योजना का उद्देश्य : जलग्रहण अपवाह (Catchment Area) क्षेत्र में मृदा एवं जल सरंक्षण का प्रभावी प्रबंधन।

हितग्राही की पात्रता : जलग्रहण क्षेत्र के सभी कृषक, लघु सीमांत कृषक एवं परिसम्पति रहित व्यक्तियों को प्राथमिकता।

मिलने वाले लाभ : उत्पादन प्रणाली एवं सूक्ष्म उद्यमियों के लिये क्षमता निर्माण, आस्था मूलक क्रियाकलाप, रिज एरिया उपचार, जल निकास लाईन उपचार, मृदा एवं नमी संरक्षण, वन रोपण, बागवानी, चारागाह विकास, आजीविका क्रियाकलाप, प्रभावी वर्षा जल प्रबंधन।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

1. **उद्देश्य:**- प्राकृतिक आपदाओं, कीट और रोगों के कारण किसी भी अधिसूचित फसल के नष्ट होने की स्थिति में किसानों को बीमा कवरेज और वित्तीय सहायता प्रदाय करना जिससे किसानों की आय स्थिर हो और वे आधुनिक कृषि प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित हो सकें। कृषि क्षेत्र के लिए ऋण प्रवाह सुनिश्चित करना।

2. **अधिसूचित फसल :-**

मौसम खरीफ:-

(क) मुख्य फसलें :- धान सिंचित एवं धान असिंचित।

(ख) अन्य फसल :- मक्का, सोयाबीन, मूंगफली, अरहर, मूंग एवं उड़द।

मौसम रबी:-(क) मुख्य फसल :- चना

(ख) अन्य फसल :- गेहू सिंचित एवं गेहू असिंचित, अलसी, राई सरसों।

3. **प्रीमियम दर :-**

(क) मौसम खरीफ की अधिसूचित फसलों हेतु सभी कृषकों के लिए बीमित राशि का अधिकतम 2 प्रतिशत है।

(ख) मौसम रबी की अधिसूचित फसलों हेतु सभी कृषकों के लिए बीमित राशि का अधिकतम 1.5 प्रतिशत है।

4. **बीमा इकाई क्षेत्र:**-सभी फसलों के लिए बीमा इकाई ''ग्राम'' है।

5. **फसलीय क्षेत्र:-**

(क) मौसम खरीफ एवं रबी:- सभी फसलों के लिए बीमा इकाई स्तर पर न्यूनतम 15 हेक्टेयर है।

6. **फसलकटाई प्रयोग की फसल वार संख्या:-**

(क) समस्त अधिसूचित फसल :- 4 फसलकटाई प्रयोग आयोजित किये जायेंगे।

7. **अधिसूचित फसलों का क्षतिस्तर -**

मौसम खरीफ:-(क) धान सिंचित-90 प्रतिशत, (ख) शेष समस्त अधिसूचित फसल- 80 प्रतिशत।

मौसम रबी:-

(क) चना:- 90 प्रतिशत, **(ख) शेष समस्त अधिसूचित फसल-** 80 प्रतिशत।

8. **बीमा पात्रता:- (क) ऋणी किसान (अनिवार्य रूप से):-** फसलबीमा हेतु अधिसूचित क्षेत्र के ऐसे किसान जिनके पास फसल ऋण खाता/किसान क्रेडिट कार्ड है और अधिसूचित फसलके लिए मौसम के दौरान फसल ऋण सीमा स्वीकृत/नवीनीकरण की गई है।

(ख) अऋणी किसान (ऐच्छिक रूप से):- फसलबीमा हेतु अधिसूचित क्षेत्र के ऐसे किसान जिन्होने बैंक/वित्तीय संस्थाओं से फसलऋण नहीं लिया हो अऋणी किसान की श्रेणी में होंगे। अऋणी किसान स्वयं बैंक/वित्तीय संस्था, क्रियान्वयक बीमा कंपनी एवं ग्राहक सेवा केन्द्र जाकर बोई गई फसलों का बीमा करवायेंगे।

9. **भारत सरकार द्वारा अधिकृत बीमा कंपनी:-** एग्रीकल्चर इन्श्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड, आई.सी.आई.सी.आई लुम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, एच.डी.एफसी. इरगो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, इफको-टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, चोलामण्डलम एम.एस.जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, बजाज एलिआंज जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, फ्यूचर जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, टाटा ए.आई.जी. जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, एस.बी.आई. जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, यूनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, श्रीराम जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, भारती एक्सा जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, नेशनल इंश्योरेंस कंपनी, न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी, ऑरिएण्टल इंश्योरेंस कंपनी।

10. **जोखिमों की आच्छादन एवं अपवर्जन:-**

(1) भारत सरकार द्वारा स्वीकृत प्रधानमंत्री फसलबीमा योजना के लिये निर्गत संशोधित मार्गदर्शिका में वर्णित सभी प्रकार के जोखिमों, जो निम्नानुसार है, हेतु बीमा आवरण उपलब्ध होगा -

(क) बाधित बोनी/रोपण/अंकुरण जोखिम : बीमाकृत क्षेत्र में कम वर्षा अथवा प्रतिकूल मौसमी दशाओं के कारण बोआई/रोपण क्रिया न होने वाली हानि से सुरक्षा प्रदान करेगा।

(ख) खड़ी फसल (बुवाई से कटाई तक) : बाधित जोखिमों हेतु विस्तृत बीमा कव्हरेज यथा सूखा, शुष्क अवधि, बाढ़, जलप्लावन, विस्तृत कीट एवं व्याधि आक्रमण, भू-स्खलन, प्राकृतिक अग्नि दुर्घटनाओं और आकाशीय बिजली, तुफान, ओलावृष्टि, चक्रवात, आंधी, समुद्री तूफन, भंवर, और बवंडर के कारण फसल को होने वाले नुकसान की सुरक्षा के लिये वृहत जोखिम बीमा दिया जायेगा।

(ग) फसल कटाई के उपरांत होने वाले नुकसान : यह बीमा आच्छादन ऐसी अधिसूचित फसलों के कटाई उपरांत अधिकतम दो सप्ताह (14 दिन) के लिये चक्रवात और चक्रवातीय वर्षा एवं बेमौसमी वर्षा के मामले में दिया जायेगा, जिन्हे फसल कटाई के बाद खेत में सूखने के लिये छोड़ा गया अथवा छोटे बंडलों में बांध कर रखा गया है।

(घ) स्थानीयकृत आपदाएं : अधिसूचित क्षेत्र में पृथक कृषक भूमि को प्रभावित करने वाली ओलावृष्टि, भू-स्खलन, जल प्लावन, बादल फटना और प्राकृतिक आकाशीय बिजली से व्यक्तिगत आधार पर अभिचिन्हित स्थानीयकृत जोखिमों से होने वाली क्षति से सुरक्षा प्रदान करेगा।

(2) सामान्य अपवर्जन : युद्ध, नाभिकीय जोखिमों से होने वाली हानियों दुर्भावना-जनित क्षतिओं और अन्य निवारणीय जोखिमों को इसमें शामिल नही किया गया है।

11. **प्रीमियम अनुदान:**-किसानों द्वारा देय बीमा प्रभार की दर निर्धारित प्रीमियम दर के अंतर की राशि केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा समान रूप से देय होगी।

12. **योजना का प्रबंधन:**-जिला स्तर पर प्रधानमंत्री फसलबीमा योजना के उचित प्रबंधन के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय निगरानी समिति उत्तरदायी होगी।

संपर्क : अधिक जानकारी एवं समस्या हेतु निकटतम कृषि विभाग, राजस्व विभाग, अधिकृत बीमा एजेंसी, बैंक/वित्तीय संस्था के कार्यालय से सम्पर्क करें।

क्रमश: ..... (कृषि विभाग से संबंधित अन्य योजनाओं की जानकारी अंक 8 पर प्रकाशित की जायेगी ।)

पशुपालन एवं चिकित्सा विभाग से संबंधित महत्वपूर्ण कृषिपयोगी योजनाएँ ....

शत प्रतिशत अनुदान पर सांड़ वितरण

योजना का उद्देश्य - सुदूर अंचलों में जहां कृत्रिम गर्भाधान सेवा उपलब्ध नहीं है, ऐसे क्षेत्रों में नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल के सांड़ों द्वारा प्राकृतिक गर्भाधान की सुविधा उपलब्ध कराना।

हितग्राही की पात्रता -ग्राम पंचायत की अनुशंसा पर प्रगतिशील कृषक या प्रशिक्षण प्राप्त युवक।

इकाई लागत - शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्रों से क्रय की दशा में पुस्तकीय मूल्य पर परिवहन व्यय सहित अथवा निविदा से प्राप्त न्यनतम दर (परिवहन सहित) योजना की इकाई लागत होगी। बीमा कंपनियों की प्रचलित दरों पर सांड़ों का बीमा किया जावेगा। बीमा की राशि भी इकाई लागत में सम्मिलित रहेगी।

मिलने वाले लाभ - नस्ल सुधार हेतु उन्नत नस्ल का एक सांड़ शत प्रतिशत अनुदान पर प्रदाय। औसतन रू. 54,000/- वार्षिक अर्जित किया जा सकता है।

उन्नत मादा वत्स पालन योजना

योजना का उद्देश्य -लघु/सीमांत कृषक/खेतीहर मजदूर की आर्थिक स्थिति में सुधार। दुग्ध उत्पादन में बढ़ोत्तरी। हितग्राहियों में उन्नत मादा वत्स पालन के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

हितग्राही की पात्रता -लघु/सीमांत कृषक तथा भूमिहीन खेतीहर मजदूर जिनके पास कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न स्वयं की बछिया हो।

मिलने वाले लाभ -योजनांतर्गत ऐसे लघु/सीमांत कृषक तथा खेतीहर मजदूरों जिनके पास कृत्रिम गर्भाधान से उत्पन्न स्वयं की उन्नत बछिया उपलब्ध हो, को बछिया के भरण-पोषण हेतु 4 से 24 माह की आयु तक 13 क्विंटल पशु आहार प्रदाय। **अनुदान**- सामान्य वर्ग के हितग्राही के लिए इकाई लागत का 75 प्रतिशत या अधिकतम रू. 15,000/- जो भी कम हो एवं अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के लिए इकाई लागत का 90 प्रतिशत या अधिकतम रू. 18,000/- जो भी कम हो। औसतन् रू. 22,000/- वार्षिक लाभ।

सम्पर्क -निकटस्थ पशु चिकित्सा संस्था/ संबंधित जिले के संयुक्त/उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं।

क्रमश: ..... पशु पालन एवं चिकित्सा विभाग से संबंधित अन्य योजनाओं की जानकारी अंक 8 पर प्रकाशित की जायेगी ।

■■■

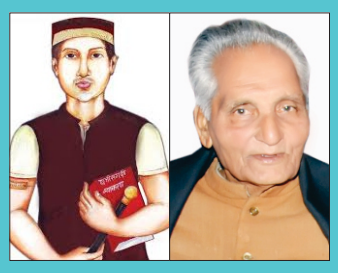

कूर्मि हीरालाल काव्योपाध्याय कूर्मि पुरुषोत्तम कौशिक
स्मरण दिवस 11 सितम्बर 1884 जन्म 24-9-1930, निर्वाण 05-10-2017

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

कूर्मि चेतना अंक - 7

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

आश्विन प्रारंभ ता. 21 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

सितम्बर- 2021

गलत दिशा में बढ़ रही भीड़ का हिस्सा बनने से बेहतर है; सही दिशा में अकेले चलें। - तथागत बुद्ध

शरद ऋतु

जन्मदिन
10 सितम्बर
कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

अगर हम किसी के दुःख का कारण है तो हमारा जीवन बिल्कुल व्यर्थ है और अगर हम किसी के सुख की वजह बनते हैं तो ही हमारे जीवन में कुछ अर्थ है।
- तथागत बुद्ध

पंचक
18 सितम्बर, शनिवार 3.26 दोप. से
23 सितम्बर, गुरुवार 6.44 सुबह तक

नेतृत्व करने के लिए उम्र नहीं साहस और क्षमता चाहिए। - तथागत बुद्ध

मूल
4 सितम्बर, शनिवार 5.45 सायं से 6 सितम्बर, सोमवार 5.52 सायं तक
13 सितम्बर, सोमवार 8.24 सुबह से 15 सितम्बर, बुधवार 5.55 सुबह तक
22 सितम्बर, बुधवार 5.07 सुबह से 24 सितम्बर, शुक्रवार 8.54 सुबह तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

ऐच्छिक अवकाश
6 पोला
10 गणेश चतुर्थी
13 नवाखाई
17 ढोल ग्यारस
17 विश्वकर्मा जयंती

शासकीय अवकाश
9 हरितालिका (तीज पर्व)

सोम MONDAY		भाद्रपद कृष्ण 14 **6** मघा दर्श अमावस्या, पोला	भाद्रपद शुक्ल 7 **13** ललिता सप्तमी, दुर्गा अष्टमी, नवाखाई संतान सप्तमी, अनुराधा	भाद्रपद शुक्ल 15 **20** पू.भा. भाद्रपद पूर्णिमा, श्राद्ध पूर्णिमा	आश्विन कृष्ण 6 **27** रोहिणी विश्व पर्यटन दिवस, विश्व कन्या दिवस, विश्व नदी दिवस
मंगल TUESDAY		भाद्रपद कृष्ण 15, 1 **7** पु.फा. भाद्रपद अमावस्या	भाद्रपद शुक्ल 8 **14** ज्येष्ठा राधा अष्टमी, महालक्ष्मी व्रत आरंभ, हिन्दी दिवस	आश्विन कृष्ण 1 **21** उ.भा. इष्टि, पितृपक्ष प्रारंभ, विश्व शांति दिवस	आश्विन कृष्ण 7 **28** मृगशिरा महालक्ष्मी व्रत पूर्ण, विश्व रेबीज दिवस
बुध WEDNESDAY	भाद्रपद कृष्ण 10 **1** मृगशिरा गुरुग्रंथ साहब प्रकाश दिवस, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह प्रारंभ	भाद्रपद शुक्ल 2 **8** उ.फा. चन्द्र दर्शन, विश्व साक्षरता दिवस	भाद्रपद शुक्ल 9 **15** मूल अभियंता दिवस डॉ. विश्वेश्वरैया जयंती, शरतचंद्र चटोपाध्याय जयंती, विश्व लोकतंत्र दिवस	आश्विन कृष्ण 2 **22** रेवती विश्व गुलाब दिवस	आश्विन कृष्ण 8 **29** आर्द्रा जीवित्पुत्रिका व्रत, विश्व हृदय दिवस
गुरु THURSDAY	भाद्रपद कृष्ण 10 **2** आर्द्रा विश्व नारियल दिवस	भाद्रपद शुक्ल 3 **9** हस्त वराह जयंती, हरतालिका तीज	भाद्रपद शुक्ल 10 **16** उ.आ. विश्व ओजोन दिवस	आश्विन कृष्ण 2 **23** रेवती विश्व सांकेतिक भाषा दिवस	आश्विन कृष्ण 9 **30** पुनर्वसु अन्तर्राष्ट्रीय अनुवाद दिवस
शुक्र FRIDAY	भाद्रपद कृष्ण 11 **3** पुनर्वसु अजा एकादशी, भारतेन्दु दिवस	भाद्रपद शुक्ल 4 **10** चित्रा गणेश चतुर्थी, विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस	भाद्रपद शुक्ल 11 **17** श्रवण ढोल ग्यारस परिवर्तिनी एकादशी, वामन जयंती, विश्वकर्मा पूजा	आश्विन कृष्ण 3 **24** अश्विनी विघ्नराज संकष्टी चतुर्थी, पुरुषोत्तम लाल कौशिक जयंती	**याददाश्त**
शनि SATURDAY	भाद्रपद कृष्ण 12 **4** पुष्य प्रदोष व्रत, दादाभाई नैरोजी जयंती	भाद्रपद शुक्ल 5 वन शहीदी दिवस गिद्ध जागरुकता दिवस **11** विनोबा भावे जयंती ऋषि पंचमी स्वाती बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश हीरालाल काव्योपाध्याय स्मरण दिवस (छ.ग. के प्रथम व्याकरणाचार्य)	भाद्रपद शुक्ल 12 **18** धनिष्ठा प्रदोष व्रत कार्यालयीन अवकाश, विश्व बांस दिवस	आश्विन कृष्ण 4 गौ पूजन **25** भरणी बैंक अवकाश, पं. दीनदयाल उपाध्याय जयंती	
रवि SUNDAY	भाद्रपद कृष्ण 13 **5** अश्लेषा शिक्षक दिवस डॉ. राधाकृष्णन जयंती, विश्व दान-पुण्य दिवस	भाद्रपद शुक्ल 6 **12** विशाखा छठ मोरीहाई	भाद्रपद शुक्ल 13, 14 **19** शतभिषा अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन	आश्विन कृष्ण 5 **26** कृत्तिका विश्व गर्भ निरोधक दिवस, विश्व मूक बधिर दिवस, आचार्य श्रीराम शर्मा जयंती	

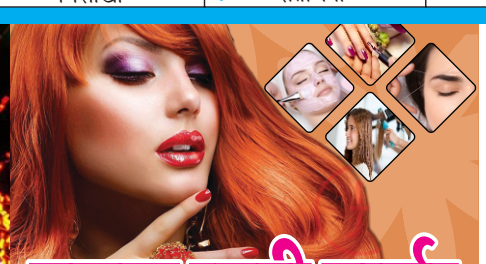

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

सितम्बर-2021

धर्म की वास्तविक व तुलनात्मक व्याख्या सहित विश्लेषण

''**धार्येते इति सः धर्मः**'' अर्थात् जो धारण करने योग्य हो; वही वास्तविक धर्म है। धर्म को मूल शब्द 'धृ' से लिया गया है; जिसका अर्थ है धारण करना, पास रखना, या संचालन करना। इसलिए जो है धारण करता है, पास रखता है या संचालन करता है ; वही धर्म है। धर्म पूरे ब्रह्मांड की व्यवस्था को बनाए रखता है। इस संदर्भ में धर्म का अर्थ ब्रह्मांड में संतुलन बनाए रखने वाले चक्रीय गतिविधियों के सही संचालन से है। धर्म का मतलब कोई विशेष संप्रदाय इसे हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई और बौद्ध आदि नहीं है। धर्म का तात्पर्य होता है–हमारा आचरण, हमारा स्वभाव। इसको हम ऐसे समझ सकते है कि जैसे अग्नि का धर्म है –ज्वलनशीलता तथा अग्नि, अपना धर्म कभी नहीं छोड़ता। अग्नि में चाहे अच्छा व्यक्ति हाथ डाले या चाहे बुरा व्यक्ति हाथ डाले, चाहे मानव हाथ डाले; अग्नि सबको जलाएगा ही, क्योंकि उसका यह मूल स्वभाव है और वह सामने वाले किसी भी प्राणी, व्यक्ति, वस्तु को देखकर अपना स्वभाव परिवर्तित नहीं करता है ।ठीक उसी प्रकार से पानी का स्वभाव शीतलता प्रदान करना है। पानी/जल को कोई भी व्यक्ति, पशु ग्रहण करें, तो वह उसे शीतलता ही प्रदान करेगा; चाहे अच्छा व्यक्ति हो या बुरा व्यक्ति हो। जल कभी अपना स्वभाव परिवर्तित नहीं करता, सबको शीतलता ही प्रदान करता है। यह विषमता केवल हम मानवों में उत्पन्न होती जा रही है कि हम सामने वाले व्यक्ति को देखते हुए अपना स्वभाव परिवर्तित कर लेते हैं; किन्तु धर्म का तात्पर्य ही मानवता से है और मानवता का मूल धर्म होता है–दया, प्रेम, क्षमा, करूणा, सहनशीलता।

भारतीय परंपरा में 'धर्म' शब्द का प्रयोग दो संदर्भों में होता रहा है। एक संदर्भ वह है; जहाँ धर्म का अर्थ अपने नैतिक दायित्वों का पालन से है। उदाहरण के लिए अगर कोई कहे कि मित्र का धर्म है कि वह संकट में फसे अपने दोस्त की सहायता करें उसी प्रकार पिता का धर्म है कि वह अपनी संतान के समग्र विकास की कोशिश करें और शासक का धर्म है कि वह समुचित प्रशासनिक व्यवस्था कायम करें। इन सभी संदर्भों में 'धर्म' 'नैतिकता' का पर्यायवाची हो जाता है। जहाँ तक 'धर्म' के उपरोक्त अर्थ की बात है तो कोई भी समझ सकता है कि यह धारणा नैतिकता की समानार्थक है; किंतु मूल बात यह है कि जिस अर्थ में हम अपने सामाजिक जीवन में धर्म शब्द का प्रयोग करते हैं, उस धर्म और नैतिकता के बीच क्या संबंध है? दूसरे शब्दों में, जब कोई हमसे पूछता है कि आप किस धर्म को मानते हैं तो स्वाभाविक तौर पर हमारा उत्तर हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, यहूदी, पारसी, बौद्ध या जैन होता है। वास्तव में यह सभी धर्म पर चलने के लिए मार्ग है। इसको हम ऐसे समझ सकते हैं कि हम हिंदू संस्कृति में पैदा हुए तो हिंदू संस्कृति के ग्रथों के अनुसार अपने स्वभाव को मानवीय मूल्यों से कैसे परिपूर्ण रखें तथा उसके बताएं नियम पर अनुकूल आचरण करें। उसी प्रकार से अगर हम मुस्लिम है तो मुस्लिम ग्रंथों में जो मानवीयता के लिए मूल–गुण बताएं गए है, उसके उस पर चलकर हम मानवीय –गुणों को आत्मसात करें।

सृष्टि में धर्म की उत्पत्ति मानव उद्भव के साथ हुआ है; जो कालांतर में अपनी मूल पहचान से पृथक हो गया है। फलतः धर्म को लोग सही तरीके से नहीं समझते हैं। धर्म का वास्तविक अर्थ–**कर्तव्य** से है। जिसको जो कर्तव्य मिला है, वह उसका पालन करें; यही धर्म की मूल भावना है। अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन ही सबसे बड़ा धर्म है। वास्तव में निहित कर्म ही धर्म का मूल स्वरूप है। अब मान लीजिए आप मंदिर गए और घंटी बजाई, लेकिन माँ–बाप एक गिलास पानी के लिए भी तरस रहे हैं, तो यह अधर्म है। सज्जनता, शालीनता एवं उदार परमार्थ परायणता आदि धर्म के आवश्यक तत्व हैं ।

''***परहित सरिस धरम नहिं भाई, पर पीड़ा सम नहिं अधमाई ।*** ''यह धर्म–धारणा को उद्घोषित करता है। सरल शब्दों में कहें तो यही धर्म का अर्थ होता है । इसी प्रकार मानवधर्म है स्वयं व औरों का कल्याण करना, सहयोग करना, सहयोगी होना, सत्य बोलना, आविष्कार करना, जनोपयोगी निर्णय लेना, कार्य करना इत्यादि । यदि इसके विपरीत कार्य करता है मानव तो वह अधर्मी कहलाता है । कई लोग संप्रदाय को धर्म मान लेते है। अतएव संप्रदाय को भी समझना आवश्यक है। सम्प्रदाय का मतलब होता है –परम्परा से चला आया हुआ किसी विशेष मत या विचारों को मानने वालों का समूह। उदाहराणार्थ, वेद और पुरानों से उत्पन्न सम्प्रदाय–वैष्णव, शैव, शाक्त, स्मार्त, वैदिक सम्प्रदाय । इसी प्रकार हिन्दु, इस्लामिक, सिख्ख, ईसाई, जैन, बौद्ध इत्यादि सभी सम्प्रदाय के परिभाषा के अन्तर्गत आते हैं। धर्म एक सतत् प्रक्रिया के रूप में विकसित होता है एवं आवश्यकतानुसार परिवर्तित होता रहता है। सम्प्रदाय व्यक्ति–विशेष के द्वारा, विशेष उद्देश्यों की पूर्ति हेतु खड़ा किया जाता है। यह घोषित नियमों पर आधारित होता है एवं उनके अनुपालन पर जोर देता है।

धर्म संबंधी इन तमाम वास्तविकताओं एवं क्रियाकलापों को हम निम्नांकित पैरामीटर से परख सकते हैं। जिस तरह से वातावरण के तापमान को मापने के लिए थर्मामीटर का इस्तेमाल होता है, उसी तरह धर्म की उपयोगिता को **धर्मामीटर** द्वारा अच्छी तरह से समझा जा सकता है। जैसे हमें जीने के अनुकूल तापमान की जरूरत होती है, ठीक वैसे ही हमें एक अनुकूल धर्म की आवश्यकता होती है। हम जानते है कि अधिक तापमान में नुकसान हो सकता है, लू लगने से मृत्यु भी हो सकती है और कम तापमान में शीत लहर,जान भी ले सकती है। ठीक उसी प्रकार से धर्म के अनुकूल ना होने से जीना दूभर हो जाता है। वास्तव में धर्म हमें जीने का रास्ता बतलाता है। **धर्म मनुष्य के लिए है,ना कि मनुष्य धर्म के लिए।** उदाहरण स्वरूप हम अपने बच्चों को उसी स्कूल में भेजना चाहते हैं, जिसे हम अच्छा समझते हैं। कोई हमें जबरदस्ती किसी खास स्कूल में पढ़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता है; ठीक उसी प्रकार से हमें किसी भी धर्म; जिसको हम अच्छा समझते हैं, उसे अपनाने की आजादी होनी चाहिए। धर्मामीटर हमें सबसे ज्यादा उपयुक्त, अनुकुल व जीवननोपयोगी पैरामीटर के साथ धर्म के बारे में बतलाता है। आईए उन प्रमुख पैरामीटरों के बारे में जानते है; जिससे हम धर्म को अच्छी तरह परख सकते है:–

(1) **मानवता:–** यह धर्म का सबसे बड़ा मापक है। मानवता ही सर्वोपरी धर्म हैं। मनुष्य को मनुष्य समझना ही मानवता या इंसानियत कहलाता है। इस प्रकार कौन सा धर्म मानवता में विश्वास रखता है , इससे ही उस धर्म की अच्छाई या बुराई सिद्ध होती है। हम देखते है कि हिन्दू धर्म में चार वर्ण हैं; जिसमें से प्रथम तीन वर्णों ब्राम्हण, क्षत्रिय व वैश्य (15 प्रतिशत) के पास ही प्रमुख अधिकार है। शूद्रों के पास लगभग नगण्य अधिकार हैं। यह हकीकत शायद कई लोग स्वीकार न करें और ग्रंथ में लिखी अच्छी बातों का उदाहरण देकर झूठलाने का भी प्रयास करें फिर भी व्यवहारिकता व वास्तविकता को तो नहीं नकारा जा सकता है।

(2) **समानता:–** मनुष्य को मनुष्य समझना, सभी मनुष्यों का सम्मान करना, उनमें कोई रंगभेद या जातिभेद ना करना, ऊँच–नीच न मानना, छुआछूत न मानना, समानता को दर्शाता है। जो धर्म समानता के सिद्धांत को जितना स्वीकार करता है, वह उतना ही मानव के लिए कल्याणकारी होता है। समानतावादी धर्म मनुष्य द्वारा मनुष्य के शोषण में विश्वास नहीं करता है।

(3) **एकता:–** धर्म के अच्छे सिद्धांतों से मनुष्यों में एकता स्थापित होती है; जिससे वे मजबूती से आगे बढ़ते हैं, उन्नति करते हैं और दुश्मनों का भी एकजुट होकर मुकाबला कर सकते हैं। हिन्दू धर्म को छोड़कर बाकी सभी धर्म के लोग आपस में भेदभाव न होने के कारण पूरी तरह से एक रहते हैं। हिन्दू धर्म में लोग 4 वर्णो और कई जातियों में विभाजित हैं तथा एक दूसरे से घृणा भी करते हैं व एक दूसरे के साथ खान–पान और शादी–विवाह भी नहीं करते। घोर असहनशील व वंशवादी होने के कारण परशुराम ने छोटी सी बात पर सब निर्दोष क्षत्रियों का भी कत्ल कर दिया था।

(4) **भाईचाराः–** एक दूसरे से प्रेम और मदद की भावना को भाईचारा कहा जाता है। इस दुनिया में कुछ लोग धनी तो कुछ लोग बहुत गरीब हो जाते हैं। गरीब और असहाय की मदद करना, उन्हें खाना और शिक्षा देना, उनके जीवन को बेहतर बनाना ही भाईचारा है। ईसाई लोग चर्च में एक साथ बैठ कर पूजा कर लेते हैं, इस्लाम में राजा और फकीर एक साथ बैठकर नमाज़ पढ़ सकते हैं, बौद्धों में कोई भेद–भाव नहीं है, सिखों में गरीबों को लंगर कराया जाता है। दूसरी ओर हिन्दू मंदिरों में अधिक पैसे वाले को विशेष दर्शन और गरीबों को तो दूर से ही दुत्कार दिया जाता है, लंगर का तो सवाल ही नहीं होता है।

(5) **शिक्षा व प्रेरणाः–** हर धर्म कोई न कोई शिक्षा और सिद्धांत प्रतिपादित करता है; जो कि प्रेरणादायक होते हैं और मनुष्य तथा समाज के लिए कल्याणकारी होते हैं। इनसे मनुष्य के जीवन में सुख और शांति मिलती है। ईसाई धर्म हत्या, चोरी, बेईमानी और व्याभिचार न करने की शिक्षा देता है। इस्लाम गरीबों,जरूरतमन्दों को मदद की शिक्षा देता है। बौद्ध धर्म पंचशील, मानवता व करुणा की शिक्षा देता है। हिन्दू धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की शिक्षा देता है। सिख धर्म समानता, भाईचारे व अंधिवश्वास न मानने की शिक्षा देता है। जैन धर्म सत्य, अहिंसा व विरक्त रहने की शिक्षा देता है।

(6) **व्यापकता:–** किसी धर्म का जगह–जगह उपस्थिति होना; उस धर्म की व्यापकता को दर्शाता है। अच्छा धर्म अधिक व्यापक होता है और ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्वीकार्य होता है।

(7) **सरलता:–** धर्म को सरल होना चाहिए। धर्म जितना अधिक जटिल होगा; वह उतना अधिक लोगों को भ्रमित करेगा। आसानी से समझ में आने वाला धर्म समाज के लिए कल्याणकारी होता है।

(8) **वैज्ञानिकता:–** धर्म मनुष्य के विकास के लिए होता है। आज ट्रेन, हवाई– जहाज, कम्प्यूटर आदि सभी वैज्ञानिक सोच के कारण है। वैज्ञानिक सोच कम होगी है, तो देश पीछे जाएगा। वैज्ञानिक सोच अधिक होगी, तो देश उन्नति करेगा और सभी लोगों को लाभ होगा। विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक आइन्स्टीन ने बौद्ध धर्म को एक वैज्ञानिक और भविष्य का धर्म बताया। बौद्ध धर्म के अनुसार हर चीज का एक कारण होता है, कोई भी चीज अपने आप बिना कारण नहीं होती है। अगर हम कारण समझ लें तो हर समस्या का सामाधान हो सकता है। बाकी कई धर्मों में पूजा व प्रार्थना के बिना काम ही नहीं बनता है। हिन्दू धर्म में तो समस्या का कारण पूवर्जन्म के कर्मों को समझा जाता है, जो कि बिलकुल अवैज्ञानिक है।

(9) **अंधविश्वासः–** किसी पर बिना सोचे समझे विश्वास कर लेना अंधविश्वास कहलाता है। जैसे कि बिल्ली के रास्ता काट जाने से अशुभ होता है। तर्क का इस्तेमाल ना करना अंधविश्वास का कारण होता है। मनुष्य का सबसे अधिक नुकसान अंधविश्वास ही करते हैं। यह वैज्ञानिकता के विरुद्ध होते हैं व मनुष्य, समाज और देश को बहुत पीछे धकेल देता हैं। उदाहणार्थ दलित की छाया पड़ने से ब्राह्मण अशुद्ध हो जाता है। ब्राह्मण ब्रह्मा के मुंह से पैदा हुआ है और शूद्र उनके पैरों से , तो क्या ब्रह्मा के पैर अशुद्ध हैं? क्या ब्रह्मा के पैर छूने से भी ब्राह्मण अशुद्ध हो जायेगा? जो कि तर्क संगत नहीं है।

(10) **कट्टरवादः–** अपने धर्म को अच्छा समझना और दूसरे धर्म को खराब समझना कट्टरवाद को दर्शाता है। बिना दिमाग का प्रयोग किए किसी बात को अच्छा ठहराना और किसी बात को बुरा ठहराना कट्टरवाद कहलाता है। कट्टरवाद तर्क की कसौटी पर खरा नहीं उतरता तथा समाज, देश और दुनियाँ के लिए हानिकारक होता है। ईसाई धर्म में बाईबिल किसी और धर्म के अस्तित्व को स्वीकार नहीं करता। इस्लाम में अल्लाह को नहीं मानने वाले को काफिर कहते हैं और हिन्दू मुगलों के अत्याचारों का हिसाब उनकी आज की पीढ़ियों से लेना चाहते हैं। यह तमाम बातें बेहद ही चिंता का विषय है।

विश्लेषणः–

उपरोक्त 10 पैरामीटर/धर्मामीटर के आधार पर सभी धर्मों का मूल्यांकन किया जा सकता है; जिसे निष्पक्ष होकर और बिना किसी पूवार्ग्रह के पढ़ें तभी समझना आसान होगा। ऊपर धर्म को मापने के लिए 10 प्रमुख मापकों का इस्तेमाल किया गया है; जिसमें 8 अच्छे गुणों वाले जैसे मानवता, समानता, एकता, भाईचारा, शिक्षा, व्यापकता, सरलता, वैज्ञानिकता मापक तथा 2 बुरे गुणों वाले जैसे अंधविश्वास, कट्टरवाद मापक हैं। विश्लेषण के लिए 8 अच्छे गुणों वाले मापकों में प्राप्त नम्बरों के औसत से 2 बुरे गुणों वाले मापकों में प्राप्त नम्बरों के औसत को घटाने पर धर्म की अच्छाई या बुराई के बारे में पता चल जाता है। अतः धर्म का निरपेक्ष स्वरूप का सूत्र है :–

धर्मामीटर = अच्छाई वाले मापांकों का औसत– बुराई वाले मापांकों का औसत

निष्कर्ष :–

मनुष्य धर्म के लिए नहीं; बल्कि धर्म मनुष्य और उसके विकास के लिए होता है। कुछ धर्म मनुष्य के शोषण के लिए बने होते हैं, उनमें कुछ वर्णों (जातियों) को ही फायदा होता है। जैसे हिन्दू धर्म में मुख्य लाभ केवल 3 प्रतिशत लोगों (ब्राह्मणों) को ही होता है। बाकी लोग वंचितों की श्रेणी में ही रहकर इस धर्म को पोषित और पल्लवित करते चले आ रहे हैं। धर्मग्रन्थ यह उपदेश देता है कि परधर्म की अपेक्षा अपना गुण रहित धर्म भी कल्याणकारी होता है अर्थात अधिक प्रशंसनीय है जबकि दूसरे का धर्म भयदायक है । आशय यह है कि स्वधर्म के विकास एवं उत्थान के लिए अपनी क्षमता अनुरुप आवश्यक प्रयास किया जाना चाहिए। वहीं संविधान यह अधिकार देता है कि कोई भी व्यक्ति स्वेच्छा से किसी भी धर्म को अपना सकता है। हमारा समाज भूमिपूत्र है और हम अनुभव करते है कि **ऊँची–नीची जमीन अच्छी फसल नहीं दे सकती है; ठीक उसी प्रकार ऊँच–नीच जाति के आधार पर बने धर्म कभी भी अच्छा समाज कैसे दे सकता है?**

अतएव धर्म एक जीवन शैली मात्र है; जो परिवार से स्वाभाविक रूप से हर व्यक्ति को प्राप्त होता है। धर्म की इससे ज्यादा कोई जरूरत ही नहीं है। बाकी मानवता से बढ़कर कोई श्रेष्ठ धर्म नहीं हो सकता है। अतः धर्म जीवन जीने की कला है, जीवन को अनुशासित व संयमित राह दिखाने का उचित साधन/ मार्ग है। इस प्रकार उपरोक्त व्याख्या से हम समझ गए हैं कि **धर्म मनुष्य के लिए है, न कि मनुष्य धर्म के लिए तथा धर्म का अर्थ –कर्तव्य से है। जिसको जो कर्तव्य मिला है, वह उसका पालन करे। अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन ही सबसे बड़ा धर्म है। अतः धर्म शब्द का वास्तविक अर्थ है वे नियम जिन पर चलने से समाज में नैतिकता व मानवता बनी रहे।** धर्म के मूल स्तंभ हैं– दान, दया, तप, सत्यता व शुचिता व क्षमा इत्यादि।

■■■

//समाज विकास के मूल मंत्र//

अधिकार के लिए लड़ो, लड़ नहीं सकते तो बोलो।
बोल नहीं सकते तो लिखो, लिख नहीं सकते तो साथ दो।।
साथ नहीं दे सकते तो, जो लिख–बोल या लड़ सकते हैं; उनका मनोबल बढ़ाओ।
यह भी नहीं कर सकते तो कम से कम, उनका मनोबल गिराओ तो मत ।
क्योंकि वही लोग हैं, जो आपके हिस्से की लड़ाई लड़ रहे हैं।।

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
जियो और जीने दो
पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

कार्तिक प्रारंभ ता. 21 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

अक्टूबर- 2021

दुनियां को बदलने का सबसे शक्तिशाली हथियार 'शिक्षा' है और लोगों को मूर्ख बनाने का सबसे शक्ति शाली हथियार 'धर्म' है। - नेल्सन मंडेला

शरद ऋतु ता. 23 से हेमन्त ऋतु

जन्मदिन
2 अक्टूबर
कूर्मि डॉ.व्ही.एस.निरंजन
राष्ट्रीय महासचिव-अ.भा.कूर्मि क्ष.महासभा
5 अक्टूबर
कूर्मि बी.आर. कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

इंसान जब हथेली की रेखाओं में भविष्य ढूंढने लगें तब समझ लेना कि उसके बाजू में ताकत और मन में विश्वास खत्म हो गया है। - तथागत बुद्ध

पंचक
15 अक्टूबर, शुक्रवार 9.16 रात्रि से
20 अक्टूबर, बुधवार 2.02 दोप. तक

गृह प्रवेश
25, 28, 29

मूल
2 अक्टूबर, शनिवार 2.58 रात्रि से 4 अक्टूबर, सोमवार 3.26 रात्रि तक
10 अक्टूबर, रविवार 2.44 दोपहर से 12 अक्टूबर, मंगलवार 11.27 सुबह तक
19 अक्टूबर, मंगलवार 12.13 दोपहर से 21 अक्टूबर, गुरुवार 4.17 सायं तक
29 अक्टूबर, शुक्रवार 11.39 सुबह से 31 अक्टूबर, रविवार 1.17 दोपहर तक

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

ऐच्छिक अवकाश
- 5 प्राणनाथ जयंती
- 6 सर्व पितृमोक्ष अमावस्या
- 7 अग्रसेन जयंती
- 13 महाअष्टमी
- 14 महानवमी
- 20 महर्षि वाल्मिकी जयंती/क्वांर पूर्णिमा

शासकीय अवकाश
- 2 महात्मा गांधी जन्म दिवस
- 15 दशहरा (विजयदशमी)
- 19 ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी)

याददाश्त

सोम MONDAY		आश्विन कृष्ण 13 **4** विश्व वास्तुकार दिवस, राष्ट्रीय अखंडता दिवस, विश्व पशु कल्याण दिवस प्रदोष व्रत पू.फा.	आश्विन शुक्ल 6 **11** सरस्वती आवाहन, अन्तर्राष्ट्रीय बालिका दिवस, जयप्रकाश नारायण जयंती ज्येष्ठा	आश्विन शुक्ल 13 **18** पू.भा.	कार्तिक कृष्ण 5 **25** रामचंद्र देशमुख जयंती मृगशिरा
मंगल TUESDAY		आश्विन कृष्ण 14 **5** विश्व शिक्षक दिवस, पुरुषोत्तमलाल कौशिक पुण्य तिथि उ.फा. प्राणनाथ जयंती	आश्विन शुक्ल 7 **12** राममनोहर लोहिया पुण्य तिथि, विश्व गठिया दिवस सरस्वती पूजा मूल	आश्विन शुक्ल 14 **19** शरद पूर्णिमा, ईद-ए-मिलाद (मिलाद-उन-नबी) उ.भा.	कार्तिक कृष्ण 5 **26** आर्द्रा
बुध WEDNESDAY		आश्विन कृष्ण 15 **6** आश्विन अमावस्या, स्वामी आत्मानंद जयंती हस्त पितृमोक्ष अमावस्या	आश्विन शुक्ल 8 **13** दुर्गा अष्टमी, विश्व आपदा नियंत्रण दिवस पू.आ. महाअष्टमी	आश्विन शुक्ल 15 **20** आश्विनी पूर्णिमा, महर्षि वाल्मीकि जयंती रेवती शरद पूर्णिमा	कार्तिक कृष्ण 6 **27** आर्द्रा
गुरु THURSDAY		आश्विन शुक्ल 1 **7** इष्टि, नवरात्रि प्रारम्भ घट स्थापना, अग्रसेन जयंती, विश्व कपास दिवस चन्द्र दर्शन चित्रा	आश्विन शुक्ल 9 **14** महा नवमी, सरस्वती विसर्जन, विश्व मानक दिवस, धम्मचक्र परिवर्तन दिवस उ.आ.	कार्तिक कृष्ण 1 **21** इष्टि, आजाद हिन्द सेना दिवस अश्विनी भारतीय पुलिस स्मृति दिवस	कार्तिक कृष्ण 7 **28** अहोई अष्टमी, राधा कुण्ड स्नान, विश्व एनिमेशन दिवस पुनर्वसु
शुक्र FRIDAY	आश्विन कृष्ण 10 **1** वृद्धजन एवं रक्तदान दिवस, विश्व वन्यप्राणी दिवस, विश्व शाकाहार दिवस, विश्व कॉफी दिवस पुष्य	आश्विन शुक्ल 2 **8** भारतीय वायु सेना दिवस, मुंशी प्रेमचंद पुण्यतिथि, विश्व दृष्टि दिवस स्वाती	आश्विन शुक्ल 10 **15** दुर्गा विसर्जन दशहरा (विजयदशमी), विश्व हैंडवाश दिवस, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयंती, विश्व विद्यार्थी दिवस श्रवण	कार्तिक कृष्ण 2 **22** विश्व हकलाहट दिवस भरणी	कार्तिक कृष्ण 8 **29** राधा जयंती पुष्य
शनि SATURDAY	आश्विन कृष्ण 11 **2** स्वच्छता दिवस, गांधी/शास्त्री जयंती इंदिरा एकादशी अश्लेषा	आश्विन शुक्ल 3, 4 **9** बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश, विश्व डाक दिवस सिन्दुर तृतिया विशाखा	आश्विन शुक्ल 11 **16** कार्यालयीन अवकाश, विश्व खाद्यान्न दिवस पापांकुशा एकादशी धनिष्ठा	कार्तिक कृष्ण 3 **23** विश्व तिल दिवस, बैंक अवकाश कृत्तिका	कार्तिक कृष्ण 9 **30** विश्व किफायत दिवस अश्लेषा
रवि SUNDAY	आश्विन कृष्ण 12 **3** मघा	आश्विन शुक्ल 5 **10** राष्ट्रीय डाक दिवस, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विश्व खिचड़ी दिवस उपांग ललिता व्रत अनुराधा	आश्विन शुक्ल 12 **17** अग्रसेन जयंती, विश्व गरीबी उन्मूलन दिवस प्रदोष व्रत शतभिषा	कार्तिक कृष्ण 4 **24** विश्व विकास सूचना दिवस, संयुक्त राष्ट्र संघ दिवस करवा चौथ रोहिणी	कार्तिक कृष्ण 10 **31** इंदिरा गांधी पुण्यतिथि, सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती, राष्ट्रीय एकता दिवस मघा

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के पावन अवसर पर समस्त स्वजातियों को सादर नमन...
कूर्मि नन्दलाल चन्द्राकर
जिलाध्यक्ष
छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज जिला-कबीरधाम
सदस्य
जनपद पँचायत पण्डरिया, कबीरधाम
मो. : 8889766200
9575842200
ग्राम -रापा, वि.खं.-पंडरिया, जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

कूर्मि रमाकान्त कौशिक
(अधिवक्ता)
पूर्व कार्यकारिणी सदस्य
जिला अधिवक्ता संघ, बिलासपुर (छ.ग.)
80853-88521, 98274-79626
मोटर, रेल, अग्नि, बिजली, पानी, लू, सर्प, बिच्छू से जनहानि पर मुआवजा
कार्यालय : मंगला चौक, साईं भोजनालय के पीछे, डांस क्लास के ऊपर, बिलासपुर
निवास : म.न.147, दीनदयाल कालोनी, सकरी-परसदा, कोटा रोड, बिलासपुर
जिला न्यालाय में सम्पर्क
पूर्व स्थायी लोक अदालत, बिलासपुर (छ.ग.)

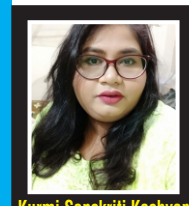

Kurmi Sanskriti Kashyap

With Best Complements From
BTB
Big Time Beauty
Makeup and Hairstyle

Bridal Makeup | Party Makeup
Pre-Wedding Makeup
Editorial Makeup
Prosthetic Makeup
Book Your Slot By Contacting :
KURMI SANSKRITI KASHYAP
(Makeup Artist)
9827408872 Bilaspur
Work as a Free lancer

कश्यप परिवार तखतपुर, बिलासपुर की ओर से समस्त स्वजातिय बंधुओं का सादर अभिवादन ...

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर

कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

अक्टूबर-2021

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच - 25 वर्ष (रजत जयंती) कार्यक्रम की झलकियाँ

छत्तीसगढ़ के कूर्मियों में समग्र विकास व सामाजिक चेतना के संचार की मूल भावना को ध्यान में रखकर 18 अप्रैल 1993 को परमपूज्य स्वामी वेदानंद सरस्वती की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच की स्थापना हुई। चेतना मंच का प्रथम भव्य सम्मेलन 26 सितम्बर 1993 को बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में किया गया। इस अवसर पर 'चेतना मंच द्वारा प्रथम प्रकाशित **'एकं पराक्रम'** स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

चेतना मंच की गतिविधियाँ वर्ष 2000 तक छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में संपर्क अभियान चलाया गया। यहाँ पर निवासरत 24 उपजातियों के केन्द्रीय अध्यक्षों से संपर्क कर सभी में सामन्जस्य स्थापित करने का प्रयास किया गया। एकीकरण की दिशा में यह प्रभावी कदम रहा । पृथक छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना उपरांत सर्वप्रथम शासन से संस्था को पंजीकृत कराया गया और अन्यान्य गतिविधियाँ प्रारंभ की गई जैसे- संगठन विकास, सरदार पटेल जयंती समारोह, निर्धन प्रतिभावना विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग, सामूहिक विवाह आयोजन, युवक-युवती एवं परिवार परिचय सम्मेलन, फिरका जोड़ो अभियान, कला संस्कृति संवर्धन, स्वजातीय जन प्रतिनिधियों का सम्मान, स्वजातीय प्रेरणादायक व्यक्तित्व सम्मान, कूर्मि कृषक सम्मान, कौशल विकास प्रशिक्षण, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग प्रकाशन एवं सोशल मीडिया प्रबंधन आदि।

चेतना मंच द्वारा कूर्मि समाज के संगठनात्मक विकास के लिए अन्य प्रादेशिक या जिला स्तर पर गठित अन्य कूर्मि संगठनों से भी कंधे से कंधा मिला कर काम करने से कभी परहेज नहीं किया गया। फलस्वरूप आज छत्तीसगढ़ प्रांत के सभी इकाइयों में आपसी सक्रिय सहभागिता से एकजुटता है। राष्ट्रीय स्तर पर भी चेतना मंच अखिल भरतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा के विभिन्न कार्यक्रम में अपनी भागीदारी का निर्वहन करता आ रहा है। इसी दिशा में

24-25 सितम्बर 2016 को बैंगलूरू में आयोजित तिरालिसवें अधिवेशन में ''कूर्मि पुरोहित प्रशिक्षण'' बाबत् पारित प्रस्ताव की चुनौती को स्वीकार कर 5-9 जून 2019 को चेतना मंच के अध्यक्ष कूर्मि डॉ. निर्मल नायक जी के मार्गदर्शन में मुख्य प्रशिक्षक कूर्मि प्रहलाद कौशिक एवं संयोजक कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक के द्वारा 9 स्वजातियों को पूजा-पाठ व विभिन्न संस्कारों को सम्पन्न कराने हेतु प्रशिक्षित किया गया। इसी के क्रम में सिवनी (म0प्र0) निवासी कूर्मि प्रशांत पटेल (मीडिया सेल प्रभारी, अ.भा.कू.क्ष. महासभा) व सौ. कां. अमिषा पटेल का विवाह दिनांक 17 जून 2019 को कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक व कूर्मि पुरषोत्तम कश्यप जी के द्वारा सम्पन्न कराया गया।

इस तरह से चेतना मंच ने अपने 25 वर्षों की यात्रा में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जिला, सम्भाग, प्रांत ही नहीं अपितु राष्ट्रीय स्तर पर एक सुदृढ़ पहचान स्थापित कर समाज में विभिन्न आयाम स्थापित किया है। ''कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग'' के प्रथम अंक 2 नवम्बर 2014 से अनवरत प्रकाशित कर अंक 7 वर्ष 2021 आप सब के हाथ में है। कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग ने कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिये चिंतन हेतु आकृष्ट किया है।

चेतना मंच ने अपने स्थापना के ''रजत जयंती'' वर्ष (स्थापना वर्ष 1993-2019) में त्रिदिवसीय ''कूर्मि महाधिवेशन''को विशिष्ट बनाने के लिए बिलासपुर से 25 कि.मी. दूर माँ महामाया की नगरी रतनपुर में दिनांक 10-12 नवम्बर 2019 को सफलता पूर्वक आयोजित कर प्रदेश के समग्र कूर्मियों को एक मंच पर आमंत्रित कर एकीकरण व विभिन्न गतिविधियों के क्रियान्वयन करने में दिशा प्रदान किया। त्रिदिवसीय कार्यक्रम आयोजन के एक दिन पूर्व स्थानीय लगभग 500 महिलाओं ने धारा 144 लागू होने के बावजूद कलश यात्रा निकालकर कूर्मि एकता का जबरदस्त उदाहरण प्रस्तुत किया। यह आयोजन चेतना मंच के प्रांतीय अध्यक्ष कूर्मि डॉ. निर्मल नायक के मार्गदर्शन में मुख्य संयोजक कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई व सहसंयोजक द्वय कूर्मि हरीश सुशील चंदेल, अध्यक्ष रत्नेश्वर कूर्मि सेवा संस्थान रतनपुर व कूर्मि सत्येन्द्र कौशिक, बेलतरा वाले के द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस कार्यक्रम में न केवल छत्तीसगढ़ प्रांत वरन् देश के विभिन्न स्थानों से भी सम्माननीय अतिथिगण, त्रिपुरा, उड़िसा, भोपाल, झांसी, प्रयागराज, जबलपुर, शहडोल व मण्डला आदि से आकर वैचारिक आदान-प्रदान किए। उल्लेखनीय है कि चेतना मंच ने यह आयोजन स्थानीय कूर्मि संगठन ''रत्नेश्वर कूर्मि सेवा संस्थान'' को साथ लेकर सम्पन्न किया; जो कि विभिन्न सामाजिक संगठनों के आपसी समन्वय के प्रयास का बेहतर उदाहरण है।

इस महाधिवेशन की विशेषता यह रही कि इस कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथियों के द्वारा छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच के द्वारा प्रकाशित ''कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग'' तथा ''कूर्मि चेतना जागृति'' एवं ''चेतना के स्वर'' पुस्तकों का विमोचन कराया गया। इसके अतिरिक्त चेतना मंच के द्वारा अपने रजत जयंती वर्ष में ''डाक टिकट'' भी जारी किया गया; जो कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी कूर्मि संगठन द्वारा किया गया प्रथम प्रयास है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कूर्मि एल. पी. पटेल जी के द्वारा इस कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि विभिन्न राजनैतिक दलों के जन प्रतिनिधि व सामाजिक पदाधिकारी एक ही मंच पर बैठकर समग्र कूर्मि समाज विकास के लिए एकत्र होकर विचार मंथन किये। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के 24 फिरकों के केन्द्रीय अध्यक्ष/ समाज प्रमुखों के अतिरिक्त कूर्मि सर्वश्री एल.पी. पटेल (राष्ट्रीय अध्यक्ष), कूर्मि व्ही. एस. निरंजन (राष्ट्रीय महासचिव), कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर (महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष) कूर्मि विजय बघेल सांसद व प्रदेश अध्यक्ष -छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि -क्षत्रिय समाज, कूर्मि रामखिलावन पटेल, विधायक व प्रदेश अध्यक्ष-म.प्र.कूर्मि -क्षत्रिय समाज, कूर्मि रामसिंह पटेल, जिला युवा अध्यक्ष जबलपुर सहित विभिन्न क्षेत्रों के समाज प्रमुख अपने अन्य पदाधिकारियों के साथ उपस्थित रहे। इस कूर्मि महाधिवेशन में बतौर अतिथि माननीय कूर्मि भूपेश बघेल(मुख्यमंत्री,छ.ग. शासन), महामहिम कूर्मि रमेश बैस (राज्यपाल त्रिपुरा), कूर्मि धरम लाल कौशिक (नेता प्रतिपक्ष ,छत्तीसगढ़ विधानसभा), कूर्मि छाया वर्मा (राज्यसभा सांसद), कूर्मि सतीशचंद्र वर्मा (महाधिवक्ता ,छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय), कूर्मि केसरी लाल वर्मा (कुलपति, रविशंकर वि.वि., रायपुर) एवं सभी नव निर्वाचित स्वजातिय विधायक व सांसदों ने अपनी उपस्थिति प्रदान कर कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया और समाज के मनोबल को संबल प्रदान किए।

कूर्मि महाअधिवेशन के दौरान छत्तीसगढ़ कूर्मि -क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा महामहिम कूर्मि रमेश बैस (राज्यपाल, त्रिपुरा) को सम्मानित करते हुए समाज के प्रबुद्धगण

छत्तीसगढ़ कूर्मि -क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में दिए जाने वाले विशिष्ट सम्मान ''शिखर सम्मान'' से कूर्मि रामाधार कश्यप (पूर्व राज्यसभा सांसद) को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री माननीय कूर्मि भूपेश बघेल सम्मानित करते हुए

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के 25 वर्ष (रजत जयंती) के अवसर पर चेतना मंच की ओर से डाक टिकट जारी करते हुए महामहिम कूर्मि रमेश बैस (राज्यपाल त्रिपुरा) एवं समाज के गणमान्य पदाधिकारीगण

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों का कार्यकाल-विवरण

क्रं.	अवधि	प्रदेशाध्यक्ष	प्रदेश उपाध्यक्ष	प्रदेश महासचिव	प्रदेश कोषाध्यक्ष
1	1993-2000	कूर्मि एल.पी.चन्द्राकर	कूर्मि सर्वश्री सीताराम कश्यप, स्वतंत्र कुलमित्र	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि के.एल.गहलोत
2	2001-2003	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक
3	2003-2005	कूर्मि राधेश्याम रायसागर	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, श्रीमती उषा चन्द्राकर	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक
4	2005-2007	कूर्मि जगदीश कौशिक	कूर्मि सर्वश्री सिद्धेश्वर पाटनवार, श्रीमती सविता गवेल	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर
5	2008-2011	कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, बिसुन कश्यप	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि एल.के.गहवई
6	2011-2014	कूर्मि डॉ. हेमन्त कौशिक	कूर्मि सर्वश्री बी.आर.कौशिक, राजेन्द्र चन्द्राकर	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि जनक राम वर्मा
7	2014-2017	कूर्मि बी.आर.कौशिक	कूर्मि सर्वश्री डॉ. निर्मल नायक, राजेन्द्र चन्द्राकर, श्रीमती नदंनी पाटनवार	कूर्मि जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि मोहन कश्यप
8	2017-2020	कूर्मि डॉ. निर्मल नायक	कूर्मि सर्वश्री रंजना वर्मा, डॉ. बी.पी. चंद्रा, प्रदीप कौशिक	कूर्मि डॉ.जीतेन्द्र सिंगरौल	कूर्मि सुखनंदन कौशिक

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच की प्रमुख उपलब्धियाँ

- चेतना मंच के प्रथम महिला प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2008-2011) **कूर्मि श्रीमती लताऋषि चन्द्राकर**, वर्तमान में राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष,अ.भा.कू.क्ष.महासभा के लगातर तीन कार्यकाल सफलता पूर्वक संपादित कर रही हैं ।
- चेतना मंच के कर्मचारी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक (2005-2008) **कूर्मि ललित बघेल**, वर्तमान में राष्ट्रीय संगठन सचिव, अ.भा.कू.क्ष.महासभा के पद पर समाज-एकीकरण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं ।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2003 -20011) **कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल**, वर्तमान में प्रदेश महासिचव छ.ग.कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच, अंतर्राष्ट्रीय उपलब्धि-भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में जापान भ्रमण (2011), चीन भ्रमण (2012), राष्ट्रीय उपलब्धियाँ-इंदिरागांधी राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कार भारत शासन (2000-01), राष्ट्रीय युवा पुरस्कार(2007-08),राष्ट्रीय ग्रामीण प्रतिभाग खोज विजेता, म.प्र. शासन (1992-96)।
- चेतना मंच के युवा प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष (2011-2014) **कूर्मि अमित बघेल**, वर्तमान में छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के प्रमुख जिम्मेदारी निभाते हुए छत्तीसगढ़ के अस्मिता एवं स्वाभिमान की रक्षा कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के पूर्व जिला अध्यक्ष महासमुन्द(2008-2011)**कूर्मि श्रीमती तारा चन्द्राकर**,वर्तमान में प्रदेशाध्यक्ष (म. प्रकोष्ठ), छ.ग.प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज के रूप में महिलाओं में चेतना जागृति हेतु कार्य कर रही हैं ।
- चेतना मंच के प्रदेश सांस्कृतिक प्रकोष्ठ संयोजक (2005 -2008) **कूर्मि बलराम चन्द्राकर,** वर्तमान कवि के रूप में साहित्य साधना करते हुए कूर्मि समाज में विभिन्न भूमिका निभाते हुए समाज विकास कार्य कर रहे हैं ।
- चेतना मंच के प्रशिक्षित कार्यकर्ता / पदाधिकारी समाज सेवा के क्षेत्र में विभिन्न मंचों में पुरस्कृत हुए हैं और प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कूर्मि संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन कर रहे हैं ।
- कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के सफल प्रकाशन पर 44 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन, शिरडी (महाराष्ट्र) के मंच से **कूर्मि बी.आर. कौशिक** (प्रधान सम्पादक-कूर्मि चेतना पंचाग) को स्मृति चिन्ह, साल व श्रीफल देकर सम्मानित किया गया ।
- कूर्मि पुरोहित तैयार करने हेतु अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा द्वारा 44 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन, शिरडी में प्रशिक्षत पुरोहितों **कूर्मि पुरुषोत्तम कश्यप** एवं **कूर्मि हरप्रसाद सिंगरौल** (पुरोहित द्वय) का सम्मान किया गया ।
- जबलपुर जिला कूर्मि समाज द्वारा सामूहिक विवाह सम्पन्न कराने वाले 5 कूर्मि पुरोहितो को सम्मानित किया गया।

कूर्मि दाऊ ढालसिंह दिल्लीवार

जन्म : 27 नवम्बर

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच — जियो और जीने दो — पंजीयन क्रमांक 37 छ.ग. राज्य

मार्गशीर्ष प्रारंभ ता. 20 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

नवम्बर- 2021

नेक लोगों की संगत से हमेशा भलाई ही मिलती है क्योंकि जब हवा फूलों से गुजरती है तो वह भी खुशबूदार हो जाती है। - तथागत बुद्ध

हेमन्त ऋतु

जन्मदिन

1 नवम्बर
कूर्मि जगदीश कौशिक
पूर्व प्रदेशाध्यक्ष–छ.ग. कूर्मि–क्षत्रिय चेतना मंच

21 नवम्बर
कूर्मि आनंदी बेन पटेल
महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

गृह प्रवेश

6 नवम्बर 6.09 सुबह से 11.39 रात्रि तक
10 नवम्बर 8.25 सुबह से 3.42 दोपहर तक
20 नवम्बर 6.17 सुबह से
21 नवम्बर 6.18 सुबह तक
22 नवम्बर 6.18 सुबह से 10.44 सुबह तक
29 नवम्बर 6.23 सुबह से 9.42 रात्रि तक

पंचक

12 नवम्बर, शुक्रवार 2.52 रात्रि से
16 नवम्बर, मंगलवार 8.15 रात्रि तक

विवाह मुहूर्त

15, 16, 20, 21, 26, 27, 28, 29, 30

मूल

6 नवम्बर, शनिवार 11.39 रात्रि से 8 नवम्बर, सोमवार 6.49 सायं तक
15 नवम्बर, सोमवार 6.09 सायं से 17 नवम्बर, बुधवार 10.43 रात्रि तक
25 नवम्बर, गुरुवार 6.50 सायं से 27 नवम्बर, शनिवार, 9.43 रात्रि तक

गृह प्रवेश - 1, 10, 12, 15, 19, 25, 29

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

सोम MONDAY	कार्तिक कृष्ण 11 — **1** — पू.फा.; छ.ग. राज्य स्थापना दिवस; हरियाणा, मध्यप्रदेश, आंध्रा, केरल, कर्नाटक स्थापना दिवस; रमा एकादशी	कार्तिक शुक्ल 4 — **8** — मूल; विश्व रेडियोग्राफर दिवस	कार्तिक शुक्ल 11 — **15** — उ.भा.; झारखण्ड स्थापना दिवस; देवउठनी एकादशी; बिरसामुण्डा जयंती; कालीदास एवं नामदेव जयंती	मार्गशीर्ष कृष्ण 3 — **22** — मृगशिरा	मार्गशीर्ष कृष्ण 10 — **29** — उ.फा.
मंगल TUESDAY	कार्तिक कृष्ण 12 — **2** — उ.फा; धनतेरस, प्रदोष व्रत; राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस	कार्तिक शुक्ल 5 — **9** — पू.आ.; पांडव जयंती; लाभ पंचमी; विश्व उर्दू दिवस; विधिक सेवा दिवस; गुरुगोविंद सिंह पुण्यतिथि	कार्तिक शुक्ल 12 — **16** — रेवती; तुलसी विवाह, प्रदोष व्रत, वृश्चिक संक्रांति; विश्व शांति एवं पत्रकारिता दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 4 — **23** — आर्द्रा; गणाधिपति संकष्टी चतुर्थी; सत्य साईं जयंती	मार्गशीर्ष कृष्ण 11 — **30** — हस्त; उत्पन्ना एकादशी; गुरुनानक जयंती
बुध WEDNESDAY	कार्तिक कृष्ण 13, 14 — **3** — हस्त; काली चौदस; दीपावली (दक्षिण भारतीय)	कार्तिक शुक्ल 6 — **10** — उ.आ.; विश्व विज्ञान दिवस; राष्ट्रीय परिवहन दिवस; छठ पूजा	कार्तिक शुक्ल 13 — **17** — अश्विनी; वैकुण्ठ चतुर्दशी; अन्तर्राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 5 — **24** — पुनर्वसु; गुरुतेग बहादुर शहीदी दिवस	**ऐच्छिक अवकाश** 3 दीपावली (दक्षिण भारतीय); 5 गोवर्धन पूजा; 6 भाई दूज; 11 भगवान सहस्त्रबाहु जयंती; 15 नामदेव जयंती; 24 गुरुतेग बहादुर का शहीदी दिवस; 25 डॉ. सैय्यदना साहब का जन्म दिवस
गुरु THURSDAY	कार्तिक कृष्ण 15 — **4** — चित्रा; दीपावली, कार्तिक अमावस्या; महर्षि दयानंद निर्वाण दिवस	कार्तिक शुक्ल 7, 8 — **11** — श्रवण; राष्ट्रीय फाईलेरिया दिवस; राष्ट्रीय शिक्षा दिवस, स्मरण दिवस; गोपाष्टमी; भगवान सहस्त्रबाहु जयंती	कार्तिक शुक्ल 14 — **18** — भरणी; मणिकर्णिका स्नान, देव दीवाली	मार्गशीर्ष कृष्ण 6 — **25** — पुष्य; अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस; डॉ. सैय्यदना का शहीदी दिवस	**शासकीय अवकाश** 4 दीपावली; 10 छठ पूजा; 19 गुरुनानक जन्म दिवस
शुक्र FRIDAY	कार्तिक शुक्ल 1 — **5** — स्वाति; इष्टि, गोवर्धन पूजा; विश्व सुनामी जागरूकता दिवस; विश्व बालचीत दिवस	कार्तिक शुक्ल 9 — **12** — धनिष्ठा; अक्षय / आवला नवमी; विश्व निमोनिया दिवस	कार्तिक शुक्ल 15 — **19** — कृत्तिका; रानी लक्ष्मी बाई जयंती, इंदिरा गांधी जयंती; विश्व शौचालय दिवस कार्तिक पूर्णिमा; गुरुनानक जयंती	मार्गशीर्ष कृष्ण 7 — **26** — अश्लेषा; कानून दिवस; राष्ट्रीय संविधान दिवस; डॉ. हरीसिंह गौर जयंती	**याददाश्त**
शनि SATURDAY	कार्तिक शुक्ल 2 — **6** — अनुराधा; चन्द्र दर्शन, भैय्या दूज	कार्तिक शुक्ल 10 — **13** — शतभिषा; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; कंस वध; विश्व दयालुता दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 1 — **20** — रोहिणी; कार्यालयीन अवकाश; इष्टि; विश्व सार्वभौम बाल दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 8 — **27** — मघा; बैंक अवकाश; काल भैरव जयंती; दाऊ ढालसिंह दिल्लीवार जन्मदिन	
रवि SUNDAY	कार्तिक शुक्ल 3 — **7** — ज्येष्ठा; शिशु संरक्षण दिवस; राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस; विश्वामित्र जयंती	कार्तिक शुक्ल 11 — **14** — पू. भा.; भीष्म पंचक प्रारम्भ विश्व मधुमेह दिवस; पं. नेहरू जयंती, बाल दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 2 — **21** — मृगशिरा; विश्व दर्शन तत्व दिवस, विश्व मछुआरा दिवस; विश्व दूरदर्शन दिवस	मार्गशीर्ष कृष्ण 9 — **28** — पू.फा.; ज्योतिबा फुले पुण्यतिथि	

समस्त स्वजातिय बंधुओं को सादर अभिवादन

कूर्मि ममता कश्यप
भूतपूर्व पार्षद-वार्ड क्रमांक 05
अयोध्या नगर, न.पा.नि., बिलासपुर

कूर्मि भरत कश्यप
पार्षद-वार्ड क्रमांक 19
कस्तूरबा नगर
न.पा.नि., बिलासपुर
मो. : 9300588889

श्री साँई कन्सलटेन्सी
गांधीनगर चौक (अमेरी रोड) नेहरू नगर बिलासपुर (छ.ग.) 495001

कूर्मि रोहित कौशिक
प्रदेश कोषाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 9907968813

कूर्मि सुनंदा कौशिक
संभागीय सचिव- महिला प्रकोष्ठ छ.ग.कू.-क्ष. चे.मं.
मो. : 7697274333

समस्त स्वजातिय बन्धुओं को सादर नमन...

दिशा कम्प्यूटर्स
डिजिटल सेवा केन्द्र
ग्रामीण चॉईस सेंटर
लोक सेवा केन्द्र
AISECT — Digital India — CSC

कूर्मि गणेश कौशिक 7509603827
कूर्मि नीलकंठ कौशिक 9589972127
महामाया चौक, देवतरा, तखतपुर, बिलासपुर (छ.ग.)
E-mail-ganesh8angel@gmail.com

दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ....

रविन्द्र एसोसियट
भवन निर्माण एवं अर्थ मूविंग वर्क
कूर्मि रविन्द्र पाटनवार
बाजार चौक, यनुनंदन नगर, तिफरा, बिलासपुर
मो. : 9753311111, 8223000001

स्व. श्रीमती कदम कश्यप (माताजी); कूर्मि कृष्ण प्रसाद कश्यप (पिताजी); किशन कुमार कश्यप बीएससी; अभिषेक कश्यप कक्षा-9 वीं; अभिजीत कश्यप कक्षा-7 वीं; कूर्मि चमेली कश्यप

कूर्मि लक्ष्मी कुमार कश्यप
पिता-कूर्मि कृष्ण प्रसाद कश्यप
आजीवन सदस्य-छत्तीसगढ़ कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच

मे. लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स
शनिचरी बाजार, रतनपुर (बिलासपुर)
ट्रॉली, टेंकर, कृषि यंत्र के निर्माता एवं विक्रेता
मे. लक्ष्मी फ्लाई एवं ब्रिक्स
भरवीडीह
उच्च क्वालिटी के एशब्रिक्स के निर्माता एवं विक्रेता

संबंधित प्रतिष्ठान
कश्यप हालर एस फ्लोरमील भरवीडीह
मे. लक्ष्मी इंजीनियरिंग
डी-वर्ग, शासकीय पंजीकृत ठेकेदार एवं बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर

निवासी-ग्राम भरवीडीह, रतनपुर, जिला-बिलासपुर (छ.ग.) मो. : 8770367597, 9754185533

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001
छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच
पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com
94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

होड़ा चक्र, गुण बोधक चक्र, वर्ण ज्ञान चक्र व मेडिकल कुण्डली मिलान तालिका

होड़ा चक्र

चक्र के द्वारा जन्म समय के नक्षत्र से या जन्म समय में रखे नाम के प्रथम अक्षर से अपनी राशि, वर्ण, वश्य, योनि, राशि-स्वामी, गण तथा नाड़ी मालूम किया जाता है ।

अक्षर	नक्षत्र	राशी	वर्ण	वश्य	योनि	राशि स्वामी	गण	नाड़ी
चू.चे. चो.ला.	अश्व	मेष	क्षत्री	चतु.	अश्व	मंगल	देव.	आदि
ली.लू. ले.लो.	भरणी	मेष	क्षत्री	चतु.	गज	मंगल	मनु	मध्य
अ.ई. उ.ए.	कृति	मे.1 वृ.3	क्ष.1 वै.3	चतु.	मेष	मं.1 शु.3	राक्षस	अंत्य
ओ.वा. वी.दु.	रोहिणी	वृष	वैश्य	चतु.	सर्प	शुक्र	मनु .	अंत्य
वे.वो. का.की.	मृग	वृ.2 मि.2	वै.2 शू.2	च.2 न.2	सर्प	श.2 बु.2	देव.	मध्य
कु.ध. ड.छ.	आर्द्रा	मिथुन	शुद्र	नर	श्वान	बुध	मनु .	आदि
के.को. हा.ही.	पुनर्वसु	मि.3 क.1	शू. 3 ब्रा.1	न. 3 ज.1	मार्जार	बु.3 चं.1	देव.	आदि
हू.हे. हो.डा.	पुष्य	कर्क	ब्राम्हा.	जल.	मेष	चंद्र	देव.	मध्य
डी.डु. डे.डो.	आश्ले	कर्क	ब्राम्हा.	जल.	मार्जार	चंद्र	राक्षस	अंत्य
मा.मी. मु.मे.	मघा	सिंह	क्षत्री	वन.	मूषक	सूर्य	राक्षस	अंत्य
मो.टा. टी.टू.	पू.फा.	सिंह	क्षत्री	वन.	मूषक	सूर्य	मनु .	मध्य
टे.टो. पा. पी.	उ.फा.	सिं.1 क. 3	क्ष.1 वै. 3	व.1 न. 3	गौ	सू.1 बु.3	मनु .	आदि
पू.षा. ण.ठ.	हस्त	कन्या	वैश्य	नर	महिष	बुध	देव.	आदि
पे.पो. रा.री.	चित्रा	क.2 तु.2	वै.2 शू.2	नर	व्याघ्र	बृ. 2 शु. 2	राक्षस	मध्य
रू.रे. रो.ता.	स्वा	तुला	शुद्र	नर	महिष	शुक्र	देव.	अंत्य
ती.तू. ते.तो.	विशा.	तु.3 वृ.1	शू.3 ब्रा.1	न.3 की.1	व्याघ्र	शु.3 मं.1	राक्षस	अंत्य
ना.नी. नू.ने.	अनु.	वृश्चि.	ब्राम्हा.	कीट	मृग	मंगल	देव.	मध्य
नो.या. यि.यू.	ज्ये.	वृश्चि.	ब्राम्हा.	कीट	मृग	मंगल	राक्षस	आदि
ये.यो. भा.भी.	मूल	धनु	क्षत्री	नर	श्वान	बृह	राक्षस	आदि
भू.धा. फा.ढा.	पू.षा.	धनु	क्षत्री	न.1 च.3	वानर	बृह	मनु .	मध्य
भे.भो. जा.जी.	उ.षा.	ध.1 मं.3	क्ष.1 वै.3	चतु.	नकुल	बृ.1 श.3	मनु .	अंत्य
खी.खू. खे.खो.	श्रवण	मकर	वैश्य	च.1.5 ज.2.5	वानर	शनि	देव.	अंत्य
गा.गी. गू.गे.	धनि.	मं.2 कु.2	वै.2 शू.2	ज.2 न.2	सिंह	शनि	राक्षस	मध्य
गो.सा सी.सू.	शत.	कुम्भ	शुद्र	नर	अश्व	शनि	राक्षस	आदि
से.सा. दा.दी.	पू.भा.	कुं.3 मी.1	शू.3 ब्रा.1	न.3 ज.1	सिंह	श.3 बृ.1	मनु .	आदि
दू.थ. झ.त्र.	उ.भा.	मीन	ब्राम्हा.	जल.	गौ	बृह	मनु .	मध्य
दे.दो. चा.ची.	रेवती	मीन	ब्राम्हा.	जल.	गज	बृह	देव.	अंत्य

1. वर्ण के गुण

(कन्या ↓ वर →)

	ब्रा.	क्ष	वै.	शू.
ब्राह्मण	1	0	0	0
क्षत्रिय	1	1	0	0
वैश्य	1	1	1	0
शूद्र	1	1	1	1

2. वश्य के गुण

कन्या \ वर	च.	मा.	ज.	व.	की.
चतुष्पद	2	1	1	0	1
मानव नर	1	2	1	0	1
जल चर	1	1	2	1	1
वनचर	0	0	1	2	0
कीट	1	1	1	0	2

विवाह गुण मिलान
वर-वधु के अधिकतम 36 गुण होते हैं; जिसमें निम्नांकित गुण के आधार पर विवाह अनुशंसित है
27 गुण ≥ उत्कृष्ठ, 18 गुण ≥ शुभ
18 गुण < विचारणीय

3. तारा के गुण

कन्या \ वर	1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
2	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
3	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
4	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
5	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
6	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
7	1.5	1.5	0	1.5	0	1.5	0	1.5	1.5
8	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3
9	3	3	1.5	3	1.5	3	1.5	3	3

तारा देखने की विधि:-कन्या के नक्षत्र से वर के नक्षत्र तक व वर नक्षत्र से कन्या के नक्षत्र तक गिनकर 9 का भाग देने पर शेष 3, 5, 7 अंक ही तारा है ।

4. योनि के गुण

कन्या \ वर	अ.	ग.	मे.	स.	श्वा	मा.	मू.	गौ.	म.	व्या.	मृ.	वा.	न.	सिं.
अश्व	4	2	3	2	2	3	3	3	0	1	3	2	2	1
गज	2	4	3	2	2	3	3	3	3	1	3	2	2	0
मेष	3	3	4	2	2	3	2	3	3	1	3	0	3	1
सर्प	2	2	2	4	2	1	1	2	2	2	2	2	0	2
श्वान	2	2	2	2	4	1	1	2	2	1	0	2	2	1
मार्जार	3	3	3	1	1	4	0	2	2	1	2	2	2	2
मूषक	3	2	2	2	1	0	4	2	2	2	2	2	2	1
गौ	3	2	3	1	2	2	2	4	3	0	2	2	3	1
महिष	0	3	3	2	2	2	2	3	4	1	2	2	2	3
व्याघ्र	1	2	1	2	1	1	2	0	1	4	1	1	2	2
मृग	3	3	3	2	0	2	2	3	2	1	4	2	2	2
वानर	2	3	0	2	2	2	2	2	2	1	2	4	2	3
नकुल	2	2	3	0	2	2	2	2	2	2	2	2	4	2
सिंह	1	0	1	2	1	2	1	1	3	2	2	2	2	4

5. ग्रह मैत्री के गुण

कन्या \ वर	सू.	च.	मं.	बु.	गु.	शु.	श.
सूर्य	5	5	5	4	5	0	0
चन्द्र	5	5	4	1	4	0.5	0.5
मंगल	5	4	5	0.5	5	3	0.5
बुध	4	1	0.5	5	.5	5	4
गुरू	5	4	5	0.5	5	0.5	3
शुक्र	0	0.5	3	5	0.5	5	5
शनि	0	0.5	0.5	4	3	5	5

6. गण मैत्री के गुण

कन्या \ वर	दे.	म.	रा.
देवता	6	5	1
मनुष्य	6	6	0
राक्षस	0	0	6

3	2 1 12	11
4		10
5	6 7 8	9

7. भटुक के गुण

कन्या \ वर	मे.	वृ.	मि.	क.	सिं.	कं.	तु.	वृ.	ध.	म.	कुं.	मी.
मेष	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0
वृष	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7
मिथुन	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0	7
कर्क	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0	0
सिंह	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7	0
कन्या	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0	7
तुला	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0	0
वृश्चिक	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7	0
धनु	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7	7
मकर	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0	7
कुम्भ	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7	0
मीन	0	7	7	0	0	7	0	0	7	7	0	7

नैसर्गिक ग्रह मैत्री चक्र

सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	ग्रह
चं.मं.बृ.	सू.बु.	सू.चं.बृ.	सू.शु.	सू.चं.मं.	बु.शु.	बु.शु.	मित्र
बुध	मं.बृ.शु.श.	शु.श.	मं.बृ.श.	शनि	मं.बृ.	बृह	सम
शु.श.	0	बुध	चंद्र	बु.शु.	सू.चं.	सू.चं.मं.	शत्रु

कुंडली में मंगलादि का विचार :- 1, 4, 7, 8 व 12वें स्थान में मंगल होने से मंगली कहलाती है। यह दोष वर की कुंडली में हो तो स्त्री को और स्त्री के में हो तो पति को अनिष्टकारक होता है । यदि दोष दोनों की कुंडली में हो तो दोष नहीं माना जाता है। इसी प्रकार इन स्थानों में शनि, राहु, केतु व सूर्य का भी विचार योग्य है। चंद्र कुंडली से भी उपरोक्त स्थानों में मंगल आदि का योग विचारणीय योग्य होता है ।

8. नाड़ी के गुण

कन्या \ वर	आ.	म.	अं.
आदि	0	8	8
मध्य	8	0	8
अन्त्य	8	8	0

इति (1) वर और कन्या का गण एक हो तो उत्तम प्रीति रहती है। राशियों में मैत्री हो तो गणदि दुष्ट रहने पर भी विवाह सामान्य रूप से संतोषप्रद होता है। (2) वर और कन्या दोनों की राशि के स्वामी एक ही ग्रह हो अथवा दोनों के राशियों में मैत्री हो और नाड़ी नक्षत्र शुद्ध रहें तो दुष्ट भटुक में भी विवाह शुभ होता है। (3) वर और कन्या की एक राशि हो और नक्षत्र में चरण भेद हो तो नाड़ी दोष और गण दोष नहीं होते हैं। (4) ब्राम्हणों को नाड़ी दोष, क्षत्रियों को वर्ण दोष, वैश्यों को गण दोष और अन्य को योनि दोष होता है। (5) यदि भटुक दोष न हो तो 20 गुण मिलने पर मध्यम और अधिक मिलें तो श्रेष्ठ हैं परन्तु दुष्ट भटुक में 25 गुण तक मध्यम और ऊपर श्रेष्ठ समझना चाहिए। शुभ भटुक में 16 गुण से कम हों और दुष्ट भटुक में 20 गुण से कम हों तो विवाह के लिए विचार नहीं किया जाना चाहिए।

विवाह संबंधी गुण मिलान तथा विशेष ध्यान देने योग्य बातें

वर एवं कन्या का कुण्डली मिलान - वर व कन्या के गुणों का मिलान जन्म नक्षत्र और राशि नाम से करना चाहिए। यदि जन्म पत्रिका नहीं है तो दोनों के प्रचलित नामों से भी गुणों का मिलान कर सकते हैं। इस तरह के मिलान से दोनों में से किसी की भी पत्रिका का उपयोग नहीं करें तथा विवाह का मुहूर्त भी प्रचलित नाम से ही निकलवाएं। यदि दोनों पक्ष पत्रिका के मिलान अथवा प्रचालित नाम से भी मिलान के पक्ष में न हों तो अपने-अपने इष्ट देव का स्मरण कर सम्बंध पक्का कर लेना चहिए। जन्म पत्रिका के मिलान में कुल 36 गुण होते है अतएव 18 गुण ऊपर मिलने पर शुभ तथा 29 गुणों के मिलने पर अति शुभ माना जाता है।

विशेष ध्यान देने योग्य अन्य बातें :- (1)वर-कन्या का एक ही गण हों तो उनमें अच्छी मैत्री होती हैं। राशि में मैत्री हो तो दुष्ट गणादि को भी शुभ माना गया है। (2) वर-कन्या के राशि स्वामी एक ही ग्रह हो अथवा दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता हो तथा नाड़ी नक्षत्र शुद्ध हों तो दुष्ट भटुक भी शुभ माना जाता है। (3)वर-कन्या की एक ही राशि हो और नक्षत्र भिन्न-भिन्न हो या एक ही नक्षत्र में चरण भेद हो तो नाड़ी के गुण दोष को नहीं माना जाता है। (4) बाह्मणों को नाड़ी दोष, क्षत्रियों को वर्ण दोष, वैश्यों को गण दोष तथा अन्य को योनि दोष माना जाता है। (5) तीन ज्येष्ट (ज्येष्ठ वर, ज्येष्ठ कन्या तथा ज्येष्ठ मास)में विवाह वर्जित है तथा दो ज्येष्ठ मध्यम हैं। (6) सहोदय वरों का सहोदर कन्याओं से विवाह कहीं-कहीं अमान्य हैं।

विवाह सम्यक महत्वपूर्ण बातें :- (1.) कन्या वरण मुहूर्त-दोष रहित दिनों व तिथियों में उतराषाढ़, स्वाति ,श्रवण, तीनों पूर्वा, अनुराधा, धनिष्ठा, कृतिका अथवा विवाह विहित नक्षत्रों में आभूषण, वस्त्र और फल, पुष्पों से कन्या का वरण अपने कुलाचार अनुसार करें। (2.) वर वरण - कन्या का सहोदर (भाई) अथवा कुटुम्ब का अन्य या ब्राह्मण शुभ दिन में बाजा आदि साथ लेकर वस्त्र, यज्ञोपवीत, अलंकरण आदि से शुभ दिन में ध्रुवसंज्ञक, कृतिका या तीनों पूर्वा नक्षत्रों में वर का तिलक करके वर वरण करें। (3.) वाग्दान के पश्चात यदि कन्या या वर की तीन पीढ़ी में किसी की मृत्यु हो जाये तो एक माह बाद विवाह करना चाहिए और सूतक की निवृति होने पर शांति करके विवाह करने से कोई दोष नहीं होता है। (4.) वैवाहिक कार्यक्रम प्रारम्भ होने के पश्चात तीन पीढ़ी के अन्दर किसी की मृत्यु हो जावे तो वर अथवा कन्या तथा उनके माता-पिता को अशौच नहीं लगता है। इस स्थिति में निर्धारित समय और मुहूर्त में ही विवाह संपादित किया जाना चाहिए।

विवाह पूर्व सिकल सेल कुण्डली मिलान कर शादी करें

सिकल सेल एनीमिया एक अनुवांशिक रोग है; जो माता-पिता से बच्चों में आता है । सिकल सेल बीमारी का समाज में प्रसार को रोकने के लिये विवाह पूर्व स्त्री एवं पुरूष दोनों का सिकलिंग टेस्ट कराएं एवं विवाह पूर्व दर्शित सिकल सेल कुंडली / मेडिकल कुण्डली मिलाएं-

नोट- AA (सामान्य)
AS (सिकल सेल वाहक)
SS (सिकल सेल रोगी)

9. सिकलसेल कुंडली मिलान

क्रं.	वर	वधु	विवाह संबंधी सलाह
1.	AA	AA	विवाह करें
2.	AA	AS	विवाह करें
3.	AS	AA	विवाह करें
4.	AA	SS	विवाह करें
5.	SS	AA	विवाह करें
6.	AS	AS	विचार करें
7.	AS	SS	विवाह नहीं करें
8.	SS	AS	विवाह नहीं करें
9.	SS	SS	विवाह नहीं करें

गुण बोधक चक्र मिलान का तरीका-तालिका अनुसार नक्षत्र के नाम अनुसार पंक्ति में वर तथा कालम में कन्या के सामने का मिलान बिंदू के अंक ही वर कन्या के गुणों का मिलान की संख्या है । उदाहरण-यदि वर का नक्षत्र रोहिणी और कन्या का पुष्य नक्षत्र है तो दोनों का मिलान बिंदू 25 होता है। अतः 25 वर-वधु का गुण मिलान हुआ ।

नक्षत्र

(कन्या ↓ वर →)

नक्षत्र	अश्विनी	भरणी	कृतिका 1	कृतिका 3	रोहिणी	मृगशिरा 2	मृगशिरा 2	आर्द्रा	पुनर्वसु 3	पुनर्वसु 1	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू. फा. 1	उ. फा 1	उ. फा 3	हस्त	चित्रा 2	चित्रा 2	स्वाती	विशाखा 3	विशाखा 1	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पू. षा.	उ. षा. 1	उ. षा. 3	श्रवण	धनिष्ठा 2	धनिष्ठा 2	शतभिषा	पू. भा. 3	पू. भा. 1	उ. भा.	रेवती
अश्विनी	28	33	28.5	18.5	21.5	22.5	26	17	18	22.5	31.5	27	21	26	16.5	11	9	13	22.5	26.5	22.5	19.5	26.5	15	13	26	24.5	26	26	21	21	15	16	14.5	24.5	26
भरणी	34	28	29	19	22.5	14.5	18	26	26	30.5	23.5	24.5	20.5	18.5	26.5	21.5	20	5	14.5	29.5	22.5	19.5	17.5	19.5	20	19	27	28.5	27	10	10	20	24	22.5	17.5	28
कृतिका 1	27.5	29	28	20	10	18.5	22	20	22	26.5	27.5	23.5	16	19.5	20.5	15.5	16.5	18	27.5	16.5	19.5	16.5	21.5	26.5	24.5	18	14	15.5	12.5	25	25	27	19.5	17.5	19.5	12.5
कृतिका 3	18.5	20	19	28	21	26.5	19.5	17.5	18.5	22	24	20	18	21.5	22.5	21	21	23.5	22.5	11.5	14.5	21.5	26.5	31.5	20	13.5	9	14	11	23.5	29.5	31.5	23.5	20	22	14
रोहिणी	23.5	23.5	10	19	28	36	27	23.5	23.5	27	27	13	12.5	26.5	27.5	25	26	20	19	15.5	9.5	16.5	30.5	24.5	14	20	11.5	16	18	20	26	24.5	30.5	27	27	19
2 मृगशिरा	23.5	14.5	18.5	27.5	35	28	19	24	23.5	27	20	22	20	15.5	25	23.5	26	13	12	25	17.5	23.5	22.5	25.5	15	11	17	21.5	26	12.5	19	27	29.5	26	17	27
2 मृगशिरा	27	18	22	18.5	27	20	28	33	31.5	19.5	12	15.5	23.5	20.5	27.5	30.5	34	21	14	27	20.5	14	12	14	23	19	25	21.5	26	13	14	22	24.5	26.5	17	27
आर्द्रा	19	27	21	18.5	24.5	26	34	28	25	13	20.5	13.5	22.5	28.5	21.5	24.5	24.5	27	20	27	20	13.5	17	3	16	28	28	23.5	23.5	18	19	12	17	19.5	27	27
पुनर्वसु 3	19	26	23	20.5	23.5	24.5	32.5	24	28	16	23	17.5	22.5	26.5	20.5	23.5	24.5	26.5	19.5	27	21	14.5	20.5	6	14	27	27	22.5	23.5	18.5	19.5	11	17	19.5	27.5	28
पुनर्वसु 1	21.5	28.5	23.5	22	25	26	19	10.5	14.5	28	35	28.5	16.5	20.5	14.5	17	19	20.5	19.5	27	21	20	26	11.5	8	21	21.5	26	27	22	12.5	7	11	17	25	25.5
पुष्य	30.5	21.5	26.5	23	25	18	12	18	21.5	35	28	30	18.5	14.5	23.5	26	27	12	11.5	26.5	21	20	19	22	17	11	22.5	27	25	13	4.5	14.5	18	24	18	27
आश्लेषा	26	23.5	22.5	19	12	21	14.5	12	16	28.5	30	28	15	15.5	17.5	20	20.5	25	24.5	11.5	16.5	15.5	20	26	22.5	16	7.5	12	12	27	18.5	18.5	12.5	18.5	20	13
मघा	21	19	17.5	17.5	9.5	18.5	22.5	21.5	21.5	16.5	18.5	16.5	28	30	26.5	15.5	16.5	21.5	24.5	11.5	16.5	22.5	25.5	32	24	20	9.5	5.5	6.5	18.5	23.5	24.5	17.5	19.5	19.5	12
पू.फा.	26	18	20	21	23।	15.5	19.5	27.5	26.5	23.5	18.5	17.5	30	28	34	23	21.5	7.5	10.5	24.5	18.5	24.5	22.5	24.5	18	17	25	21	19.5	4.5	9.5	19.5	23.5	24.5	17.5	25.5
उ.फा. 1	17.5	25	20	21	25	23.5	27.5	20.5	20.5	17.5	26.5	19.5	26.5	34	28	18	16	13.5	16.5	25.5	16.5	22.5	31.5	17.5	9.5	25	26	22	21	12.5	17.5	19.5	15.5	16.5	27.5	24.5
उ.फा. 3	13	21.5	16.5	21	25	23.5	30.5	23.5	23.5	19.5	28.5	21.5	17.5	25	19	28	27	24.5	16.5	25.5	16.5	18	28	13	14	29.5	30.5	26	25	16.5	16.5	10.5	14.5	18.5	29	27.5
हस्त	11	20	17.5	22	25	26	33	22.5	23.5	19.5	28.5	22.5	17.5	21.5	16	26	28	28	20	26.5	18.5	20	26	14	15	27	28.5	24	25	21	21	6.5	15.5	18.5	27	28
चित्रा 2	14	6	19	24.5	20	13	20	26	25.5	21.5	13.5	26.5	22.5	8.5	14.5	24.5	28	28	20	20	26.5	28	12	25	27	13	22	17.5	19	17	19	24	17.5	21	11	22
चित्रा 2	23.5	15.5	28.5	23.5	20	13	14	20	19.5	21	13	26.5	25.5	11.5	17.5	17.5	21	21	28	28	34.5	24.5	7.5	22.5	27	13	22	25.5	27	25	19	26	19.5	14	4	15
स्वाती	28.5	29.5	17.5	12.5	15.5	26	27	26	27	28.5	28	14	12.5	24.5	25.5	25.5	27.5	21	28	28	20	10	22.5	17.5	23	27	19	22.5	23.5 ।	29	23	21	27	21	20	13
विशाखा 3	23.5	23.5	20.5	15.5	10.5	19.5	20.5	20	21	22.5	22	18.5	17.5	19.5	17.5	17.5	19.5	27.5	34.5	20	28	18	17	20.5	27	21	14	17.5	17.5	31.5	25.5	26	21	15.5	13.5	7.5
विशाखा 1	17.5	17.5	14.5	19.5	14.5	23.5	13	13.5	13.5	19	19	14.5	21.5	23.5	21.5	18	19	28	22.5	8	17	28	28	31.5	21.5	15.5	9.5	12	12	26	25	25.5	20.5	20.5	18	11.5
अनुराधा	24.5	14.5	19.5	24.5	27.5	20.5	11	16	20.5	25	18	20	24.5	20.5	29.5	26	26	12	7.5	21.5	17	28	28	31	16.5	13.5	22.5	25	26	13	13	21	26.5	25	18	26
ज्येष्ठा	13	17.5	24.5	29.5	22.5	23.5	13	3	5	10.5	21	25	31	12.5	16.5	13	12	25	19.5	15.5	20	31.5	31	28	15	16.5	17.5	20	21	26	26	19	12	10.5	21	21
मूल	12	20	24.5	19	13	14	22	15	13	9.5	18	24	25	18	9.5	13	13	26	26	22	26	23.5	16.5	15	28	28	26.5	15.5	16.5	20.5	28.5	21.5	14.5	16.5	25.5	28
पू.षा.	26	19	18	12.5	19	11	19	27	27	23.5	13	17.5	19	17	25	28.5	27	12	12	27	20	16.5	16.5	18.5	28	28	34	23	24.5	8.5	16.5	23.5	30.5	32.5	23.5	32.5
उ. षा. 1	25.5	27	14	8.5	11.5	18	25	27	27	23.5	24.5	9.5	9.5	25	26	29.5	28.5	21	21	19	13	10.5	24.5	18.5	26.5	34	28	18	16	15.5	23.5	23.5	29.5	31.5	32.5	23.5
उ. षा. 3	28	29.5	16	13	17	22.5	20.5	22.5	22.5	28	28.5	14	5.5	21	22	25.5	25	17	24	22.5	16.5	13.5	28	23	16.5	25.5	19	28	26	26.5	17	17.5	23.5	30.5	31.5	22.5
श्रवण	27	27	13.5	11	17	26	23.5	21.5	22	28	26	15	6.5	18.5	20	23.5	24.5	18.5	25.5	22.5	16.5	14	28	23	17.5	23	16	25	28	30	20.5	18.5	23.5	31.5	30.5	22.5
धनिष्ठा 2	21	10.5	26	23.5	20	13	9.5	16.5	17	23	15	28	18.5	4.5	12.5	16	20.5	16.5	23.5	27.5	30	28	15	28	21	9	16.5	26.5	30	28	18.5	23.5	19	26.5	15.5	22.5
धनिष्ठा 2	21	11	26	30.5	27	20	13	19	19.5	15	5	20	24.5	10.5	18.5	17.5	22.5	18	19	23	25.5	26	13	26	29.5	17.5	24.5	18.5	22	20	28	33	28.5	18.5	7.5	15
शतभिषा	16	21	28	32.5	25	28	21	12	13	8.5	15.5	20	25.5	19.5	12.5	11.5	10.5	25	26	21	26	27.5	22	19	22.5	24.5	24.5	18.5	19	25	33	28	19	8.5	17.5	17
3 पू. भा.	18	25	20	24.5	31	31.5	24.5	17	18	13.5	21	14	18.5	24.5	16.5	15.5	17.5	18.5	19.5	28	21	21.5	27.5	12	15.5	31.5	30.5	24.5	25	20.5	28.5	19	28	18	23	20.5
1 पू. भा.	14.5	21.5	16.5	19	26	26	25.5	18	19	18	26	18.5	16.5	22.5	14.5	16.5	18.5	19.5	12.5	21	14	21	27	11.5	15	31	30	29.5	30.5	25.5	17	7.5	16.5	28	33	30.5
उ. भा.	24.5	15.5	18.5	21	25	17	16.5	25.5	27	26	19	20	17.5	15.5	25.5	27.5	26.5	9.5	2.5	19.5	12.5	19	20	22	24	22	31.5	30.5	29.5	14.5	6	16	21.5	33	28	34
रेवती	25	24.5	11.5	14	17	26	25.5	24.5	25.5	24.5	27	13	12	22.5	23.5	25.5	26.5	20.5	13.5	11.5	5.5	12.5	27	22	26.5	30	21.5	20.5	22.5	22.5	14	16	18	29.5	34	28

कूर्मि चेतना अंक - 7

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

29 दिसम्बर 1894 अखिल भारतीय कूर्मि क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस

पौष प्रारंभ ता. 20 से

विक्रम संवत् 2078
शक संवत् 1943

दिसम्बर - 2021

इस सृष्टि में ऐसी कोई संपति नहीं है, जो मन की शांति से बड़ी हो।
- तथागत बुद्ध

हेमन्त ऋतु ता. 21 से शिशिर ऋतु

जन्मदिन
12 दिसम्बर - कूर्मि शरद पवार, पूर्व रक्षामंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री
16 दिसम्बर - कूर्मि एच.डी.कुमार स्वामी, पूर्व मुख्यमंत्री, कर्नाटक
19 दिसम्बर - श्रीमती प्रतिभा पाटिल, महामहिम पूर्व राष्ट्रपति

यदि परिवार की मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति करना हमारा कर्तव्य है तो समाज से अंधविश्वास व पाखण्ड को मिटाना भी हमारी नैतिक जिम्मेदारी है - डॉ. जीतेंद्र सिंगरौल

पंचक
9 दिसम्बर, गुरुवार 10.10 सुबह से 14 दिसम्बर, मंगलवार 2.05 रात्रि तक

गृह प्रवेश
13 दिसम्बर 6.32 सुबह से 14 दिसम्बर 2.05 रात्रि तक

मूल
4 दिसम्बर, शनिवार रात्रि 10.48 सुबह से 6 दिसम्बर सोमवार 4.45 रात्रि तक
12 दिसम्बर, रविवार 12.00 रात्रि से 15 दिसम्बर, बुधवार 4.40 रात्रि तक
23 दिसम्बर, गुरुवार 12.45 दोपहर से 25 दिसम्बर शनिवार 4.10 रात्रि तक

विवाह मुहूर्त - 1, 2, 5, 6, 7, 11, 12, 13

मदन महिन्द्रा
पथरिया मोड़ के पास बरेला, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
मो. : 9977670000

वार					
सोम MONDAY	याददाश्त	**6** मार्गशीर्ष शुक्ल 3; डॉ. अम्बेडकर पुण्यतिथि; डॉ. सैय्यदना साहब जन्म दिवस; गौरव दिवस; पू.आ.	**13** मार्गशीर्ष शुक्ल 10; रेवती	**20** पौष कृष्ण 1; अन्तर्राष्ट्रीय मानव एकता दिवस; आर्द्रा	**27** पौष कृष्ण 8; मिर्जा गालिब जयंती; हस्त
मंगल TUESDAY		**7** मार्गशीर्ष शुक्ल 4; भारतीय झण्डा दिवस; विश्व नागरिक उड्डयन दिवस; उ.आ.	**14** मार्गशीर्ष शुक्ल 11; मोक्षदा एकादशी, गीता जयंती; विश्व ऊर्जा बचत दिवस; अश्विनी	**21** पौष कृष्ण 2; पुनर्वसु	**28** पौष कृष्ण 9; चित्रा
बुध WEDNESDAY	**1** मार्गशीर्ष कृष्ण 12; सीमा सुरक्षा दिवस; नागालैंड राज्य निर्माण दिवस; विश्व एड्स जागरूकता दिवस; चित्रा	**8** मार्गशीर्ष शुक्ल 5; विवाह पचंमी; श्रीराम विवाहोत्सव; नाग दीवाली; श्रवण	**15** मार्गशीर्ष शुक्ल 12; अन्तर्राष्ट्रीय चाय दिवस; सरदार पटेल पुण्यतिथि; भरणी	**22** पौष कृष्ण 3; अखुरथ संकष्टी चतुर्थी; राष्ट्रीय गणित दिवस; पुष्य	**29** पौष कृष्ण 10; अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा स्थापना दिवस; स्वाती
गुरु THURSDAY	**2** मार्गशीर्ष कृष्ण 13; आसाम दिवस; विश्व प्रदूषण निवारण दिवस; विश्व कम्प्यूटर साक्षरता दिवस; प्रदोष व्रत; स्वाती	**9** मार्गशीर्ष शुक्ल 6; चम्पा षष्ठी; निरोधक दिवस; अन्तर्राष्ट्रीय भ्रष्टाचार; धनिष्ठा	**16** मार्गशीर्ष शुक्ल 13; प्रदोष व्रत; खरमास प्रारंभ; भरणी	**23** पौष कृष्ण 4; राष्ट्रीय किसान दिवस; अश्लेषा	**30** पौष कृष्ण 11; सफला एकादशी; विशाखा
शुक्र FRIDAY	**3** मार्गशीर्ष कृष्ण 14; विश्व विकलांगता दिवस; डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती; राष्ट्रीय किसान दिवस; अन्वाधान; विशाखा	**10** मार्गशीर्ष शुक्ल 7; मानव अधिकार दिवस; शहीद वीरनारायण सिंह का बलिदान दिवस; शतभिषा	**17** मार्गशीर्ष शुक्ल 14; कृत्तिका	**24** पौष कृष्ण 5; राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस; मघा	**31** पौष कृष्ण 12; प्रदोष व्रत; अनुराधा
शनि SATURDAY	**4** मार्गशीर्ष कृष्ण 15; सूर्य ग्रहण; मार्गशीर्ष अमावस्या; जल सेना दिवस; अनुराधा	**11** मार्गशीर्ष शुक्ल 8; बैंक एवं कार्यालयीन अवकाश; अन्तर्राष्ट्रीय पर्वतीय दिवस; पू.भा.	**18** मार्गशीर्ष शुक्ल 14; अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी दिवस; रा. अल्पसंख्यक अधिकार दिवस; गुरू घासीदास जयन्ती; रोहिणी; दत्तात्रेय जयंती	**25** पौष कृष्ण 6; क्रिसमस दिवस; अटल बिहारी बाजपेयी जन्मदिवस; पू.फा.	**ऐच्छिक अवकाश**: 10 शहीद वीर नारायण सिंह का बलिदान दिवस; 18 दत्तात्रैय जयंती. **शासकीय अवकाश**: 18 गुरुघासीदास जयंती; 25 क्रिसमस दिवस
रवि SUNDAY	**5** मार्गशीर्ष शुक्ल 1, 2; विश्व संरक्षण दिवस, मृदा दिवस; अन्तर्राष्ट्रीय स्वयं सेवक दिवस; चन्द्र दर्शन; ज्येष्ठा	**12** मार्गशीर्ष शुक्ल 9; अन्तर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य दिवस; अन्तर्राष्ट्रीय तटस्थता दिवस; उ.भा.; अन्नपूर्णा दिवस	**19** मार्गशीर्ष शुक्ल 15; मार्गशीर्ष पूर्णिमा; गोवा मुक्ति दिवस; मृगशिरा	**26** पौष कृष्ण 7; भानु सप्तमी; उ.फा.	

तहसील क्षेत्र, बेलतरा, बिलासपुर (छ.ग.)

समस्त स्वजातिय बंधुओं को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएँ...
कूर्मि विष्णु प्रसाद गहवई, प्रोप्राईटर, मो. 8319147040
कूर्मि श्रवण गहवई, सरपंच, रानीगांव (रतनपुर), मो. 9131578598
जय मां दुर्गा राईस मिल
ग्राम-रानीगांव (रतनपुर) वि.खं. कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
कूर्मि चंद्रमणी (बिट्टू) गहवई, मो. 8962128649

ईजी.कूर्मि एम.के.चन्द्रा
अनुविभागीय अधिकारी, जल संसाधन विभाग खारंग, उप संभाग बिलासपुर
कूर्मि पुष्पलता चन्द्रा,
कूर्मि सोनल चन्द्रा, कूर्मि सौम्या चन्द्रा

कूर्मि माधवनाथ-श्रीमती शांता चन्द्राकर
जिला-अध्यक्ष, छ.ग.कू.क्ष.चेतना मंच जिला बिलासपुर (छ.ग.), मो. 9827105969
संचालक : फुलवारी लोक रंग, बिलासपुर

कूर्मि एकीकरण में संलग्न स्वजातियों का हार्दिक अभिनंदन

कूर्मि ओम (ओमिशा) वर्मा
मो. : 8962799526
वर्मा फोटोकॉपी एवं कम्प्यूटर सेन्टर
हाई कोर्ट, बिलासपुर (छ.ग.)

कूर्मि बी. आर. वर्मा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत बिल्हा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.)
मो. : 8085427356

आशीर्वाद
लेजर, फेको नेत्र चिकित्सालय एवं डायबिटिज सेंटर
कूर्मि डॉ. एल.सी. मढ़रिया
मो. 9826190123
आई.जी.ऑफिस रोड, अपेक्स बैंक के बगल, नेहरू चौक, बिलासपुर (छ.ग.)
फोन: 07752-402070, 228277, मो.9669979123

कूर्मि चेतना अंक - 7 (2021)

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग

कूर्मियों की दिशा, दशा तथा भविष्य निर्धारण के लिए एक मात्र पञ्चाङ्ग

पं क्र.- छ.ग. राज्य/37, दिनांक 06.10.2001

छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच

पंजीकृत मुख्यालय - डॉ. कौशिक क्लीनिक, अशोक नगर, सीपत रोड, सरकण्डा, बिलासपुर (छ.ग.)

फोन : 09826165881, 09425522629, ई-मेल: kurmi.chetna01@gmail.com

94241-53582, 9300851771, 98271-57927 https://www.facebook.com/kurmi.chetna01

दिसम्बर - 2021

सम्पादकीय एवं प्रकाशन विवरण

अपनों से अपनी बात

आत्मीय स्वजन,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि कोरोना वैश्विक महामारी के विषम परिस्थितियों में भी **कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2021** का यह **सातवां अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करने में हम सफल हुए हैं । कहा भी गया है कि **'जो समाज अपना इतिहास नहीं जानता है; उस समाज का विकास होने में समय लगता है'**। इन्ही मूल भावनाओं को ध्यान में रखकर पञ्चाङ्ग के माध्यम से समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति, परंपरा तथा महान विभूतियों की जानकारी देने का कार्य विगत 7 वर्षों से जारी है; जिससे हमें न केवल आत्म गौरव का बोध हो बल्कि समाज में व्याप्त रूढ़ीवादिता, उदासीनता, भ्रम तथा शंकाओं के समाधान इत्यादि का तार्किक एवं वैज्ञानिक समाधान मिल सके। इसके अतिरिक्त यह जानकारी लोगों के पास रेडी-रिफरेन्स के रूप में 365 दिन कूर्मि समाज के प्रत्येक घर में उपलब्ध होकर जागृति व नव चेतना के संचार का माध्यम बन सके।

वर्तमान पीढ़ी वैश्वीकरण के चकाचौंध में दिन- प्रतिदिन घिरते जा रहा है। अत: ऐसी परिस्थिति में अपनी मूल संस्कृति तथा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अपनी पहचान बनाए रखते हुए विकास की चुनौतियों को उन तक पहुँचाने का बहुत बड़ा दायित्व हम सब पर है, यह पञ्चाङ्ग प्रकाशन इसी कड़ी का एक अंश है; जिससे नई पीढ़ी के व्यवहार- परिवर्तन व उनकी जिज्ञासा को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त होगा।

सामाजिक एकीकरण को ध्यान में रखते हुए इस पञ्चाङ्ग में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर के समाज प्रमुखों का परिचय दिया गया है ताकि आवश्यकतानुसार उनसे संपर्क व मेल- मिलाप को प्रोत्साहन मिल सके। इस पञ्चाङ्ग में राज्यवार कूर्मियों की जनसंख्या, निवासरत कूर्मियों की जानकारी का विवरण संकलित किया गया है ताकि अपने लोगों का चिन्हांकन आसानी से हो सके।

हमें आशा एवं विश्वास है कि पञ्चाङ्ग का यह **सप्तम अंक** सभी के लिए उपयोगी होगा और समाज विकास की कड़ी में सहायक सिद्ध होगा । अपने व्यस्ततम क्षणों में से कुछ पल इसे पढ़ने में अवश्य निकालें; इससे संपादक मंडल का श्रम सार्थक होगा एवं समाज हित में लगे साधकों का मनोबल बढ़ेगा । पञ्चाङ्ग में प्रकाशित कलेवर पर अपना विचार व सुझाव देने के अतिरिक्त नवीन तथ्य एवं जानकारी यदि आपके पास हो तो हमें संप्रेषित करने में कृपणता नहीं बरतेंगे, ऐसा आग्रह है । सदैव की भाँति समाज कल्याण में आपका सहयोग विनम्रता पूर्वक अपेक्षित है ।

सभी का नववर्ष मंगलमय हो

-संपादक मंडल

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष संरक्षण/ मार्गदर्शन -

कूर्मि एल. पी. पटेल, राष्ट्रीय अध्यक्ष-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा

कूर्मि डॉ. व्ही.एस. निरंजन, राष्ट्रीय महासचिव-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा

कूर्मि लताक्रृषि चंद्राकर, महिला, राष्ट्रीय अध्यक्षा-अखिल भारतीय कूर्मि-क्षत्रिय महासभा

कूर्मि विजय बघेल, सांसद, प्रदेशाध्यक्ष-छत्तीसगढ़ प्रदेश कूर्मि-क्षत्रिय समाज

समस्त फिरका प्रमुख, सर्व कूर्मि-क्षत्रिय समाज, छत्तीसगढ़।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादन में विशेष सहयोग कूर्मि एल.पी. चन्द्राकर, पूर्व प्रांताध्यक्ष छ.ग.कू.-क्ष.चेतना मंच, कूर्मि जगदीश कौशिक, पूर्व प्रांताध्यक्ष छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच, कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक, पूर्व प्रांताध्यक्ष छ.ग. कूर्मि क्षत्रिय चेतना मंच, कूर्मि ललित बघेल, राष्ट्रीय संगठन मंत्री - अ.भा. कू. क्ष. महासभा, कूर्मि आलोक चंद्रवंशी, कूर्मि टेसूलाल धुरंधर, कूर्मि नंदलाल चन्द्राकर, कूर्मि सालिक राम वर्मा ।

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग संपादक मंडल :-

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक, प्रबंध संपादक, प्रदेशाध्यक्ष-छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच, कूर्मि बी. आर. कौशिक प्रधान संपादक, कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार उप प्रधान संपादक, कूर्मि विश्वनाथ कश्यप उप संपादक, कूर्मि भारत लाल वर्मा, कोमल पाटनवार , कूर्मि श्रीमती भगवती चन्द्राकर, कूर्मि बी.पी. चन्द्रवंशी, कूर्मि चन्द्रशेखर चकोर, कूर्मि अनिल चंद्राकर - 9329111036 ।

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल- 9425522629 संपादक, कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2021

प्रकाशन वित्तीय दल -कूर्मि लक्ष्मी कुमार गहवई प्रभारी, कूर्मि राजेन्द्र चन्द्राकर, कूर्मि प्रदीप कौशिक, **कूर्मि सुखनंदन कौशिक**, प्रदेश कोषाध्यक्ष-छ.ग. कू.क्ष.चेतना मंच, कूर्मि गेंदराम कश्यप, कूर्मि रंजना वर्मा, कूर्मि मोहन कश्यप, कूर्मि आदित्य पाटनवार।

मार्केटिंग प्रबंधन दल -कूर्मि बी. आर. कौशिक, प्रभारी, कूर्मि सुरेश कौशिक, कूर्मि ऋषि कश्यप, कूर्मि तोखन चन्द्राकर, कूर्मि देवी चन्द्राकर, कूर्मि ईश्वरी लाल चन्द्राकर, कूर्मि चमन चन्द्राकर, कूर्मि देवप्रताप सिंह कूर्मि मिथलेश सिंगरौल, कूर्मि डॉ. हेमन्त कश्यप, कूर्मि डॉ. पीयूषकांत पाटनवार ।

अपील

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के माध्यम से अपने व्यापार, नाम को समाज के घर-घर तक पहुँचावें..

कूर्मि समाज एक श्रमजीवी समाज है। समाज में एकीकरण से शिक्षा, व्यवसाय, राजनैतिक, साहित्यिक व सांस्कृतिक विरासत को नई दिशा व ऊँचाई प्राप्त होगा। इसी भावना को ध्यान में रखते हुए कूर्मि समाज के इतिहास, संस्कृति, पर्व तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ कूर्मि-क्षत्रिय चेतना मंच द्वारा प्रतिवर्ष कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग का प्रकाशन किया जाता है। आगामी अंक कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग 2022 में भारत भर में निवासरत कूर्मियों के इतिहास, संस्कृति, गोत्रावली, उपजाति फिरका की जानकारी, प्रमुख त्यौहार, महापुरुषों की जानकारी से भरपूर कलेवर समाहित किया जावेगा। यह पञ्चाङ्ग न केवल हमारी जानकारी बढ़ाएगा बल्कि हमारी नई पीढियों की जागृति व व्यवहार परिवर्तन में सहायक होगा। प्रस्तावित पञ्चाङ्ग को एक बेहतरीन कलेवर के रूप में प्रस्तुति के लिए आपका सहयोग व विचार आमंत्रित है।

नोट -रु.6000, रु.10,000, रु.15,000, रु.20,000, रु.25,000 का सीमित प्रकाशन सहयोग आमंत्रित है... सहयोग राशि ऑनलाइन जमा करने हेतु खाता का विवरण

Chhattisgarh Kurmi Kshatriya Chetana Manch
S.B.I. A/C No.63028610257, IFS Code SBIN0030243
Telephone Exchange Branch-Bilaspur (Chhattisgarh) 495001

राशि जमा कर पावती के साथ सूचित करें, जिससे संगठन के खाते से मिलान किया जा सके।

आपका अपना ही

कूर्मि डॉ. निर्मल नायक
प्रदेशाध्यक्ष
मो. : 9826165881
ईमेल - kurmi.chetna01@gmail.com

कूर्मि डॉ. जीतेन्द्र सिंगरौल
प्रदेश महासचिव
मो. 09425522629
ईमेल - jkumar001@gmail.com

टीप : पञ्चाङ्ग प्रकाशन का मूल उद्देश्य कूर्मि समाज में व्याप्त रूढ़िवादी परम्परा, गलत मान्यता को दूर कर लोगों में वैज्ञानिक व तथ्यपरक जानकारी देना है। इस मूल भावना को ध्यान में रखते हुए पञ्चाङ्ग प्रकाशन दल द्वारा विषय-वस्तु तैयार करते समय विशेष सावधानी रखी गई है; फिर भी किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर कृपया अवगत करावें ।

पञ्चाङ्ग में मूहुर्त की गणना के लिए अक्षांश व देशांतर रायपुर (छत्तीसगढ़) का उपयोग कर किया गया है साथ ही पञ्चाङ्ग के गणित, तिथि, नक्षत्र, लग्न, योग, पंचक,मुहूर्त, व्रत, जयंती व दिवस इत्यादि का संकलन व प्रुफ रीडिंग तथा सम्पादन इत्यादि में पूर्ण सावधानी रखने का प्रयास किया गया है; फिर भी यत्र-तत्र त्रुटि होने पर उसे सुधारकर पढ़ा जावे।

इस पञ्चाङ्ग में समाहित सभी मूहुर्त, व्रत एवं त्यौहार पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही पुरानी मान्यताएँ हैं, यदि आप इन्हें अंधविश्वास समझते हैं तो इनका पालन करने अथवा न करने के लिए स्वतंत्र हैं । प्रकाशन के संबंध में किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति पर न्यायालयीन क्षेत्र बिलासपुर (छ.ग.)होगा ।

पञ्चाङ्ग मिलने हेतु संपर्क सूत्र :-

रायपुर	कूर्मि अनिल चंद्राकर	9329111036
महासमुंद	कूर्मि विनोद चंद्राकर	9977911119
बलौदाबाजार	कूर्मि टेसुलाल धुरंधर	9425520852
धमतरी	कूर्मि छत्रपाल बैस	9424239090
बिलासपुर	कूर्मि डॉ. हेमंत कौशिक	9827157927
मुंगेली	कूर्मि राजकुमार कश्यप	9340319763
जांजगीर-चांपा	कूर्मि व्यास नारायण कश्यप	9425220316
कोरबा	कूर्मि सुषमा नायक	7000371747
दुर्ग, भिलाई	कूर्मि मोरध्वज चंद्राकर	9827112661
कवर्धा	कूर्मि दौलत कश्यप	9893182264
बेमेतरा	कूर्मि ओम प्रकाश वर्मा	9617057403
अंबिकापुर	कूर्मि देव प्रताप सिंह	9406133419
बलरामपुर	कूर्मि गिरीश पटेल	9926167334
भोपाल	कूर्मि ममता पटेल 9229683301 कूर्मि वीणा वर्मा	9425096276
उज्जैन	कूर्मि रमेश चन्द्र नायक (पाटीदार)	9926790652
ग्वालियर	कूर्मि हीरालाल पटेल	9893908393
शाजापुर	कूर्मि संजीव कुमार पाटिल	9755119889
जबलपुर	कूर्मि रामसिंह	9300247612
मंडला	कूर्मि प्रदीप पटेल	9340161821
इंदौर/सिवनी	कूर्मि प्रशांत पटेल	9617066669
छिंदवाड़ा	कूर्मि झाम सिंह सनोडिया	9425848800
नरसिंहपुर	कूर्मि मनीष पटेल	9993475439
खजुराहो	कूर्मि दिवाकर पटेल	9425813527
सतना	कूर्मि महेन्द्र सिंह सिंघल	9340388672
मुंबई	कूर्मि गणपति	9324620022
अमरावती	कूर्मि डॉ मंगेश देशमुख	9404952808
पूणे	कूर्मि धीरेन्द्र कूर्मि	9993778935
ठाणे	कूर्मि संजय पाटिल	7745048505
नासिक	कूर्मि संदीप काले	9850232933
प्रयागराज	कूर्मि हिंछ लाल सिंगरौर	9839354563
उरई झांसी	कूर्मि डॉ. वीरेन्द्र सिंह निरंजन	9415459641
लखनऊ	कूर्मि डॉ. मंजू वर्मा	9450693942
बरेली	कूर्मि सी.एल. गंगवार	9627057161
गोरखपुर	कूर्मि डॉ. डी.के. वर्मा	9415884903
ललितपुर	कूर्मि हरदेव पटेल	9956168120
हरिद्वार	कूर्मि कांशीनाथ	8433073507
दिल्ली	कूर्मि आनंद सिंह चंदेल	9717644111
गाजियाबाद	कूर्मि आर.पी. चौधरी	9811638044
बैंगलुरू	कूर्मि कार्तिक 9972883296, कूर्मि सतीश कौशिक	9886110433
हैदराबाद	कूर्मि राजनारायण पटेल	9394543910
कोलकाता	कूर्मि राज वर्मा	9433003267
तन्जौर	कूर्मि राजू पटेल	9786205369
भूबनेश्वर	कूर्मि रामचंद मोहन्ता	9438323680
जयपुर	कूर्मि राजेश गंगवार	9414049758
हजारीबाग	कूर्मि रंजन कुमार सिंह	8521027088
रांची	कूर्मि रणधीर कुमार	7004728950
पटना	कूर्मि सुनीता साक्षी	9801874098
कर्नाटक	कूर्मि अजय वर्मा	9341235998
विजयनगरम्	कूर्मि रविन्द्र वेंकट रेड्डी	9392223200
आसाम	कूर्मि सुमेश महतो	9613968247
गोवा	कूर्मि मधु एन. गांवकर	9822194547
देहरादून	कूर्मि अनिरुद्ध सिंह	9410395787
अहमदाबाद	कूर्मि जी.बी. पटेल	9725292551
सूरत	कूर्मि चिंतन रावल	9998154111
ऊंझा	कूर्मि मनु भाई पटेल	9825154252
गंगटोक	कूर्मि रूपेश कुमार	9434022637

कूर्मि चेतना पञ्चाङ्ग के संबंध में अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें :-
कूर्मि बी.आर. कौशिक-94241-53582, कूर्मि सिद्धेश्वर पाटनवार-9300851771

सौजन्य से :-